शुभ लाभ
DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस का समर्पण एवं संकल्प सम्मेलन शक्ति एवं एकता के प्रदर्शन का था मंच @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 21 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-139

राहुल गांधी ने खो दिया है अपना मानसिक संतुलन

पाकिस्तानी प्रवक्ता की तरह पूछ रहे सवाल

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है। पहलगाम हमले के बाद बदले घटनाक्रम में भी राहुल गांधी भारत विरोधी बयान देने और हरकतें करने से परहेज नहीं कर रहे। कांग्रेस के ही एक अन्य सांसद गौरव गोगोई की पाकिस्तान यात्रा वैसे ही संदेह के घेरे में है। राहुल गांधी लगातार यह पूछ रहे हैं कि पाकिस्तानियों ने भारत के कितने विमान गिरा दिए। राहुल एक बार भी यह नहीं पूछ रहे कि भारत ने पाकिस्तान के कितने विमान गिराए। राहुल पाकिस्तान को लेकर अधिक चिंतित दिख रहे हैं। इस पर भाजपा ने राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष किया है।

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर और राहुल गांधी की तस्वीरें मर्ज करते हुए भाजपा ने राहुल गांधी की तुलना जनरल मुनीर से की और कहा कि राहुल गांधी पाकिस्तान के प्रति दर्द बखान कर रहे हैं, उन्हें जल्दी ही निशान-ए-पाकिस्तान का पुरस्कार मिल सकता है। भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने राहुल गांधी और पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल मुनीर एक दूसरे में मर्ज होती फोटो सोशल मीडिया पर साझा की है और दोनों को एक ही पाकिस्तानी सिक्के का दो पहलू बताया है। अमित मालवीय ने लिखा, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि राहुल गांधी पाकिस्तान और उसके हितैषियों की भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर के लिए बधाई भी नहीं दी, यह भी राहुल गांधी के लिए अस्वाभाविक नहीं है। राहुल गांधी बार-बार पूछते हैं कि हमने कितने जेट खो दिए।

राहुल ने पूछा, पाकिस्तान ने भारत के कितने विमान मारे?

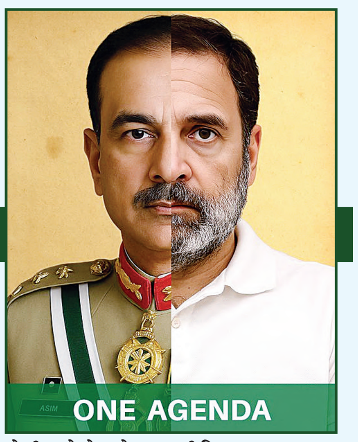

जबकि डीजीएमओ की आधिकारिक ब्रीफिंग में ऐसे कई सवालों को संबोधित किया जा चुका है और कहा जा चुका है कि युद्ध-काल में ऐसे ही सवाल पूछे जाएं जो राष्ट्रीय मनोबल को कम न करते हों और जो मर्यादा के भीतर हों। लेकिन राहुल गांधी का राष्ट्रीयता, मनोबल और मर्यादा से कोई लेना देना नहीं रहता।

मालवीय ने राहुल गांधी का मजाक भी उड़ाया कि उन्होंने एक बार भी यह नहीं पूछा कि संघर्ष के दौरान कितने पाकिस्तानी जेट मार गिराए गए, या भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर बमबारी के दौरान कितने विमान अपने हैंगर में खड़े रहते हुए नष्ट हो गए। राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण पर राजद के सांसद मनोज झा का बयान झन्नाटेदार तमाचे की तरह है। मनोज झा ने कहा, मैं मानता हूं कि यह देश का मिशन था। हमें सारी असहमतियों को विराम देते हुए सरकार का साथ देना चाहिए।

पूरा पाकिस्तान हमारी रेंज में है : एयर डिफेंस चीफ

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के एयर डिफेंस महकमे के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा ने साफ-साफ कहा कि भारत के पास पाकिस्तान से उसकी पूरी गहराई में जाकर लड़ने के लिए पर्याप्त हथियार हैं। भले ही पाकिस्तानी सेना अपना हेडक्वार्टर रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा ही क्यों न ले जाए, पूरा पाकिस्तान भारतीय सेना के क्लोज रेंज में है। भारत के पास इतनी ताकत है कि वह पाकिस्तान के किसी भी हिस्से को निशाना बना सकता है। लेफ्टिनेंट जनरल कुन्हा ने कहा कि भारत के पास पाकिस्तान की पूरी गहराई में टारगेट पर हमला करने की क्षमता है। ▶10 पर

आतंकी हमले के बाद माहौल सामान्य करने की पहल

कश्मीर घाटी में फिर से रौनक लाने की कोशिश

नई दिल्ली/श्रीनगर, 20 मई (एजेंसियां/ब्यूरो)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बैठक कर पर्यटन क्षेत्र की समीक्षा और सुधार पर चर्चा की। केंद्र सरकार घाटी में सैलानियों की वापसी के प्रयास में जुटी है और देशभर में पर्यटन को बढ़ावा देने की रणनीति बना रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भारत के पर्यटन क्षेत्र की समीक्षा की गई और सुधार पर चर्चा की गई। यह बैठक 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हुई है, जिससे पर्यटकों में खौफ का माहौल है। केंद्र सरकार घाटी में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। सरकार अब इस क्षेत्र में पर्यटकों को वापस लाने और यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है। बैठक में मौजूदा योजनाओं की समीक्षा करने और देशभर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नए तरीके खोजने पर फोकस किया गया। इससे पहले, 15 मई को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सिविल सचिवालय में होटल संघ के साथ बैठक की थी। यह बैठक पहलगाम आतंकी हमले के बाद होटल कारोबारियों की चिंताओं पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने सभी हितधारकों को भरोसा दिलाया था कि सरकार पर्यटन क्षेत्र को पूरा समर्थन देगी और उनके सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के बाद वार्षिक अमरनाथ यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जिनके पास सुरक्षा विभाग भी है, ▶10 पर

पर्यटन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की बैठक

जम्मू कश्मीर में भी एलजी की बैठक में हुआ मंथन

एसएसबी ने 27 उग्रवादी किए ढेर, 184 घुसपैठिए भी गिरफ्तार

सीमा पर चौकस है सीमा सुरक्षा बल और एसएसबी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने पिछले चार साल में सीमा पार कर भारत में अवैध रूप से घुसने का प्रयास कर रहे 184 विदेशी गिरफ्तार किए, वहीं 27 उग्रवादियों को ढेर किया गया। दूसरी तरफ बीएसएफ ने इस वर्ष तीन पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 66 तस्करों समेत तीन पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मंगलवार को नई दिल्ली में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में एसएसबी के प्रचालनात्मक और प्रशासनिक कार्यों, उपलब्धियों और भविष्य की रणनीतियों की समीक्षा की गई। एसएसबी के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद ने संगठन की वर्तमान संरचना, सीमावर्ती तैनाती, प्रचालन उपलब्धियों, तकनीकी उन्नति और भविष्य की चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से भारत-नेपाल

बीएसएफ ने सौ ड्रोन और 69 तस्कर पकड़े, 3 घुसपैठिए मारे

एवं भारत-भूटान सीमाओं पर एसएसबी की प्रभावशाली उपस्थिति, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों एवं जम्मू-कश्मीर में बल की सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया। महानिदेशक प्रसाद ने एसएसबी की उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि 2020 से 2025 के दौरान एसएसबी ने 184 विदेशी नागरिकों को अवैध रूप से सीमा पार करने पर गिरफ्तार किया। इसी अवधि में 1250 मानव तस्करी के मामलों में 2156 पीड़ितों को मुक्त कराया गया और 1094 तस्करों को पकड़ा गया। ▶10 पर

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से की अपील

कोर्ट ने तीन मुद्दे उठाए, उस पर ही सुनवाई हो

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि वे वक्फ कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कोई आंतरिम आदेश पारित करते हैं तो तीन मुद्दों तक इसे सीमित रखें। सरकार ने जिन मुद्दों पर सुनवाई सीमित रखने की अपील की है, उनमें एक मुद्दा अदालत द्वारा घोषित, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड सम्पत्ति को डी-नोटिफाई करने का है। दूसरा मुद्दा केंद्रीय और प्रदेश वक्फ बोर्ड के गठन से जुड़ा है, जिनमें गैर मुस्लिमों को शामिल किए जाने का विरोध हो रहा है। तीसरा मुद्दा वक्फ कानून के उस प्रावधान से जुड़ा है, जिसमें जिलाधिकारी द्वारा जांच और उसकी मंजूरी के बाद ही किसी सम्पत्ति को वक्फ सम्पत्ति घोषित किया जाएगा। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से कहा कि पूर्व की पीठ की ▶10 पर

विदेश सचिव ने की सर्वदलीय टीमों की ब्रीफिंग

पूरी हो रही विदेश रवाना होने के पहले की तैयारी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंगलवार को पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखने के लिए विभिन्न देशों की यात्रा पर जाने वाले सात में से तीन सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को ब्रीफ किया।

जेडीयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और डीएमके की कनिमोझी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों ने इस ब्रीफिंग में हिस्सा लिया। जिसमें उन्हें उनके एजेंडे और उसके महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी इस बैठक में भाग लिया। उनकी पार्टी पहले विरोध कर रही थी। लेकिन फिर अभिषेक बनर्जी को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने की मंजूरी दे दी। इस टीम का नेतृत्व संजय झा कर रहे हैं। यह टीम जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर की यात्रा करेगी। ▶10 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष

ऑपरेशन सिंदूर को मदरसा पाठ्यक्रम में शामिल करेंगे

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी ने कहा कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अपने नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने पर विचार कर रहा है। कासमी ने मंगलवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और सूफियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। मुफ्ती कासमी ने रक्षा मंत्री को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर करारा प्रहार किया है। इस साहसिक कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की रणनीति और सुरक्षा ▶10 पर

देश की आंतरिक स्थिति के मद्देनजर केंद्र का फैसला

इंटेलिजेंस ब्यूरो प्रमुख का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञ तपन कुमार डेका को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख के रूप में एक साल का विस्तार दिया गया है। अब वह जून 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे। यह उनका दूसरा विस्तार है। इससे पहले जून 2024 में डेका को एक साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था। वे 2022 से खुफिया ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख हैं।यह फैसला 7 मई को भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई और पिछले महीने हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद बदले सुरक्षा हालात के मद्देनजर लिया गया है। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने डेका को 30 जून 2025 के बाद ▶10 पर

शेयर मार्केट

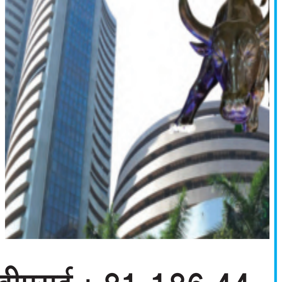

बीएसई : 81,186.44
-872.98 -1.06% ↓
एनएसई :24,683.90
-261.55 (-1.05%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 22^0

अहमदाबाद में शुरू हुआ घुसपैठिया सफाई अभियान

गुजरात का मिनी बांग्लादेश ध्वस्त

अहमदाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। अहमदाबाद के चंडोला तालाब क्षेत्र में बसे अवैध बांग्लादेशियों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो चुकी है। मंगलवार 20 मई की सुबह 6 बजे से ही अतिक्रमण हटाने का काम तेजी से शुरू हो गया। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने ध्वस्तीकरण के लिए 60 जेसीबी, 40 क्रेन मशीनें लगाई हैं। पहले चरण में 1.5 लाख वर्ग मीटर जमीन के बाद दूसरे चरण में 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन को साफ करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके तहत 8000 अवैध घर ध्वस्त होंगे। ईसानपुर क्षेत्र में स्थित सूर्यनगर पुलिस चौकी से मीरा सिनेमा की ओर जाने वाले सड़क पर सभी अवैध मकानों को ध्वस्त किया जा रहा है। इस जगह पर इससे पहले भी अतिक्रमण हटाने का एक्शन किया जा चुका है। चंडोला तालाब के पास अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों की इतनी तादाद है कि इस जगह को मिनी बांग्लादेश के नाम से भी बुलाया जाने लगा है। यहां पर अवैध बस्तियों के ध्वस्तीकरण का काम मंगलवार को शुरू हो गया। धवस्तीकरण की प्रक्रिया में सुरक्षा के लिहाज से 3000 पुलिस वालों की तैनाती की गई है। प्रथम चरण में 1.5 लाख वर्ग मीटर जमीन पर बने अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया था। दूसरे चरण में 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन को साफ करने का लक्ष्य एएमसी ने तय किया है। ▶10 पर

चंडोला तालाब को घुसपैठियों ने बना लिया था अड्डा

ओड़ीशा में भी घुसपैठियों के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई

भुवनेश्वर, 20 मई (एजेंसियां)। ओड़ीशा सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश से निष्कासित करने के उद्देश्य से एक बड़ा अभियान शुरू किया है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिना वैध दस्तावेजों के कोई भी विदेशी नागरिक ओड़ीशा में नहीं रह सकेगा। सरकार ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। प्रत्येक जिले में पहचान प्रक्रिया सुव्यवस्थित तरीके से की जाएगी।

मंत्री ने बताया कि तकनीकी विभागों और प्रशासनिक एजेंसियों के साथ प्रारंभिक विचार-विमर्श हो चुका है ताकि किसी भी स्तर पर बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और उनकी सरकारी परियोजनाओं में संलिप्तता रोकी जा सके। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

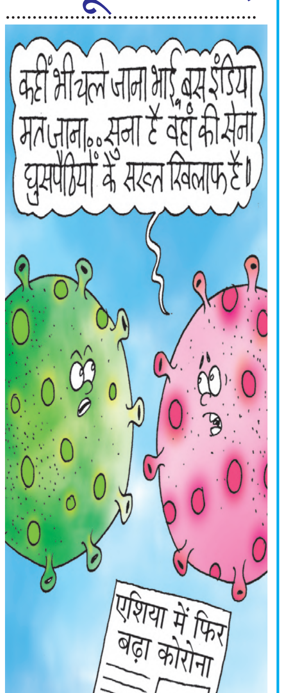

जीतो प्रत्येक जरूरतमंदों की सेवा के लिए है प्रतिबद्ध : तेजराज गुलेच्छा

शैक्षणिक वर्ष 25-26 के लिये छात्रवृत्ति सेवा प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
समाज की शिक्षा, सेवा एवं आर्थिक सुदृढ़ता के लिये समर्पित जीतो बेंगलूरु की अतिमहत्वाकांक्षी योजना जीतो जैन बंधु के अन्तर्गत संचालित जीतो स्कॉलरशिप की शैक्षणिक सत्र 25-26 की शुरुआत जीतो कार्यालय में हुई। जीतो एपेक्स के सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने इस अवसर पर कहा कि जैन बंधु योजना के अन्तर्गत संचालित मासिक अर्थ सहयोग व स्कॉलरशिप सेवा से जीतो के स्थापना उद्देश्यों की पूर्ति हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा व प्रतिकूल व्यापारिक हालातों, कोरोना काल में बिगड़ी स्थिति तथा अन्य सामाजिक परिस्थितियों के कारण समाज के निम्न मध्यम परिवारों को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और ऐसी परिस्थिति में जैन बंधु जैसी जनुपयोगी योजना से जरूरतमंदों को राहत मिलती है और जीतो प्रत्येक जरूरतमंद की सेवा को प्रतिबद्ध है। उन्होंने परिस्थितिनुसार ज्यादा से ज्यादा सहायता पहुँचाने का निर्देश स्कॉलरशिप समिति को दिया। इस अवसर पर उपस्थित जीतो एपेक्स श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष रमेश हरण ने ज्यादा से ज्यादा स्कॉलरशिप जरूरतमंदों की पहचान कर उनको जीतो कार्यालय तक भेजने का अनुरोध जीतो सदस्यों व जैन समाज से किया।

उन्होंने कहा कि अंतिम जरूरतमन्द तक पहुंचना जीतो का लक्ष्य है। जीतो जैन बंधु योजना के अध्यक्ष अशोक नागोरी ने जरूरतमंदों से बिना किसी हिचकिचाहट के जीतो कार्यालय आकर स्कॉलरशिप फार्म के साथ आवश्यक दस्तावेज देने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने मासिक सहायता के अंतर्गत जरूरतमंदों को पंजीकृत करवाने का अनुरोध किया। जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी व नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने दानवीरों से योजना में सहयोग का अनुरोध किया। योजना के महामंत्री राजेश मुथा के अनुसार योजना में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके को लाभांवितों की श्रेणी में रखा गया है, ताकि जीतो से प्राप्त मासिक अर्थ सहयोग से वो अपनी नित्य जरूरतों की पूर्ति कर सके। जीतो द्वारा समाज के जरूरतमंदों को सीधे सहायता पहुचाने वाली इस जैन बंधु योजना के कार्यों को अंतिम रूप देने हेतु जीतो एपेक्स निदेशक भेरुमल भंडारी, नरेन्द्र सिंह सामर, जीतो बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष श्रीपाल खीवेंसरा, समिति के महेश नाहर व महेन्द्र जियानी उपस्थित हुए। योजना की स्कॉलरशिप समिति के सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार योजना के प्रारंभ से सत्र 24-25 तक 7100 विद्यार्थियों को लाभ पहुचाया जा चुका है, यही इस योजना की सफलता का प्रमाण है। छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत के अवसर पर समिति सदस्य निर्मल बाफना, सुभाष खीवेंसरा, अमित कोठारी, नितेश गांधी व दिलीप रायसोनी भी उपस्थित थे।

मूसलाधार बारिश से मिट्टी का कटाव घरों में बाढ़ और जन आक्रोश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ में अगले दो दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी होने के बाद मंगलवार की सुबह से ही मेंगलूरु में भारी बारिश जारी रही। कावूर, अद्यपडी और कोडियालबेल जैसे इलाकों में भारी बारिश के कारण काफी नुकसान हुआ है।

इन इलाकों में, परिसर की दीवारें ढह गई हैं, नाले का पानी घरों में घुस गया है और कई घरों के परिसर में कीचड़ जमा हो गया है। कावूर जंक्शन पर, निजी भूमि से नाले का पानी बह निकला, जिससे गंभीर मिट्टी का कटाव हुआ।

उचित जल निकासी व्यवस्था की कमी के कारण, पानी-कीचड़ के साथ-साथ सड़कों पर बह गया और आवासीय परिसरों में घुस गया। स्थानीय निवासी, जो वर्षों से शिकायतें कर रहे हैं, का दावा है कि अधिकारियों या क्षेत्र के पार्षद की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। पूर्व पार्षद, जिनका घर प्रभावित क्षेत्र के स्पष्ट दृश्य में है, कथित तौर पर निवासियों की चिंताओं को स्वीकार करने या उन पर कार्रवाई करने में विफल रहे हैं।

अद्यपडी में, बारिश के कारण पास की पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप एक घर पूरी तरह से कीचड़ और पानी से भर गया। परिसर में मोटी मिट्टी जम गई, जिससे घर बुरी तरह प्रभावित हुआ। इस बीच, कोडियालबेल में, भारी बारिश के कारण एक अपार्टमेंट परिसर की दीवार ढह गई। सौभाग्य से, कोई हताहत नहीं हुआ।

यह ग्रेटर बेंगलूरु नहीं, बल्कि अनाथ बेंगलूरु है: जेडीएस नेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरिष्ठ विधान परिषद सदस्य और जेडीएस के वरिष्ठ नेता टी.ए. शरवण ने कहा कि उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री डी.के. शिवकुमार भारी बारिश से जूझ रही राजधानी बेंगलूरु की स्थिति और ग्रेटर बेंगलूरु के विचार के बह जाने के बीच, साधना बैठक में भाग ले रहे हैं। एक प्रेस बयान में उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि लोग कांग्रेस पार्टी और बेंगलूरु के प्रभारी मंत्री को भारी बारिश के मामले में उनकी निष्क्रियता के लिए माफ नहीं करेंगे, जिसमें बेंगलूरु में निर्दोष लोगों की जान चली गई। आम लोगों की जिंदगी बारिश से बह गई है। झुग्गी-झोपड़ियों और निचले इलाकों में पानी जमा हो गया है, जिससे लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह विडम्बना और दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस का कोई भी नेता ऐसा नहीं है जो उनकी जरूरतों, इच्छाओं और चाहतों को समझे और मदद के लिए हाथ बढ़ाए। साधना सम्मेलन में पूरा मंत्रिमंडल एक साथ बैठा है और ऐसा लग रहा है कि वहां बोलने या सुनने वाला कोई नहीं है। शरवण ने आल-ोचना करते हुए कहा कि यह ग्रेटर बेंगलूरु नहीं बल्कि अनाथ बेंगलूरु है।

भारी बारिश के बाद मणिपाल सड़क नदी में हुई तब्दील

यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पर मजबूर होना पड़ा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में मंगलवार की सुबह से शुरू हुई भारी बारिश ने एक बार फिर महत्वपूर्ण उडुपी-मणिपाल रोड पर कृत्रिम बाढ़ ला दी है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मणिपाल में आईनॉक्स और बैकस इन के पास सड़क का हिस्सा पूरी तरह से जलमग्न हो गया, जो एक बहती नदी जैसा लग रहा था, जिससे कई वाहनों को उडुपी से मणिपाल पहुंचने के लिए अपना रास्ता बदलना पड़ा और वैकल्पिक मार्ग तलाशने पड़े। सड़क का यह हिस्सा उडुपी और मणिपाल के व्यस्त शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवा केंद्र के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हालांकि, उचित जल निकासी व्यवस्था की कमी के कारण, बारिश का पानी तेजी से जमा हुआ, जिससे व्यस्त राजमार्ग जलमग्न क्षेत्र में बदल गया। सड़क पर बारिश के पानी के तेज बहाव ने गंभीर जोखिम पैदा कर दिया, खासकर दोपहिया वाहन सवारों के लिए, जिनमें से कई को जल स्तर बढ़ने के कारण अपने वाहनों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करते देखा गया। यहां तक कि चार पहिया और भारी वाहनों को भी जलमग्न सड़क पर चलना बेहद मुश्किल हो गया। व्यवधान सुबह-सुबह शुरू हुआ, जब कर्मचारी, छात्र और अस्प-ताल के आगंतुक मणिपाल आने-जाने के लिए व्यस्त समय में आते हैं। कोई अन्य विकल्प न होने के कारण, कई लोगों को लंबे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े, जिसके परिणामस्वरूप यातायात जाम और देरी हुई। आईएनओएक्स जंक्शन के पास पानी का बहाव इतना तेज था कि इसने कुछ निचले इलाकों में बाढ़ ला दी। क्षेत्र में कृत्रिम बाढ़, जो मानसून के मौसम में एक नियमित समस्या बन गई है, फिर भी कोई स्थायी समाधान लागू नहीं किया गया है। मणिपाल में यातायात की मात्रा और जनसंख्या घनत्व बढ़ने के बावजूद, जल निकासी में सुधार स्थिर बना हुआ है। जलभराव ने यहाँ की व्यावसायिक गतिविधियों को भी बाधित किया। मणिपाल एक प्रमुख शैक्षणिक और चिकित्सा केंद्र है, जहाँ प्रतिदिन हजारों लोग आते हैं, इस मुद्दे को तुरंत संबोधित किया जाना चाहिए और इसका समाधान प्रदान किया जाना चाहिए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट द्वारा कांठा प्रांत जैन समाज के खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 22 मई से बेल खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा केपीपीएल सीजन 7 मोतीलाल मुणोत कप 2025 के पी पी एल चैंपियनशिप का आयोजन होगा। इसके लिए ट्रस्ट के उत्तमचंद कोठारी एवं सिद्धार्थ बोहरा ने महेंद्र मुणोत को विशेष रूप से आमंत्रित किया।

सोना तस्करी मामला

अभिनेत्री रान्या राव को जमानत, अदालत ने विदेश यात्रा पर रोक लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हाई-प्रोफाइल सोना तस्करी मामले में गिरफ्तार अभिनेत्री रान्या राव को आर्थिक अपराध के लिए विशेष अदालत ने सशर्त जमानत दे दी है। अदालत ने मामले के दूसरे आरोपी तरुण कोंडाराजू की जमानत भी बढ़ा दी है। दोनों आरोपियों ने जमानत याचिका दायर कर कहा था कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) उनकी गिरफ्तारी के 60 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रहा है। इस चूक को देखते हुए अदालत ने कड़ी शर्तों के साथ जमानत मंजूर कर ली। दो जमानतदार और 2 लाख रुपये के बांड जमा करने पर जमानत दी गई है। अदालत ने दोनों आरोपियों को स्पष्ट रूप से देश नहीं छोड़ने का निर्देश दिया है और उन्हें किसी भी तरह की अवैध गतिविधि में शामिल न होने की चेतावनी दी है। वकील गिरीश रान्या राव के लिए पेश हुए और उनके बचाव में दलीलें पेश कीं। रान्या राव को दुबई से बेंगलूरु में 12 करोड़ रुपये मूल्य के 14 किलो सोने की तस्करी करने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। उनकी पूर्व जमानत याचिकाएं उच्च न्यायालय और मजिस्ट्रेट अदालत दोनों द्वारा खारिज कर दी गई थीं।

सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से चोरी हुआ मोबाइल मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेजी से की गई कार्रवाई और प्रभावी तकनीकी हस्तक्षेप के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सीईआईआर (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर) पोर्टल का उपयोग करके चोरी हुए मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद किया। 27 अप्रैल 2025 को एक महिला ट्रेन यात्री ने 139-रेल मदद पोर्टल के माध्यम से अपने वनप्लस 10 आर मोबाइल फोन के खोने की सूचना दी। शिकायत को तुरंत आरपीएफ साइबर सेल, बेंगलूरु को भेज दिया गया और सीईआईआर पोर्टल पर डिवाइस को ब्लॉक करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए। सावधानीपूर्वक आईएमईआई ट्रैकिंग के माध्यम से, फोन का पता लगाया गया, जिसमें राजू (बदला हुआ नाम) के नाम से जारी एक नया सिम कार्ड मिला। इस सुराग के बाद, इंस्पेक्टर आरपीएफ बेंगलूरु सिटी रेलवे स्टेशन के नेतृत्व में एक टीम ने दिए गए पते पर व्यक्ति का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन संदिग्ध व्यक्ति नहीं मिला। हालांकि, आरपीएफ टीम द्वारा लगातार की गई जांच के कारण एक सफलता मिली। गत 18 मई को राजू ने स्वेच्छा से मोबाइल फोन आरपीएफ स्टेशन/बेंगलूरु सिटी को सौंप दिया। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति मरम्मत के लिए डिवाइस को उनकी दुकान पर लाया था और अपनी दुकान के रिकॉर्ड से आगे की जानकारी देने का आश्वासन दिया। 19 मई 2025 को, शिकायतकर्ता की पहचान, मोबाइल चालान और सहायक दस्तावेजों के गहन सत्यापन के बाद, डिवाइस को उसके असली मालिक को वापस कर दिया गया, जिन्होंने आरपीएफ टीम के परिश्रमी प्रयासों के लिए बहुत आभार व्यक्त किया। यह सफल वसूली खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को ट्रैक करने और पुनः प्राप्त करने में पोर्टल की दक्षता को रेखांकित करती है, जो साइबर सुरक्षा और डिजिटल अपराध की रोकथाम में इसके महत्व को पुष्ट करती है।

भारी बारिश के बीच चिक्कमगलूरु डीसी ने जारी की एडवाइजरी

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में भारी बारिश के मद्देनजर चिक्कमगलूरु जिला प्रशासन ने जनता के लिए एडवाइजरी नोट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 21 मई को जिले के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश (रेड अलर्ट) की चेतावनी दी है, और 22 मई के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और मूल्य वृद्धि को उपलब्धि मान रही: सीटी रवि

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा कि कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और मूल्य वृद्धि को उपलब्धि मान रही है और सम्मेलन आयोजित कर रही है। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस ने दो वर्षों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी हैं। जन्म प्रमाण पत्र, बिजली बिल, दूध, स्टाम्प ड्यूटी, व्यायाम शुल्क, पेट्रोल, डीजल और शराब समेत कई वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह ऐसी उपलब्धि है जिसका दावा कांग्रेस नहीं कर सकती। पांच का मतलब है पंचर होना निश्चित। घर की देवी लक्ष्मी हर महीने नहीं आतीं। शक्ति योजना आने के बाद रूटों पर बसें नहीं हैं। स्कूली बच्चे और पुरुष प्रतिदिन कष्ट झेल रहे हैं। संविदा एवं सरकारी कर्मचारियों को 3 से 5 महीने से वेतन नहीं मिला है। किसान सम्मान योजना को चुपचाप रद्द कर दिया गया है। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि किसान निधि, एससीपी और टीएसपी के 28,000 करोड़ रुपये का दुरुपयोग किया गया। इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष एम.आर. देवराज शेट्टी, रायता मोर्चा के राज्य सचिव एच.डी. कलमरुदप्पा, जिला प्रवक्ता हिरेमागलुरु पुट्टास्वामी और ग्रामीण अध्यक्ष ईश्वरह्ली महेश उपस्थित थे।

अक्टूबर से शुरू होगा कटपडी ओवरपास का काम: सांसद

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर कटपडी जंक्शन के पास यातायात की भीड़ को कम करने के लिए एक ओवरपास को मंजूरी दे दी गई है और निविदा प्रक्रिया पूरी हो गई है। विधायक गुरमे सुरेश शेट्टी और सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने साइट का निरीक्षण करने के लिए कटपडी जंक्शन का दौरा किया और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। उडुपी में कल्याणपुरा संथेकट्टे के पास ओवरपास और अंबलपडी जंक्शन पर अंडरपास जैसी चल रही बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और आगामी मानसून के मौसम को देखते हुए नेताओं ने घोषणा की कि कटपडी ओवरपास का निर्माण इस साल अक्टूबर में शुरू होने वाला है। इस अवसर पर कटपडी ग्राम पंचायत अध्यक्ष प्रभा शेट्टी, उपाध्यक्ष सुगुना पूजार्थी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गीतांजलि सुवर्णा और शिल्पा जी सुवर्णा, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारी मल्लिकार्जुन और नवीन, कटपडी पंचायत विकास अधिकारी इनायत, साथ ही कटपडी ग्राम पंचायत के सदस्य और पूर्व सदस्य और स्थानीय निवासी मौजूद थे।

कांग्रेस का समर्पण एवं संकल्प सम्मेलन शक्ति एवं एकता के प्रदर्शन का था मंच

सरकार की उपलब्धियों पर एक पुस्तक का विमोचन

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में कांग्रेस सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर होसपेट में आयोजित समर्पण एवं संकल्प सम्मेलन शक्ति एवं एकता के प्रदर्शन का मंच था। एआईसीसी अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मंत्री एच.के. पाटिल, चालुवरायस्वामी, डॉ. जी. परमेश्वर, के.जे. जॉर्ज, जमीर अहमद खान, ईश्वर खंड्रे, लक्ष्मी हेब्बालकर, सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरे गौड़ा, दिनेश गुंडू राव, एम.बी. पाटिल, सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश और कई अन्य लोग इसमें शामिल हुए। भारी बारिश के बावजूद गणमान्य व्यक्ति छाते लेकर कार्यक्रम में पहुंचे। एक बड़ा जा-पानी तम्बू खड़ा किया गया। इस कार्यक्रम में लाखों लोगों ने भाग लिया। कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित साधना सम्मेलन में भाग ले रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंच के मुख्य आकर्षण थे। गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में लगभग डेढ़ घंटे देरी से पहुंचे। उनके साथ पहुंचे शिवकुमार को मंच के चारों ओर घूमते देखा गया तथा वे हमेशा महत्वपूर्ण फाइलें अपने साथ रखते रहे। राहुल गांधी के मंच पर आते ही जयकारे गूंज उठे। राहुल गांधी दो कदम आगे बढ़े, फिर खड़े हुए और धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे मल्लिकार्जुन खड़गे को साथ लेकर, अपने पीछे खड़े होकर आगे बढ़ गए। उन्होंने मंच पर खड़गे के साथ लंबी चर्चा भी की। राहुल गांधी से चर्चा के बाद खड़गे ने एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला को अपने पास बुलाया और उन्हें कुछ निर्देश दिए। इस गुप्त परामर्श में राहुल गांधी ने भी हस्तक्षेप किया। इस बीच सिद्धरामैया ने कुछ कहने की कोशिश की, लेकिन राहुल गांधी ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। मंच पर राहुल गांधी, खड़गे और रणदीप सिंह सुरजेवाला ने राष्ट्रीय राजनीति पर लंबी चर्चा की। डी.के. शिवकुमार, जो मूक दर्शक की तरह तीनों की महत्वपूर्ण चर्चा सुन रहे थे, थोड़ी देर बाद उठकर दूसरी जगह चले गए। रणदीप सिंह सुरजेवाला डी.के. शिवकुमार की कुर्सी पर बैठे और चर्चा में शामिल हुए। यह गंभीर चर्चा लगभग दस मिनट तक जारी रही। राहुल गांधी को कागज लेकर समझाते हुए देखा गया। एक समय पर, डी.के. शिवकुमार आलाकमान नेताओं के पास खड़े होकर चर्चा सुन रहे थे। सिद्धरामैया वहां ऐसे बैठे रहे जैसे उनका आलाकमान के नेताओं के विचार-विमर्श से कोई लेना-देना ही न हो। इस बीच, बल्लारी और होसपेट जिलों के वरिष्ठ विधायक बिना कुर्सी के खड़े रहे और कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को बिना किसी व्यवधान के कॉफी और स्नैक्स सहित अनेक व्यंजन परोसे गए। बारिश से सुरक्षा के लिए एक बड़ा जापानी तम्बू लगाया गया था। गणमान्यों ने बर्तनों में अनाज डालकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। राहुल गांधी ने कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों पर एक पुस्तक का विमोचन किया, वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्व विभाग की उपलब्धियों पर एक पुस्तक का विमोचन किया। शहरी विकास और कन्नड़ संस्कृति विभाग सहित विभिन्न विभागों की उपलब्धियों पर पुस्तकों का विमोचन किया गया। प्रतीकात्मक रूप से, पांच लोगों को स्वामित्व विलेख सहित व्यापक राजस्व दस्तावेज वितरित किये गए। इस बीच, राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया।

सुप्रीम कोर्ट ने लक्ष्मी हेब्बालकर दुर्व्यवहार मामले में सी टी रवि को दी राहत

बेंगलूरु/नई दिल्ली/ शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एमएलसी सी टी रवि को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बेलगावी में आयोजित शीतकालीन सत्र के दौरान कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील भाषा के इस्तेमाल को लेकर दायर मामले में उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी। कोर्ट रवि की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें हेब्बालकर द्वारा दायर आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने मुकदमे की कार्यवाही पर रोक लगा दी और हेब्बालकर की ओर से पेश वकील को नोटिस भी जारी किया। इससे पहले, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मामले को रद्द करने की रवि की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। यह कथित घटना 19 दिसंबर को बेलगावी में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की एक टिप्पणी को लेकर विधान परिषद में कांग्रेस सदस्यों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसी नोकझोंक के दौरान रवि ने कथित तौर पर हेब्बालकर के खिलाफ अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। राज्य सरकार ने बाद में घटना की सीआईडी जांच के आदेश दिए। मामले को आगे की कार्रवाई के लिए आचार समिति को भी भेज दिया गया है।

कर्नाटक सरकार ने ऐसा विश्व रिकॉर्ड बनाया है जो किसी अन्य देश ने नहीं बनाया: एम.बी. पाटिल

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जो दुनिया के किसी भी देश ने अपने कार्यक्रम के माध्यम से हासिल नहीं किया है। यहां आयोजित समर्पण संकल्प दो वर्षीय साधना समावेश में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने राज्य में 1.25 करोड़ परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में ऐसा कार्यक्रम नहीं है जो इतने कम समय में लोगों को गरीबी से बाहर निकाल सके। हर महीने मासिक भुगतान की गारंटी से लोगों का जीवन बेहतर हुआ है। वाणिज्यिक अदालतों में फैसले का समय उसी दिन घोषित किया जाता है जिस दिन धनी व्यक्ति मामला दायर करता है। लेकिन यदि गरीब, विकलांग और बेरोजगार लोग अदालत चले गए तो इससे कई वर्षों तक विलंब होगा और लोगों को कष्ट उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इसका समाधान करने के लिए कानूनी संशोधन लेकर आई है और इसे राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। विपक्षी दल धैर्यपूर्वक आलोचना करते हैं। लेकिन ये सब अप्रासंगिक है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों का कर्ज माफ करने को तैयार नहीं है। लेकिन अमीरों और बड़े व्यापारियों का लाखों करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया गया है। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि केन्द्र सरकार गरीबों का शोषण कर रही है। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने जन-हितैषी कार्यक्रमों के माध्यम से करोड़ों लोगों को सहायता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि 2028 के विधानसभा चुनाव में भी जनता का आशीर्वाद हमारी पार्टी पर रहेगा। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप आज 1,11,111 परिवारों को मालिकाना हक वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि लम्बानी, गोल्ला और हादी सहित कई आबादी वाले क्षेत्रों को राजस्व गांव घोषित किया गया है और आज दस्तावेज जारी किए जा रहे हैं। हमारी सरकार सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार है जो अपने कहे अनुसार काम करती है, हमारी सरकार दृढ़ निश्चयी है।

स्वामी, बेंगलूरु के साथ सिर्फ ग्रेटर नाम जोड़ देना पर्याप्त नहीं: विजयेन्द्र

बारिश प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने मंगलवार को कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार बेंगलूरु में मानसून सीजन से संबंधित तैयारी कार्य करने के बजाय होसपेट में मौज-मस्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि इस तथ्य को बताना कि उन्होंने दो साल पूरे कर लिए हैं, एक अक्षम्य अपराध है। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने रेशम बोर्ड के वर्षा से क्षतिग्रस्त क्षेत्रों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने वर्षा से हुए नुकसान के कारणों और क्षति की सीमा की जांच की। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से बात की। मुख्यमंत्री को बेंगलूरु में विकास कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। उन्होंने राज्य सरकार पर अक्षम सरकार होने का आरोप लगाया। उन्होंने इस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें कोई गरिमा नहीं है।

कुछ ही घंटों की बारिश के बाद पूरा बेंगलूरु शहर जलमग्न हो गया। चार लोगों की जान चली गयी है। डी.के. शिवकुमार और सिद्धरामैया ने ग्रेटर बेंगलूरु के बारे में बात की। उन्होंने कहा स्वामी, बेंगलूरु के साथ सिर्फ ग्रेटर नाम जोड़ देना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि बेंगलूरु के विकास के लिए कितने हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। पहले जब भाजपा की सरकार थी तो हजारों करोड़ रुपए के अनुदान से अनेक काम कराए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि आज काम और विकास कार्य ठप्प पड़े हैं क्योंकि ठेकेदारों को भुगतान नहीं किया गया है। डी.के. शिवकुमार ने सबसे ऊंचे टॉवर और सुरंग रोड के बारे में बात की। बेंगलूरु की जनता और आम लोग इन बातों को नहीं सुन रहे हैं। वर्षा जल की उचित निकासी के लिए व्यवस्था होनी चाहिए। राजकालुवे नहर की मरम्मत की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह झीलों पर हो रहे अतिक्रमण को ठीक करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अधिकारियों को गाद हटाने के लिए कह रहे थे। क्या उन्हें नहीं पता कि बारिश क्यों होती है? उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें नहीं पता कि बारिश किस महीने आएगी। उन्होंने पूछा कि मानसून से पहले काम क्यों नहीं पूरा किया गया। प्रतिनिधिमंडल में बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी और विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधायक सतीश रेड्डी, पार्टी के बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति और पार्टी नेता उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार का सम्मेलन बारिश के पानी में तैर रहा: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने चुटकी लेते हुए कहा है कि होसपेट में कांग्रेस सरकार का सम्मेलन बारिश के पानी में तैर रहा है। जेडीएस ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए आरोप लगाया कि जहां बेंगलूरु पानी में डूबा हुआ है, वहीं बेल्लारी में कांग्रेस का अधिवेशन बारिश के पानी में तैर रहा है। जेडीएस ने बाहर से मोती, अंदर से कीड़े हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए विकास को भूलने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की और कहा कि उसका असली रंग सामने आ गया है।

मंत्री ने बारिश से बुरी तरह प्रभावित सिल्क बोर्ड सर्किल का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बारिश से बुरी तरह प्रभावित सिल्क बोर्ड सर्किल का निरीक्षण करने के बाद अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

मेट्रो कार्य के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो गया था। पिछले साल भी इसी स्थान पर बारिश के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। फिर भी आप जागे नहीं हैं। पानी के प्रवाह को रोकने वाली बाधाओं को क्यों नहीं हटाया गया?

उन्होंने लोगों के लिए समस्याएँ पैदा करने के लिए आलोचना की। उन्होंने आदेश दिया कि जल प्रवाह को सुगम बनाने के लिए रॉयल कैनल, जल निकासी और अन्य प्रणालियों को तुरंत साफ किया जाए। स्थानीय प्रतिनिधियों ने मेट्रो अधिकारियों के खिलाफ कई शिकायतें कीं। पानी स्थिर और ठहरा हुआ है, लेकिन मेट्रो अधिकारी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। अंत में हमें स्वयं ही जेसीबी मंगवानी पड़ी और बाधाओं को हटाना पड़ा। वे इसमें भी सहयोग नहीं करते। उन्होंने अधिकारियों के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें फोन भी नहीं मिलता। एक समय तो क्रोधित मंत्री रामलिंगा रेड्डी चिल्ला पड़े, आप क्या कर रहे हैं? आपके इरादे क्या हैं? क्या आपको सामान्य ज्ञान नहीं है? उन्होंने मेट्रो अधिकारियों के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करते हुए पूछा आपकी गैरजिम्मेदारी के कारण एक व्यक्ति की मौत हो जाने के बाद भी अगर आप नहीं जागे तो आपकी मंशा क्या है? आप शाही नहरों को अवरुद्ध करके परेशानी क्यों पैदा कर रहे हैं?

पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन को आज विदाई दी जाएगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन के सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को विदाई परेड का आयोजन किया गया है। परेड बुधवार सुबह 8 बजे शहर के कोरमंगला स्थित केएसआरपी परेड ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे आलोक मोहन परेड की सलामी लेंगे। परेड का नेतृत्व पश्चिम डिवीजन डीसीपी गिरीश करेंगे। राज्य के डीजीपी प्रवीण सूद को सीबीआई निदेशक नियुक्त किए जाने के बाद आलोक मोहन ने डीजीपी का पदभार संभाला था। अब वह सेवानिवृत्त हो जायेंगे।

भारी बारिश से सड़कों पर भरा पानी

शहर में अगले दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना

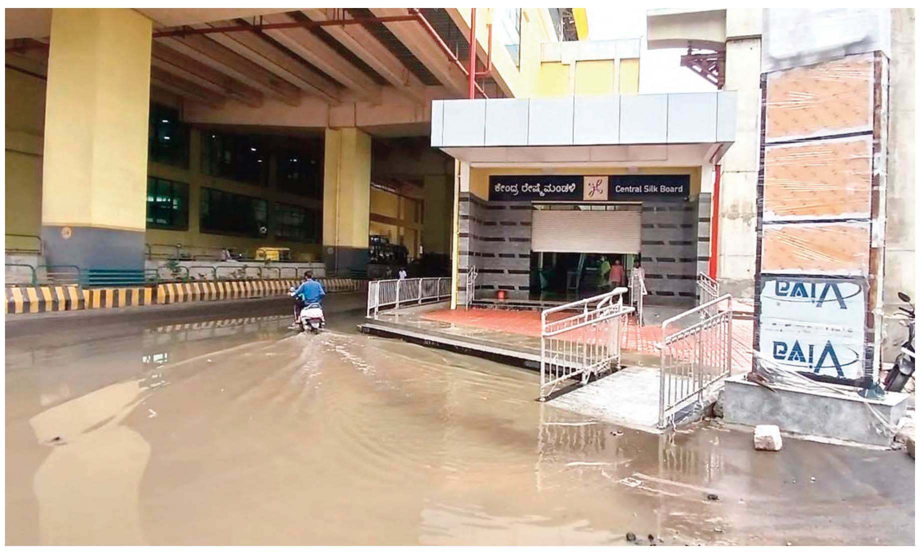

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्री-मानसून बारिश के बाद मंगलवार को भी बेंगलूरु की सड़कें जलमग्न हो गईं और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई। सोमवार और मंगलवार को सुबह 8.30 बजे के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के बेंगलूरु सिटी स्टेशन पर 37.2 मिमी बारिश हुई, जबकि बेंगलूरु एचएएल एयरपोर्ट स्टेशन पर 46.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। गंभीर जल-जमाव के बाद, सिल्क बोर्ड और रूपेना अग्रहारा के बीच होसूर रोड के हिस्से को इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी एलिवेटेड फ्लाईओवर के साथ लगभग दो घंटे के लिए बंद कर दिया गया और यातायात को वैकल्पिक सड़कों पर मोड़ दिया गया, जिससे कार्यालय जाने वालों को असुविधा हुई। हालांकि, कई आईटी कंपनियों ने सुबह की बारिश के बाद अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की घोषणा की। सुबह के व्यस्त समय में जयदेव अस्पताल से ईस्ट एंड सर्किल की ओर, वरथुर कॉलेज से वरथुर कोडी जंक्शन की ओर, कॉटनपेट से सुल्तानपेट सर्किल की ओर, बिलेकाहल्ली से जी.डी. मारा की ओर, सारक्की जंक्शन से सिंधुर जंक्शन की ओर, मडिवाला में अयप्पा अंडरपास, पोथलप्पा गार्डन से अनेपाल्या की ओर, आर.वी. डेंटल कॉलेज से लालबाग वेस्ट गेट की ओर, सिल्क बोर्ड मेट्रो स्टेशन से एचएसआर लेआउट की ओर और एमपीएस जंक्शन से सिल्क बोर्ड की ओर जलभराव के कारण यातायात धीमी गति से चल रहा था। निर्माणाधीन सेंट्रल सिल्क बोर्ड मेट्रो स्टेशन पर जलभराव हो गया। यहां तक कि सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में भी बारिश के कारण क्वीन्स रोड से अनिल कुंबले जंक्शन की ओर यातायात प्रभावित हुआ। मौसम वैज्ञानिकों ने बेंगलूरु में अगले 48 घंटों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान लगाया है।

छत्रपति शिवाजी के पिता शाहजी भोसले की समाधि का विकास कर्नाटक सरकार करेगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि कर्नाटक सरकार दावणगेरे जिले के होदागेरे गांव में छत्रपति शिवाजी के पिता शाहजी भोसले की समाधि के संरक्षण और सुरक्षा का जिम्मा उठाएगी। सुलेबावी गांव में छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा के अनावरण के दौरान उन्होंने कहा कि समाधि के आसपास के परिसर का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा और संरचना को मजबूत बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा हमने इस उद्देश्य के लिए 5 करोड़ रुपये जारी किए हैं। अतिरिक्त धनराशि जारी की जाएगी। उन्होंने महिला एवं बाल विकास, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर की अपने स्वयं के धन से छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए सराहना की। हेब्बालकर ने कहा कि जिले में शिवाजी या अन्य महान नेताओं की प्रतिमा स्थापित करने के पीछे उनका कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था। उन्होंने कहा हमारा एकमात्र उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना है। छत्रपति शिवाजी का व्यक्तित्व हमारे युवाओं को प्रेरित करे। उनकी वीरता और निडरता युवा पुरुषों और महिलाओं को जीवन में चुनौतियों का सामना करने में मदद करे। हम विभिन्न गांवों में कित्तूर चन्नम्मा, बसवन्ना और डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमाएं भी स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से निहित स्वार्थों के जाल में न फंसने का आग्रह किया जो समाज को जाति और सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कुछ नेता चुनाव से ठीक छह महीने पहले राजनीति करने आते हैं। चुनाव के बाद वे अदृश्य हो जाते हैं। लेकिन मैं उनमें से नहीं हूं। मैं अपना सारा समय निर्वाचन क्षेत्र के बारे में सोचने में बिताती हूं। मैं काम करती रहूंगी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार हिंडाल्गा, हिरे बागेवाड़ी और बेनकनहल्ली ग्राम पंचायतों को नगर पंचायतों में अपग्रेड कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे प्रति वर्ष लगभग 15 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा और इन क्षेत्रों की सूरत बदल जाएगी।

कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जनसभा समर्पण संकल्प समावेश शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

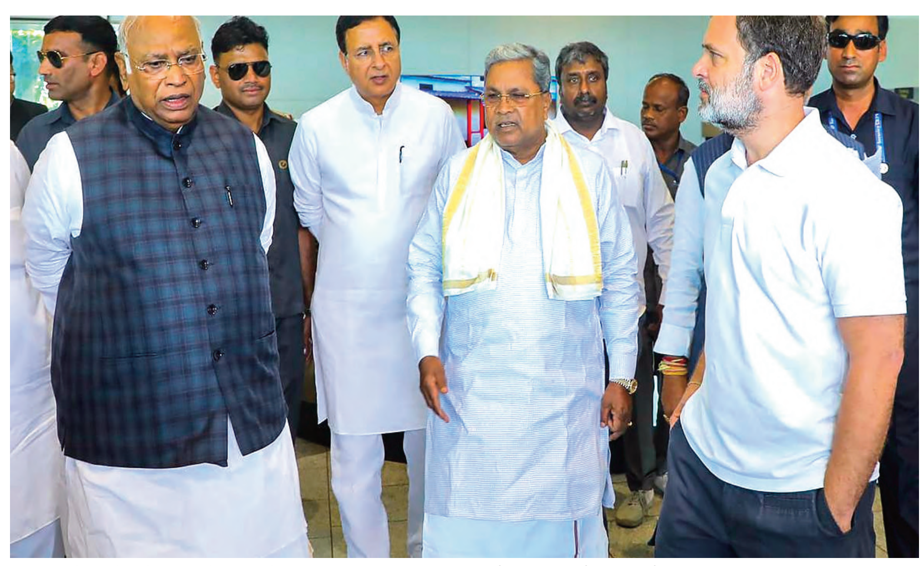

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनसभा समर्पण संकल्प समावेश मंगलवार को होसपेट में लगातार भारी बारिश के बीच शुरू हुई।

जहाँ अधिकांश लोग एक विशाल जलरोधक छतरी के नीचे शरण लिए हुए थे, वहीं कई अन्य लोगों को बाहर छिपने के लिए संघर्ष करना पड़ा। लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ और जलभराव हो गया, साथ ही होसपेट में कई जगहों पर यातायात जाम हो गया।

राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने गणमान्य व्यक्तियों और जनता का स्वागत करते हुए बारिश को सरकार के लिए ईश्वरीय आशीर्वाद बताया, क्योंकि उनके अनुसार सरकार ने अपने वादे पूरे किए हैं। बारिश से कुछ लोगों को असुविधा और नुकसान हो सकता है, लेकिन यह असंख्य किसानों के लिए वरदान है। इस दिन, जब हम कांग्रेस के नेतृत्व में अच्छे, जन-केंद्रित शासन के दो साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, बारिश हमें आशीर्वाद दे रही है।

गौड़ा ने उपस्थित लोगों को बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जिन्हें तोरणगल में जिंदल हवाई पट्टी से हेलीकॉप्टर के माध्यम से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना था, प्रतिकूल मौसम के कारण सड़क मार्ग से यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वे दोपहर 12.30 बजे मंच पर पहुंचे। उनके आगमन से पहले, गौड़ा के अलावा कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदागी, लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, वन मंत्री ईश्वर खंड्रे और कानून, संसदीय कार्य, विधान और पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल सहित कई मंत्रियों ने भीड़ को संबोधित किया। प्रत्येक ने पिछले दो वर्षों में अपने-अपने विभागों के अंतर्गत प्रमुख उपलब्धियों का सारांश प्रस्तुत किया। गौड़ा ने अनधिकृत बस्तियों - जैसे टांडा और हट्टी - को डिजिटल टाइटल डीड जारी करके राजस्व गांवों में अपग्रेड करने और इस तरह उन्हें कानूनी रूप से भूमि का मालिक बनाने को एक बड़ी उपलब्धि बताया। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने इसे संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कर्नाटक के राजस्व मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान खड़गे इन अनधिकृत बस्तियों को मान्यता प्राप्त राजस्व गांवों में बदलने की प्रक्रिया शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। लगभग एक दशक पहले कर्नाटक की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने लम्बानी बस्तियों के निवासियों को आश्वासन दिया था कि वह उन्हें टाइटल डीड प्राप्त करने में मदद करने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करेंगे। आज, सिद्धरामैया सरकार ने उस वादे को साकार करने के लिए एक कानून बनाया है।

भारी बारिश के बावजूद शिवमोग्गा में तिरंगा यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारी बारिश के बावजूद सैकड़ों लोगों ने शिवमोग्गा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शिवमोग्गा जिला इकाई द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। भारी बारिश के बीच, रमन्ना शेट्टी पार्क से शुरू हुई इस यात्रा में कई महिलाओं, कॉलेज की छात्राओं, भाजपा नेताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने हाथ में तिरंगा लेकर कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सैनिकों की प्रशंसा में नारे लगाए। लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र, विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा, डी.एस. अरुण, डॉ. धनंजय सरजी और जिला भाजपा अध्यक्ष जगदीश प्रतिभागियों में शामिल थे। राघवेंद्र ने गोपी सर्किल में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने पहलगाम हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया है। सैन्य अभियान ने पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया है। उन्होंने युद्ध का विरोध करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की आलोचना की।

सरकार बेंगलूरु निवासियों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि बारिश से होने वाली आपदाओं को कम करने के लिए खेतों में काम कर रहे हैं और लोगों की संपत्ति और जीवन की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शहर में बारिश के कारण दो लोगों की मौत की खबर सोमवार शाम को सामने आई और वह होसपेट से लौटने के बाद घटनास्थल का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम जहां भी रहेंगे, बेंगलूरु के सम्मान की रक्षा के लिए काम करेंगे, चाहे कुछ भी हो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया बुधवार को कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे। मैं सोमवार शाम को कुछ स्थानों पर गया था। सोमवार को पता चला कि बारिश की आपदा के कारण दो लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि वह उस स्थान का दौरा करेंगे। भाजपा चाहे जितनी भी आलोचना करे, बेंगलूरु डूब रहा है, इसका मतलब है कि प्राकृतिक आपदा को कोई नहीं रोक सकता। कोई चाहे जितनी भी आलोचना करे, जितनी अधिक बारिश होगी, राज्य के लिए उतना ही अच्छा होगा। उन्होंने कहा कि वे स्थायी समाधान के लिए कंक्रीट सड़कें बना रहे हैं। डी.के. शिवकुमार और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे होसपेट में राज्य सरकार के समर्पण संकल्प बैठक के लिए एक ही कार में हवाई अड्डे पहुंचे।

कश्मीर में क्षीर भवानी का प्रसिद्ध मेला 3 जून को

कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता

सीएम उमर अब्दुल्ला ने मंदिर में मत्था टेका

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 20 मई।
कश्मीर वादी के गंदरबल जिले के तुलमुला इलाके में स्थित मां रागन्या के पावन जन्मदिवस के अवसर पर 3 जून को होने वाले दो दिवसीय क्षीर भवानी मेले में शामिल होने वाले कश्मीरी पंडितों में सुरक्षा को लेकर काफी आशंका है। कारण स्पष्ट है। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सबको इस बात की आशंका है कि पाकिस्तान आतंकियों के जरिए कहीं फिर से कश्मीरी पंडितों पर कहर न बरपाए। इस खतरे की आशंका से कश्मीर में माहौल गर्माया है। कश्मीरी पंडित सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को गंदरबल जिले में प्रसिद्ध क्षीर भवानी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने यहां आरती की और मत्था टेका। सीएम अब्दुल्ला ने इससे यह संदेश दिया कि मंदिर और मेले के साथ-साथ मेले में शरीक होने वाले कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर है। कश्मीरियों के लिए यह पर्व काफी महत्वपूर्ण है। देश के सभी हिस्सों से कश्मीरी पंडित रागन्या देवी के मंदिर में इकट्ठा होते हैं। क्षीर भवानी यात्रा नजदीक आने के साथ ही कश्मीरी पंडितों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं और तैयारियों को लेकर योजना बनाने के साथ ही रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। 1 जून को कश्मीरी पंडित अपने परिवारों के साथ रवाना हो जाएंगे। कश्मीरी पंडित इस बार की यात्रा में सरकार से सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने की मांग कर रहे हैं। कश्मीरी पंडितों का कहना है कि कश्मीर में अलगाववादियों की बढ़ती धमकियों के चलते उनको काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बावजूद इसके जम्मू के विभिन्न इलाकों में रहने वाले कश्मीरी पंडित परिवारों ने पूरी आस्था के साथ ज्येष्ठाष्टमी के पावन पर्व पर तुलमुला क्षीरभवानी में आयोजित किए जाने वाले मेले में शमूलियत का पूरा मन बना रखा है।

प्रत्येक वर्ष क्षीर भवानी यात्रा के लिए हजारों की संख्या में कश्मीरी पंडित कश्मीर रवाना होते हैं। इस यात्रा के लिए प्रशासन की तरफ से कश्मीरी पंडितों की हर संभव सहायता की जाती है। इस यात्रा के लिए कश्मीरी पंडित कई दिन पहले ही तैयारी शुरू कर देते हैं। अशोक कौल, प्यारे लाल टाक, अंकुश टाक और अन्य कई कश्मीरी पंडितों ने बताया कि क्षीर भवानी की यात्रा कश्मीरी पंडितों के लिए बहुत ज्यादा मान्यता रखती है। जगटी टेनमेंट कमेटी ने रिलीफ कमीश्नर से मांग की है कि मई के अंत में और 1 जून को कश्मीर के लिए रवाना होने वाली यात्रा के लिए कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए जाएं। कमेटी नेताओं का मानना है कि यात्रा पिछले वर्ष से भी अधिक होगी और एक लाख के करीब श्रद्धालुओं के माता के दर्शन करने की संभावना है। उन्होंने रिलीफ कमीश्नर से अपील की है कि मां क्षीरभवानी की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए कश्मीर जाने वाली बसों के लिए सुरक्षा बंदोबस्त कड़े किए जाएं। कमेटी नेताओं ने मांग की कि तुलमुला स्थित मां के दरबार में हाजिरी देने वाले श्रद्धालुओं के रहने के लिए किए जाने वाले बंदोबस्त भी पुख्ता हों। इस यात्रा में कश्मीरी पंडित परिवार के साथ रवाना होते हैं और दूध और फूल का प्रसाद चढ़ाकर मन की मुराद को पूरा करते हैं। पूजा का आधा सामान अपने साथ लेकर जाते हैं तो कुछ क्षीर भवानी के दरबार में ही खरीदा जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार यात्रा के लिए कश्मीरी पंडित 1 जून को जम्मू और अन्य स्थानों से रवाना होंगे। 3 जून को क्षीर भवानी के दरबार में पूजन करना है

ड्रग तस्करी में लिप्त तीन जवान गिरफ्तार

एलओसी से हेरोइन खरीदकर पंजाब में बेचते थे

लुधियाना, 20 मई (एजेंसियां)।
लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) से हेरोइन खरीदकर पंजाब में बेचने के आरोप में जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में तैनात सेना के तीन जवानों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान लुधियाना के भनौर गांव के 25 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, होशियारपुर जिले के चिंगार कलां गांव के जसविंदर सिंह जस्सी और फरीदकोट जिले के जैतोन के बलजिंदर सिंह बल्ली के रूप में हुई है।

लुधियाना (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक अंकुर गुप्ता ने कहा कि दो दिन पहले लुधियाना के पमाल गांव में पुलिस चौकी पर विक्रमजीत को रोका गया और उसके पास से 255 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ के दौरान विक्रमजीत ने बताया कि वह श्रीनगर में सिपाही के पद पर तैनात था। विक्रमजीत, जस्सी और बल्ली पाकिस्तान से नियंत्रण रेखा के पास से हेरोइन की तस्करी करते थे और उसे पंजाब में बेचते थे। विक्रमजीत द्वारा दी गई सूचना के आधार पर लुधियाना पुलिस की एक टीम जम्मू-कश्मीर गई और श्रीनगर से जस्सी और बल्ली (दोनों सेना में हवलदार के पद पर तैनात हैं) को गिरफ्तार कर लिया।

विक्रमजीत जो एक साल से अधिक समय से श्रीनगर में तैनात है, इस काम के लिए अक्सर छुट्टी लेकर अपने होम टाउन आता था। तीनों जवान मध्यम वर्गीय परिवारों से हैं, और आसानी से पैसा कमाने के लिए यह काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि तीनों के खिलाफ जोधन पुलिस थाने में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 25 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है कि पाकिस्तान सीमा के पास पंजाब के तीन स्थानों पर सार्वजनिक रूप से झंडा उतारने की रस्म बुधवार से शुरू होगी। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह रस्म दो सप्ताह तक सार्वजनिक रूप से नहीं हुई। बीएसएफ के जालंधर मुख्यालय पंजाब फ्रंटियर ने कहा कि समारोह मंगलवार से फिर से शुरू होगा लेकिन यह केवल मीडियाकर्मियों के लिए खुला रहेगा। आम लोग बुधवार से समारोह में भाग ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का समय शाम 6 बजे होगा। अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में शाम को रोजाना आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 20 मई से दोबारा शुरू हो जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि समारोह की कुछ रस्मों में हालांकि कटौती की जाएगी क्योंकि बीएसएफ के जवान पाकिस्तान रेंजर्स से हाथ नहीं मिलाएंगे और झंडा उतारने की रस्म के दौरान द्वार नहीं खोले जाएंगे, जैसा कि पहले होता था।

स्वस्थ विश्व के निर्माण के लिए कमजोर लोगों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत: मोदी

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र को वीडियो कांफ्रेन्स से संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ विश्व का निर्माण इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमजोर लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल कितनी अच्छी तरह से करते हैं।

श्री मोदी ने इस वर्ष के थीम 'स्वास्थ्य के लिए एक विश्व' का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह वैश्विक स्वास्थ्य के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य सभा में अपने संबोधन को याद करते हुए 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ दुनिया का भविष्य समावेश, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समावेश भारत के स्वास्थ्य सुधारों के मूल में है। उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत का जिक्र करते हुए कहा कि यह 58 करोड लोगों को मुफ्त उपचार की सुविधा प्रदान करती है। इस कार्यक्रम का हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीयों को कवर करने के लिए विस्तार किया गया था।

प्रधानमंत्री ने भारत के हजारों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के व्यापक नेटवर्क का उल्लेख किया जो कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की शुरुआती जांच और पता लगाने की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने हजारों सार्वजनिक फ़ार्मेसियों की भूमिका को भी रेखांकित किया जो काफी कम कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएँ प्रदान करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण पर नज़र रखने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और अद्वितीय डिजिटल स्वास्थ्य पहचान प्रणाली जैसी भारत की डिजिटल पहलों को रेखांकित किया, जो लाभ, बीमा, रिकॉर्ड और सूचना को एकीकृत करने में मदद कर रही है।

श्री मोदी ने कहा , दुनिया का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमज़ोर लोगों की कितनी अच्छी तरह देखभाल करते हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देश विशेष रूप से स्वास्थ्य चुनौतियों से प्रभावित है और इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण अनुकरणीय, मापनीय और टिकाऊ मॉडल प्रदान करता है। उन्होंने दुनिया के साथ, विशेष रूप से ग्लोबल साऊथ के साथ अपने सीखने और सर्वोत्तम परंपराओं को साझा करने की भारत की इच्छा व्यक्त की।

आगामी जून में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने वैश्विक भागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस वर्ष की थीम, 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर प्रकाश डाला और योग के जन्मस्थान के रूप में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए सभी देशों को निमंत्रण दिया।

सीआईएसएफ की महिला अधिकारी गीता समोटा ने एवरेस्ट चोटी फतह की

नई दिल्ली 20 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की महिला उप-निरीक्षक गीता समोटा ने 8,849 मीटर ऊंची दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट को फतह किया है।

मानवीय सहनशक्ति, अदम्य साहस और अटूट संकल्प की मिसाल पेश करने वाली सुश्री समोटा बल की पहली महिला हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। बल के अनुसार सोमवार सुबह गीता समोटा जब 'दुनिया की छत' पर खड़ी थीं, तो वह क्षण केवल एक व्यक्तिगत विजय नहीं था, बल्कि बल की शक्ति और राष्ट्र की असीम साहस का प्रतीक भी था। चार बहनों वाले एक साधारण परिवार में जन्मी गीता समोटा का पालन-पोषण राजस्थान के सीकर जिले के चक गांव में पारंपरिक ग्रामीण परिवेश में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली और कॉलेज की शिक्षा स्थानीय संस्थानों से ही पूरी की। गीता को शुरू से ही खेलों में विशेष रुचि थी और कॉलेज के दिनों में वह एक होनहार हॉकी खिलाड़ी के रूप में जानी जाती थीं। मगर एक दुर्भाग्यपूर्ण चोट ने उनके खेल करियर को बीच रास्ते में ही रोक दिया।

वर्ष 2011 में गीता समोटा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में शामिल हुईं। सेवा के शुरुआती वर्षों में ही उन्होंने देखा कि पर्वतारोहण एक ऐसा क्षेत्र है, जिसे बल में बहुत कम लोग जानते थे उस समय तक सीआईएसएफ के पास कोई समर्पित पर्वतारोहण दल भी नहीं था। गीता ने इस स्थिति को एक चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर के रूप में देखा। उनकी यह दूरदर्शिता उन्हें वर्ष 2015 में एक निर्णायक मोड़ पर ले आई, जब उन्हें औली स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस प्रशिक्षण संस्थान में छह सप्ताह के बुनियादी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम के लिए चयनित किया गया। वह अपने बैच की एकमात्र महिला प्रतिभागी थीं। ट्रैनिंग के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उनके भीतर न केवल आत्मविश्वास और दृढ़ता को और मजबूत किया, बल्कि पर्वतारोहण के प्रति जुनून और कौशल को भी नई ऊँचाई दी। इसके परिणामस्वरूप उन्होंने वर्ष 2017 में उन्नत पर्वतारोहण ट्रैनिंग सफलतापूर्वक पूरा किया, और ऐसा करने वाली पहली तथा एकमात्र सीआईएसएफ कर्मी बनीं। ये कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके भीतर छिपी पर्वतारोही प्रतिभा को निखारने में निर्णायक सिद्ध हुए।

भारत और नेपाल की सेनाओं के संयुक्त दल ने कंचनजंगा को फतह किया

नई दिल्ली 20 मई (एजेंसियां)।
भारत और नेपाल की सेनाओं के एक संयुक्त पर्वतारोही दल ने मैत्री और सैन्य सौहार्द की एक शानदार मिसाल पेश करते हुए सोमवार को दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी कंचनजंगा (8,586 मीटर) पर सफलता-पूर्वक चढ़ाई की। भारतीय सेना के कर्नल सरफराज सिंह और नेपाली सेना के कैप्टन प्रशांत खानका के नेतृत्व में इस अभियान दल में नौ सदस्य थे।

19 मई की सुबह कैंप चार पर (7,700 मीटर) से अपनी अंतिम चढ़ाई के दौरान पर्वतारोहियों ने शून्य से नीचे के तापमान और तूफानी हवाओं सहित गंभीर ऊंचाई वाली परिस्थितियों का सामना किया। सभी टीम के सदस्य सुरक्षित रूप से शिखर पर पहुँचे, और चरणबद्ध तरीके से उतरना शुरू करने से पहले सा-झेदारी के प्रतीकात्मक संकेत के रूप में भारत और नेपाल के राष्ट्रीय ध्वज फहराए। यह संयुक्त उपलब्धि न केवल दोनों सेनाओं की पेशेवर उत्कृष्टता, धीरज और अंतर-संचालन क्षमता को रेखांकित करती है, बल्कि भारत-नेपाल रक्षा सहयोग की विशेषता वाले दशकों के आपसी विश्वास को भी मजबूत करती है। मिशन की सफलता गुलमर्ग के हाई-एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में कठोर संयुक्त प्रशिक्षण और सिक्किम हिमालय में अभियान-पूर्व अनुकूलन के बाद मिली है।

अभियान दल के किसी सदस्य के घायल होने की सूचना नहीं है और इनके 22 मई तक बेस कैंप पर उतरने की उम्मीद है।

एक करोड़ की अफीम के साथ पकड़ा गया राजद नेता

तेजस्वी यादव का अत्यंत करीबी है शंभू गुप्ता

मोतिहारी, 20 मई (एजेंसियां)। बिहार के मोतिहारी में पुलिस ने राजद के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शंभू गुप्ता को एक करोड़ रुपए की अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। उसके दो साथी भी पकड़े गए हैं। शंभु गुप्ता तेजस्वी यादव का सबसे करीबी माना जाने वाला नेता है। पुलिस को सूचना मिली थी कि शंभू गुप्ता नेपाल से अफीम लाकर बिहार और यूपी में बेचता है। पुलिस और एसटीएफ ने मिलकर कोटवा थाना क्षेत्र में शंभू गुप्ता को 4 किलो अफीम, 55 हजार रुपए नकद और 4 मोबाइल फोन के साथ पकड़ा। शंभू गुप्ता पर पहले से ही हत्या, अपहरण और ड्रग्स तस्करी के तीन मामले दर्ज हैं। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस रैकेट में और कौन शामिल है और अफीम कहां पहुंचाई जानी थी। पुलिस उनकी पूरी कुंडली खंगालने में जुटी है।

न्यायिक सेवा के लिए तीन साल वकालत अनिवार्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 20 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने न्यायिक सेवा के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसले में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के अभ्यार्थियों के लिए कम से कम तीन साल की वकालत करने की अनिवार्यता मंगलवार को बहाल कर दी।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ,न्यायमूर्ति ए जी मसीह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि न्यूनतम अनुभव की शर्तें वर्तमान में चल रही न्यायिक भर्ती प्रक्रियाओं पर लागू नहीं होंगी। यह सिर्फ भविष्य में होने वाली परीक्षाओं पर ही लागू होगीं।

परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन का निधन

चेन्नई, 20 मई (एजेंसियां)।
परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे।

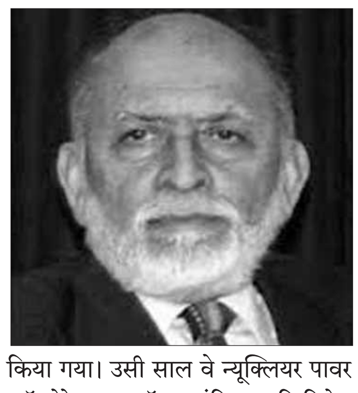

देश के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया और पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक अपनी सेवा दी थी।

उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। वष्र 1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला।

वर्ष 1987 में डॉ श्रीनिवासन को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं, जिनमें सात चालू हो गई थीं और सात निर्माणाधीन थीं। इसके अलावा, चार योजना चरण में थीं।

परमाणु विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए डॉ. श्रीनिवासन को देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

उनकी बेटी शारदा श्रीनिवासन ने परिवार की ओर से जारी एक बयान में कहा, दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति अथक सेवा की उनकी विरासत भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। डॉ. श्रीनिवासन की मृत्यु भारत के वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास में एक युग का अंत है। वे अपने पीछे एक ऐसी स्थायी विरासत छोड़ गए हैं, जिसने देश की प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद की।

प्रसिद्ध खगोल वैज्ञानिक, विज्ञान लेखक जयंत नार्लीकर का निधन

पुणे, 20 मई (एजेंसियां)।
प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक डॉ. जयंत विष्णु नार्लीकर का मंगलवार को यहां उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे।

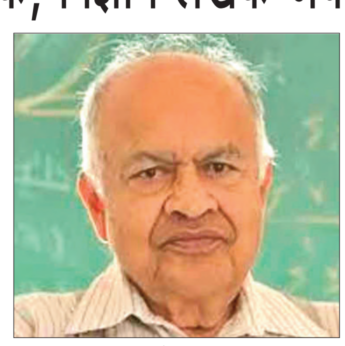

पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

डॉ.नार्लीकर का जन्म महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 19 जुलाई,1938 में हुआ था। उनके पिता विष्णु वासुदेव नार्लीकर सुप्रसिद्ध गणितज्ञ एवं बनारस विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रमुख थे। उनकी मां सुमति संस्कृत की विद्वान थीं।

वाराणसी में स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. नार्लीकर ने विज्ञान में डिग्री हासिल की और फिर उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन के कैम्ब्रिज चले गए। उन्होंने कैम्ब्रिज से पीएचडी की डिग्री हासिल की। उन्हें रैंगलर डिग्री, खगोल विज्ञान में टायसन मेडल, स्मिथ पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से भी नवाजा गया। डॉ.नार्लीकर ने सर फ्रेड हॉयल के साथ मिलकर 'कॉन्फ़ॉर्मल ग्रेविटी थ्योरी' का प्रस्ताव देकर दुनिया भर के वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। खगोल भौतिकी के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें भारत के दूसरे और तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान, पद्म विभूषण और पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था।

डॉ.नार्लीकर ने न केवल एक विज्ञान शोधकर्ता के रूप में योगदान दिया, बल्कि अपने लेखन के माध्यम से विज्ञान का प्रसार भी किया। उनकी कुछ प्रसिद्ध वैज्ञानिक पुस्तकें 'अंतरालतिल भस्मासुर', अंतराल और विज्ञान, आकाशवाणी जादले नटे और सूर्याचा प्रपोक हैं। उनकी मराठी आत्मकथा 'चार नगरांतेले माजे विश्व' ने दिल्ली साहित्य अकादमी पुरस्कार जीता। उन्हें अपनी पुस्तक 'देनागी' के लिए महाराष्ट्र सरकार पुरस्कार, अमेरिकन फाउंडेशन से साहित्य में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से नवाजा गया और फी फाउंडेशन, इचलकरंजी की ओर से राष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हाईकोर्ट की सहमति के बाद संभल में सुरक्षा तगड़ी

संभल मस्जिद का सर्वे जारी रहेगा

संभल में चौकसी के साथ बढ़ी जामा मस्जिद की निगरानी

संभल, 20 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल की ऐतिहासिक जामा मस्जिद को लेकर जिला अदालत में हिंदू पक्ष के लंबित सिविल वाद की पोषणीयता पर मुहर लगा दी है। साथ ही सर्वे आदेश को सही ठहराते हुए आठ जनवरी को मुकदमे और सर्वेक्षण पर लगाई गई रोक हटा लिया है। संभल में जामा मस्जिद सर्वे पर रोक लगाने के लिए हाईकोर्ट में दाखिल की गई याचिका खारिज होने के बाद संभल में एहतियाती तौर पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने फोर्स के साथ शहर में पैदल मार्च किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो पुलिस को सूचना दें, जिससे सख्त कार्रवाई की जा सके। एसपी का कहना है कि जामा मस्जिद पर निगरानी बढ़ाने के लिए अधिनस्थों को निर्देश दिए हैं। सत्यव्रत पुलिस चौकी में पर्याप्त फोर्स तैनात पहले से है।

पीएसी और आरआरएफ की कंपनी भी शहर में एहतियाती तौर पर तैनात हैं। मामला कोर्ट में है, इसलिए सभी को शांति बनाए रखनी चाहिए। यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करेगा तो सख्ती से निबटा जाएगा। 19 नवंबर 2024 को चंदौसी जिला अदालत में स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में हिंदू पक्ष की ओर से हरिहर मंदिर होने का दावा करते हुए सर्वे कराए जाने के लिए वाद दायर किया था।

इसमें सिविल जज सीनियर डिवीजन की ओर से आदेश किए। साथ ही कोर्ट कमिश्नर अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को नियुक्त किया था। कोर्ट कमिश्नर 19 नवंबर की शाम को ही सर्वे के लिए पहुंच गए थे। डीएम और एसपी की मौजूदगी में पहले दिन सर्वे किया गया था लेकिन सर्वे पूरा नहीं होने की बात रमेश सिंह राघव ने कही थी।

इसके बाद 24 नवंबर की सुबह में सर्वे शुरू किया गया था। इसी दौरान भीड़ एकत्र हुई और बवाल हो गया था। फायरिंग के साथ आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। 24 नवंबर की सुबह करीब 10 बजे तक हुए सर्वे के बाद टीम को पुलिस ने सुरक्षित रास्ते से बाहर निकाला था। यह सर्वे रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर द्वारा 2 जनवरी 2025 को अदालत में सील बंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश की थी। इसमें मस्जिद परिसर की वीडियोग्राफी और फोटो भी शामिल किए गए थे। हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि मंदिर होने के प्रमाण मिले हैं। 24 नवंबर को हुए दंगे के बाद जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। याचिका दायर सर्वे पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत की कार्रवाई को रोकते हुए हाईकोर्ट को सुनवाई करने के लिए आदेश किया था। इसके बाद अलग-अलग समय में सुनवाई की गई। जामा मस्जिद कमेटी की सर्वे पर रोक लगाने वाली याचिका अब खारिज कर दी गई है।

हिंदू पक्ष की ओर से दावा किया गया था कि 1526 में मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था। इसका उल्लेख बाबरनामा में होने का हवाला भी दिया गया था। संभल की शाही जामा मस्जिद दक्षिण एशिया में सबसे पुरानी जीवित मुगल-युग की मस्जिद बताई जाती है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह हरिहर मंदिर था जो सदियों पुराना है। मंदिर ध्वस्त कराकर मस्जिद का रूप दिया गया था। सर्वे रिपोर्ट में भी यह दावा किया गया था कि मस्जिद में 50 से ज्यादा फूल, निशान और कलाकृतियां मिली हैं। अंदर दो वट वृक्ष हैं। हिंदू धर्म में वट वृक्ष की पूजा की जाती है। एक कुआं है, उसका आधा हिस्सा मस्जिद के अंदर और आधा हिस्सा बाहर है। कई तथ्य मंदिर होने के प्रमाण के रूप में पेश किए जाने की चर्चा है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने कहा, पैदल मार्च कर जनसंवाद किया गया है। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। शहर में शांतिपूर्ण माहौल है। इसको किसी ने बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। एहतियाती तौर पर चौकसी बनी रहेगी। एसएसपी केके विश्नोई ने कहा, शहर में पूरी तरह से शांति है। एहतियाती तौर पर फोर्स शहर में तैनात है। पैदल मार्च कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। साथ ही आग्रह किया है कि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें। तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल से सटे 7 जिलों में अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर

225 मदरसे, 30 मस्जिद, 25 मजार 06 ईदगाह, 286 अवैध ढांचे ध्वस्त

लैंड और आबादी जेहाद पर सख्त प्रहार

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। नेपाल बॉर्डर से सटे उत्तर प्रदेश के जिलों में योगी सरकार ने एक बड़ा अभियान छेड़ा हुआ है। इसके तहत अवैध मस्जिदों और मदरसों पर कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में 7 जिलों में 225 गैरकानूनी मदरसों को हटाया गया है। साथ ही अवैध रूप से चल रही 30 मस्जिदें, 25 मजारें और छह ईदगाह भी ध्वस्त की गई हैं।

ये सभी कार्रवाई नेपाल की सीमा से सटे महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत में हुई है। सभी अवैध जमीनों पर बने मदरस, मस्जिद, मजार और ईदगाह को बुलडोजर से ढहा दिया गया। इनमें सबसे अधिक मदरसे श्रावस्ती जिले में पाए गए हैं। पीलीभीत में अवैध मस्जिद मिली। श्रावस्ती में सबसे ज्यादा 110 अवैध मदरसों पर सरकार का चाबुक चला। जिले में 1 मस्जिद, 5 मजार और 2 ईदगाह पर भी कार्रवाई हुई। बहराइच में 13 मदरसे, 8 मस्जिद, 2 मजार और 1 ईदगाह को ध्वस्त किया गया।

14 मई 2025 को महाराजगंज में 29 मदरसे, 9 मस्जिद, 7 मजार और एक ईदगाह पर कार्रवाई हुई। सिद्धार्थनगर में 35 मदरसों और 9 मस्जिदों को जमींदोज कर दिया गया। बलरामपुर जिले में 30 मदरसा, 10 मजार और 1 ईदगाह को चिन्हित किया। इसी के साथ श्रावस्ती में सबसे ज्यादा 110 अवैध मदरसों पर सरकार का चाबुक चला। जिले में 1 मस्जिद, 5 मजार और 2 ईदगाह पर भी कार्रवाई हुई। बहराइच में 13 मदरसे, 8 मस्जिद, 2 मजार और 1 ईदगाह को ध्वस्त किया गया। लखीमपुर खीरी में 8 मदरसे, 2 मस्जिद, 1 मजार और 1 ईदगाह पर बुलडोजर कार्रवाई की गई। वहीं, पीलीभीत में केवल 1 अवैध मस्जिद को नष्ट कर दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान अवैध अतिक्रमण को हटाने और सीमा क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। सरकार का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध अतिक्रमण को हटाने, सरकारी और वन भूमि को मुक्त कराने के लिए की जा रही है। यह कदम भूमि उपयोग नियमों और स्थानीय प्रशासन के नियमों को लागू करने का हिस्सा है। बता दें कि अप्रैल 2025 में भी योगी सरकार ने इन इलाकों में बुलडोजर चलाया था, जिसमें 17 मदरसों को सील करते हुए 89 अवैध निर्माणों को समतल कर दिया था।

तुर्किये के बहिष्कार से करोड़ों के ऑर्डर फंसे

बंदरगाहों में पहुंचा सामान, निर्यातक परेशान

ऑपरेशन सिंदूर के पहले का ऑर्डर डाल रहा मुश्किल में

मुरादाबाद, 20 मई (एजेंसियां)। तुर्किये के पाकिस्तान को समर्थन देने के बाद मुरादाबाद के निर्यातकों ने नए ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। लेकिन उनमें पुराने ऑर्डरों के भुगतान और माल के अटकने को लेकर चिंता है। निर्यातकों ने बताया कि तुर्किये से सजावटी व दैनिक उपयोग के सामानों के ऑर्डर मिलते हैं। पाकिस्तान का समर्थन करने के बाद से देशभर में विभिन्न माध्यमों से हो रहे तुर्किये के बहिष्कार से बड़ा संदेश जा रहा है। शहर के कुछ निर्यातकों को तुर्किये से हाल ही में ऑर्डर मिले थे, उन्होंने राष्ट्र प्रथम की बात कहते हुए ऑर्डर रद्द कर दिए।

अब चिंता उन निर्यातकों को है, जिन्हें कई माह पहले ऑर्डर मिले थे और माल तैयार होकर बंदरगाहों पर पहुंच चुका है। कारोबारियों को भय है कि यदि तुर्किये के आयातकों ने भी ऑर्डर निरस्त कर दिए तो काफी नुकसान होगा। मुरादाबाद के निर्यातकों को बड़ी मात्रा में तुर्किये से सजावटी व दैनिक उपयोग के सामानों के ऑर्डर मिलते हैं। इनमें गार्डन फर्नीचर, कैंडल स्टैंड, रेस्टोरेंट में प्रयोग होने वाले कई सामान, बाथरूम एसेसीरिज, प्लांटर आदि शामिल हैं। करीब 200 करोड़ का कारोबार तुर्किये के साथ हो रहा है। अब शहर के निर्यातक वहां के आयातकों से लगातार संपर्क कर रहे हैं और बातचीत में तनाव का कोई जिक्र नहीं कर रहे हैं। निर्यातकों का कहना है कि एक बार पुराने ऑर्डर का भुगतान मिल जाए, फिर तुर्किये से व्यापार नहीं करेंगे। इस बीच निर्यातकों पर दामों में रियायत का दबाव भी पड़ रहा है। उन्होंने कोई भी छूट देने से इन्कार कर दिया है। कुछ निर्यातकों ने तुर्किये के आयातकों को ऑटो पार्ट्स भी बनाकर भेजे हैं, जिनका पेमेंट अटका है। जानकारों का कहना है कि तुर्किये व चीन के अच्छे संबंध हैं।

यहां के ऑर्डर चीन की तरफ शिफ्ट हो सकते है। अमेरिका के टैरिफ के बीच चीन को बेहतर बाजार भी मिलेगा। ऐसे में मुरादाबाद के निर्यातकों पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जब बात देश की हो तो नुकसान पीछे छूट जाता है। मुरादाबाद से तुर्किये को एल्युमिनियम, स्टील, पीतल, लकड़ी, लोहे से बने उत्पाद भेजे गए हैं। मुरादाबाद में बनने वाली केक प्लेट, प्लांटर, बाउल, टोटियां भी अच्छी संख्या में भेजी गई हैं। निर्यातकों का कहना है कि जो ऑर्डर तुर्किये से पहले मिल चुके थे, उनका शिपमेंट हो गया है। तैयार उत्पादों को वहां भेजने के बाद कारोबार पर बात नहीं की जाएगी। दूसरी ओर शहर के टूर एंड ट्रैवल्स कंपनी संचालक पहले ही तुर्किये की बुकिंग रद्द कर चुके हैं। तुर्किये के साथ अजरबैजान की बुकिंग भी बंद है।

निर्यातक सतपाल ने कहा, मेरा तुर्किये के आयातकों के साथ अच्छा काम है। कई ऑर्डर तैयार कर भेजे गए हैं, जो रास्ते में हैं। अब चिंता है कि यदि वहां के आयातकों ने भी बहिष्कार कर दिया तो पैसा डूब जाएगा। पाक के समर्थन में उतरे तुर्किये से नए ऑर्डर पर कोई बातचीत नहीं की है। एक अन्य निर्यातक अब्दुल अजीम ने कहा, यहां से अच्छी लागत के ऑर्डर तैयार कर तुर्किये भेजे गए हैं। नुकसान की चिंता बेशक है, लेकिन देश से बढ़कर कुछ नहीं। हम हालात सामान्य होने तक तुर्किये से किसी प्रकार की व्यापारिक बातचीत नहीं करेंगे। ईपीसीएच के उपाध्यक्ष नीरज खन्ना कहते हैं, हम अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ अच्छा व्यापार कर रहे हैं। तुर्किये से पाकिस्तान के समर्थन की उम्मीद नहीं थी। हमारे निर्यातकों ने जो माल यहां से भेजा है, उसका पेमेंट मिलना चाहिए। हम तुर्किये से नए ऑर्डर नहीं ले रहे हैं।

फिल्म अभिनेता भारत भूषण की धर्मशाला गिराने पहुंच गई पुलिस

धर्मशाला के मालिक रहे नहीं, हिस्सेदार कर रहे बदमाशी

40 परिवार अचानक आ गए संकट में, कोर्ट जाने की तैयारी

अलीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रहे भारत भूषण की अलीगढ़ स्थित रामदेवी धर्मशाला को ध्वस्त करने की कोशिशें चल रही हैं। अभिनेता भारत भूषण तो नहीं रहे, लेकिन धर्मशाला के एक अन्य हिस्सेदार अशोक गुप्ता के पावर ऑफ अटॉर्नी अभिषेक गुप्ता धर्मशाला को हटा कर नया व्यवसायिक भवन स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि धर्मशाला में लंबे अर्से से किराए पर रहे 40 परिवार अचानक संकट में आ गए हैं। निवासियों का कहना है कि नगर निगम के साथ मिलीभगत कर धर्मशाला हटाए जाने की योजना चल रही है और यहां रहने वालों का जीवन संकट में डाला जा रहा है। इसके खिलाफ लोग अदालत का दरवाजा खटखटाने पर विवश हैं।

रामदेवी धर्मशाला के मालिक भरत भूषण और अशोक गुप्ता थे। दोनों का निधन हो चुका है। इसके पावर अटार्नी अभिषेक गुप्ता है। इस धर्मशाला में विभाजन के समय से लगभग 40 परिवार किराए पर रह रहे हैं। इसी धर्मशाला में इन परिवारों ने अपनी तीन पीढ़ी निकाल दी। नगर निगम ने इन धर्मशाला को जर्जर घोषित कर धारा 325 का नोटिस भी जारी किया है। अलीगढ़ में मीनाक्षी पुल के नीचे स्थित राम देवी धर्मशाला गिराने पहुंची पुलिस की यहां रह रहे परिवारों से झड़प हो गई। परिवार की महिलाओं ने पुलिस को गेट पर ही घेर लिया। सूचना पर महिला पुलिस और पीएसी के जवान भी बुला लिए गए। इसी बीच मजदूरों ने दुकान तोड़ने की कोशिश की तो महिलाएं उग्र हो गई। जिससे उन्हें पीछे हटना पड़ा।

मीनाक्षी पुल के नीचे रामदेवी धर्मशाला है। इसके मालिक भरत भूषण और अशोक गुप्ता थे। दोनों का निधन हो चुका है। इसके पावर अटार्नी अभिषेक गुप्ता है। इन धर्मशाला में विभाजन के समय से लगभग 40 परिवार किराये पर रह रहे हैं। इसी धर्मशाला में इन परिवारों ने अपनी तीन पीढ़ी निकाल दी। इसी धर्मशाला में बाहर की ओर करीब 12 दुकानें भी किराये पर चल रही है। नगर निगम ने इन धर्मशाला को जर्जर घोषित कर धारा 325 का नोटिस भी जारी किया है। जर्जर घोषित होने के बावजूद परिवार इसमें रह रहा था।

धर्मशाला मालिक अभिषेक गुप्ता ने इसके ध्वस्तीकरण को लेकर हाईकोर्ट की शरण ली। 15 मई को हाईकोर्ट ने इसे ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया। 19 मई को हाईकोर्ट के आदेश का तामील करने के लिए मजदूरों संग धर्मशाला मालिक पहुंच गए। विवादित मामला होने के कारण क्वार्सी और सिविल लाइन पुलिस के अलावा महिला पुलिस व पीएसी मौके पर पहुंच गई। महिलाओं और पुलिस में घंटों नोकझोंक हुई। इस दौरान मजदूरों ने एक बंद दुकानों को तोड़ने का प्रयास किया। महिलाएं उग्र होकर पहुंच गई और धक्का-मुक्की करने लगी। पुलिस ने मामले को बीच-बचाव कर टाला। पूरे दिन धर्मशाला में हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा।

धर्मशाला निवासी कांता देवी ने कहा, आजादी से पहले इस धर्मशाला में शादी होकर आई हूं। मेरे सास-ससुर भी यहीं रहते थे। हम भी दशकों से रह रहे हैं। किराया हर माह दे रहे हैं। प्रशासन के लोग बिना नोटिस के धर्मशाला गिराने पहुंच गए। जनक रानी ने कहा, विभाजन के समय में हम सभी पड़ोसी मुल्क से यहां आ गए थे।

तब से अब तक यहीं रह रहे है। जलकर और गृहकर भी जमा किया जाता है। इसके बावजूद ऐसा बर्ताव हो रहा है। बीना ने कहा, धर्मशाला मालिक पहले से ही उत्पीड़न कर रहा है। अगर कहीं कोई दीवार टूट जाए और उसकी मरम्मत कराई जाए तो उसके नाम पर भी उगाही करता था। अब तो प्रशासन हमारे घरों को गिराने पहुंच गया। राजरानी कहती हैं, इसी धर्मशाला के कमरे में पूरा जीवन कट गया। शादी होकर यहां आई थी। अब तो तीसरी पीढ़ी चल रही है। अचानक मकान खाली कराने के आदेश से हम सभी स्तब्ध हैं। धर्मशाला के मालिक अभिषेक गुप्ता ने कहा, नगर निगम ने धर्मशाला को जर्जर घोषित कर रखा है। हाईकोर्ट ने इस जर्जर भवन को ध्वस्त कराने का आदेश जारी किया है, लेकिन यहां रह रहे लोग कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर व्यवधान डाल रहे हैं।

सरकारी स्कूलों के दाखिले में गिरावट से मायावती चिंतित

चुनाव नजदीक आ रहा तो मदरसों का दर्द उभर रहा

बोलीं, मदरसों के प्रति नजरिया बदले सरकार

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि सरकारी स्कूलों में होने वाले दाखिले में बच्चों की संख्या में गिरावट होना चिंता की बात है। सरकार को शिक्षा के महत्व व जरूरत पर उचित ध्यान देना चाहिए। मायावती ने यह भी कहा कि सरकार मदरसों को लेकर अपना नजरिया बदले। उन्हें अवैध बताकर बंद करना अनुचित है।

मायावती ने कहा कि यूपी के प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए लेकिन 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट, सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर और चिंतनीय है। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी है। सस्ती और सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी और अनुचित कदम है। निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं लेकिन यूपी और बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय होगा। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी है। बता दें कि अवैध तरीके से चल रहे मदरसों पर कार्रवाई करते हुए सरकार उन्हें बंद कर रही है और अतिक्रमण कर बनाई गई इमारतों को ढहा रही है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति का ऐलान

निजीकरण के खिलाफ 29 मई को राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन

20 मई को यूपी के सभी जिलों में हुआ विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, 20 मई (एजेंसियां)। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने ऐलान किया है कि बिजली निजीकरण के विरोध में 29 मई को देशभर में प्रदर्शन किया जाएगा। 20 मई को यूपी के सभी जिलों और परियोजनाओं में विद्युतकर्मियों ने विरोध प्रदर्शन किया। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स की कोर कमेटी की ऑनलाइन हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के विरोध में उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए 29 मई को देशभर में प्रदर्शन होगा। करीब 27 लाख बिजलीकर्मी उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों के साथ अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करेंगे।

नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स ने चेतावनी दी है कि यदि शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन कर रहे प्रदेश के बिजलीकर्मियों पर कोई भी दमनात्मक कार्रवाई की गई तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया होगी, जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी।

इसी क्रम में 14 मई से चल रहा वर्क टू रूल लगातार जारी है। वर्क टू रूल आंदोलन के दौरान बिजली कर्मियों ने कार्य के निर्धारित घंटों में ही कार्य किया।

निर्धारित घंटों के बाद प्रबंधन से पूरी तरह असहयोग किया गया। 20 मई को 42 जनपदों के निजीकरण के विरोध में प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक विरोध प्रदर्शन किया गया। लखनऊ में भी 20 मई को लखनऊ के सभी कार्यालयों के बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी और अभियंता शक्ति भवन मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि पावर कारपोरेशन की ओर से 30 फीसदी बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। यह निजीकरण की झांकी मात्र है। निजीकरण होने के बाद यह मनमानी बढ़ेगी।

उन्होंने आरोप लगाया है कि पावर कारपोरेशन प्रबंधन बैलेंस शीट में फर्जीवाडा कर रहा हैं। बढ़ा चढ़ा कर घाटा दिखा रहे हैं, जिससे निजीकरण के बाद कार्पोरेट घरानों को फायदा हो सके।

संपादकीय

भारत के संसदीय प्रवक्ता

मकसद है कि आतंकवाद पर पाकिस्तान को बिल्कुल बेनकाब किया जाए। भारत बीते 35-37 सालों से पाकपरस्त आतंकवाद से पीड़ित है। हजारों मासूमों और बेगुनाहों की हत्याएं की जा चुकी हैं। कश्मीरी पंडितों का घाटी से पलायन और विस्थापित होना आतंकवाद का सबसे अमानवीय उदाहरण है। मौजूदा परिदृश्य में भारत शेष विश्व को ब्रीफ करना चाहता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यों करना पड़ा? पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों और उनके महलनुमा अड्डों पर भारत को विस्फोटक प्रहार क्यों करने पड़े? आतंकियों के ठिकानों को 'मिट्टी-मलबा' कैसे किया गया? भारत सरकार की आदर्श विदेश नीति क्या है? भारत आज भी युद्ध के पक्ष में नहीं है, लेकिन आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना उसका लक्ष्य है। इन सवालों और स्पष्टीकरण के साथ भारत के 40 सांसदों के 7 प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में भेजना तय किया गया है। यह भारत की कूटनीति का एक सफल प्रयास हो सकता है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बहुत लंबी और बहुआयामी है। आतंकवाद से अमरीका, यूरोप, अरब देश, शेष विश्व भी छिला पड़ा है, जख्मी है, डरा हुआ है। जो संसदीय मंडल भेजे जा रहे हैं, वे आतंकवाद पर राष्ट्रीय नीति और भारत की एकता, अखंडता, विविधता के प्रतीक हैं। हमारे सांसद भारत की आवाज हैं, भारत के प्रवक्ता हैं। वे वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान को नंगा करेंगे और सवाल भी करेंगे कि 'आतंकिस्तान' पाकिस्तान को बार-बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का 'बेल आउट कर्ज' क्यों मिलता रहा है? विश्व बैंक और एशियन विकास बैंक को भी सचेत हो जाना चाहिए। शायद अंतरराष्ट्रीय संस्थान को पाकिस्तान के यथार्थ की सम्यक जानकारी नहीं है या वैश्विक राजनीति आड़े आती है। अंततः पाकिस्तान कर्ज का पैसा आतंकियों के पुनर्वास और हथियारों पर खर्च करता रहा है। जिन आतंकियों को बिल्कुल मिट्टी में मिला दिया गया है, उनके लिए पाकिस्तान की हुकूमत ने 1 करोड़ रुपए प्रति आतंकी, उनके परिजनों को देने का ऐलान किया है। चूंकि जैश-ए-मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर के खानदान में 14 मौतें हुई हैं, लिहाजा उसे 14 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इस पैसे का इस्तेमाल क्या होगा? बहरहाल हमारे मकसद पर भी सवालिया निशान इसलिए लगाया जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में एक दल अमरीका भेजना सरकार ने तय किया है। कांग्रेस की इस पर सियासी आपत्ति है। ऐसे संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेश में भेजना भारत सरकार का विशेषाधिकार है। 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने तब के नेता प्रतिपक्ष अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में दल संयुक्त राष्ट्र में भेजा था। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के बाद 2008 में ऐसा ही प्रतिनिधिमंडल भेजा गया था। वे भारत की चिंताओं और सरोकार के सवाल थे। राजनीतिक दलों की परिधियां गायब कर दी गई थीं। इस बार भी यही किया गया है। जनता दल-यू, द्रमुक, एनसीपी (पवार) और शिवसेना के सांसदों को भी दल के नेतृत्व सौंपे गए हैं। कांग्रेस के तत्कालीन विदेश राज्यमंत्री सलमान खुर्शीद को इस बार भी प्रतिनिधि बनाया गया है, हालांकि वह सांसद नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के प्रति उनकी नफरतवादी सियासत को देश जानता है। थरूर करीब तीन दशकों तक संयुक्त राष्ट्र में कार्यरत रहे हैं। वह वहां अंडर जनरल सेक्रेटरी के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में वह विदेश राज्यमंत्री भी रहे हैं।

> भारत बीते 35-37 सालों से पाकपरस्त आतंकवाद से पीड़ित है। हजारों मासूमों और बेगुनाहों की हत्याएं की जा चुकी हैं। कश्मीरी पंडितों का घाटी से पलायन और विस्थापित होना आतंकवाद का सबसे अमानवीय उदाहरण है। मौजूदा परिदृश्य में भारत शेष विश्व को ब्रीफ करना चाहता है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' क्यों करना पड़ा? पाकिस्तान में बसे और सक्रिय आतंकियों और उनके महलनुमा अड्डों पर भारत को विस्फोटक प्रहार क्यों करने पड़े? आतंकियों के ठिकानों को 'मिट्टी-मलबा' कैसे किया गया? भारत सरकार की आदर्श विदेश नीति क्या है? भारत आज भी युद्ध के पक्ष में नहीं है, लेकिन आतंकवाद को नेस्तनाबूद करना उसका लक्ष्य है। इन सवालों और स्पष्टीकरण के साथ भारत के 40 सांसदों के 7 प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में भेजना तय किया गया है। यह भारत की कूटनीति का एक सफल प्रयास हो सकता है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई बहुत लंबी और बहुआयामी है।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया

अब चीन से आयात नियंत्रण जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दिया। चीन ने न केवल पाकिस्तान को पूर्ण समर्थन दिया, वरन् चीन ने पाकिस्तान को मिसाइलों सहित विभिन्न हथियारों की सीधी आपूर्ति भी की। दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि चीन निर्मित जिन हथियारों का पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रयोग किया, वे सभी हथियार जल, थल और नभ में मौजूद पराक्रमी भारतीय सेना और प्रभावी भारतीय सैन्य व्यवस्था को किसी भी प्रकार की हानि पहुंचाने में नाकाम रहे। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत के द्वारा पाकिस्तान पर आर्थिक प्रतिबंधों की कड़ाई के साथ भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। अब आतंकी देश पाकिस्तान को विश्व मंच पर खुला समर्थन दे रहे चीन के साथ कोई छह माह पूर्व भारत ने मित्रता की जिस राह को आगे बढ़ाया था, अब उस राह को रोकते हुए चीन के साथ कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाने जरूरी हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को खुशियों के महापर्व दीपावली के दिन भारत-चीन सीमा पर भारत-चीन दोनों देशों के सैनिकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली मनाई थी। इस खुशी का कारण यह था कि पिछले वर्ष 23 अक्टूबर को रूस के कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सार्थक और सफल द्विपक्षीय वार्ता हुई और पांच साल बाद हुई इस वार्ता में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया था। दोनों नेताओं ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए समझौते का स्वागत किया और अधिकारियों को लद्दाख में सीमा विवाद सुलझाने के लिए आगे बातचीत जारी रखने के निर्देश दिए। यही कारण रहा कि इस वार्ता के बाद सैन्य स्तर पर तत्परतापूर्वक क्रियान्वयन के साथ डेमचोक और डेपसांग मैदानी क्षेत्रों में टकराव वाले बिंदुओं से सैनिकों की पूर्ण वापसी के बाद से लगातार पेट्रोलिंग हो रही है। यद्यपि चीन से भारत के नए सैन्य समझौते के बाद भारत को चीन से आयातों के ढेर से बचने के लिए फूंक-फूंक कर कदम रखना जरूरी दिखाई दे रहा थे, लेकिन भारत ऐसा नहीं कर पाया और चीन से आयात माह-प्रतिमाह बढ़ते गए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि चीन पाकिस्तान को आतंकी प्रोत्साहन देते हुए भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिकी की राह में बाधक बनना चाहता है। चीन देख रहा है कि भारत आर्थिकी को तेजी से आगे बढ़ा रहा है और भारत अपनी बढ़ती आर्थिक साख व आर्थिक तेजी से इसी वर्ष 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिकी बनते हुए दिखाई देगा। 6 मई को प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसी वर्ष 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। उस समय देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढ़कर 4.187 ट्रिलियन डालर हो जाएगी और यह जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगी। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि विकास की ऊंची दर से भारत की जीडीपी 2028 में बढ़कर 5.584 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी और भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसी तरह हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजेंसी मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को निम्नतम निवेश ग्रेड 'बीबीबी ;कमद्धष्से एक पायदान ऊपर उठाकर ष्बीबीबीष् कर दिया है। रेटिंग प्रवृत्ति को भी 'सकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया गया है। इस रेटिंग एजेंसी ने उन्नयन के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश और डिजिटलीकरण, राजकोषीय समेकन, व्यापक आर्थिक स्थिरता के साथ सतत उच्च विकास और एक लचीली बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से देश के संरचनात्मक सुधारों का हवाला दिया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के उभरते हुए देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है। माह अप्रैल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपए स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। पिछले वर्ष 2024-25 में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा है। निश्चित रूप से भारत को आर्थिक रूप से आगे बढने से रोकने और भारत के साथ शत्रुपूर्ण व्यवहार कर रहे चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार के द्वारा और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैसे-जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे-वैसे स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है। अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढना होगा। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर प्रचंड प्रहार के दौरान पाकिस्तान के द्वारा जिस तरह चीन के अस्त्र-शस्त्रों का प्रयोग हुआ है, उसके मद्देनजर भारत के द्वारा अब पाकिस्तान को आर्थिक प्रतिबंधों से पस्त करते हुए चीन से भी हरसंभव तरीके से आयात नियंत्रण किए जाएंगे। निश्चित रूप से चीन के लिए भारत के व्यापक बाजार में आयातों में कमी एक आर्थिक प्रहार के रूप में दिखाई देगी और इससे भारत के स्वदेशी उद्योग तथा एमएसएमई लाभान्वित होते हुए भी दिखाई देंगे।

> दुनिया में रेखांकित हो रहा है कि चीन निर्मित जिन हथियारों का पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ प्रयोग किया, वे सभी हथियार जल, थल और नभ में मौजूद पराक्रमी भारतीय सेना और प्रभावी भारतीय सैन्य व्यवस्था को किसी भी प्रकार की हानि पहुंचाने में नाकाम रहे। चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत को तेजी से आर्थिक शक्ति बनने से रोकना चाहता है। ऐसे में अब भारत के द्वारा पाकिस्तान पर आर्थिक प्रतिबंधों की कड़ाई के साथ भारत के साथ शत्रुपूर्ण आचरण कर रहे चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करके चीन को भी आर्थिक सबक दिया जाना जरूरी है। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है।

देश दुनिया से

याद जरूर आएंगे किंग विराट कोहली

भारत में नेशनल गेम हाकी है, परंतु इमोशनल गेम अस्सी और नब्बे के दशक से ही क्रिकेट है। यहां क्रिकेट खेल से कहीं अधिक एक धर्म, एक जुनून और एक सामूहिक पागलपन है। मैं भी बचपन से क्रिकेट प्रेमी रहा हूं। मेरे गृह प्रांत हिमाचल प्रदेश में क्रिकेट का क्रेज नब्बे के दशक से ही चरम पर है। मेरे पैतृक कस्बे भरेड़ी के इर्द-गिर्द के लगभग हर छोटे-बड़े गांव की क्रिकेट टीम हुआ करती थी। क्रिकेट के प्रति दीवानगी ऐसी कि उन दिनों सीमित साधनों में ही हर आयु वर्ग के लोग या तो क्रिकेट खेलते थे या स्थानीय टूर्नामेंट से लेकर अंतरराष्ट्रीय मैचों तक के दर्शक थे। क्रिकेट और क्रिकेटर्स के बारे में जानकारी जुटाना हमारे सभी समकालीन लोगों का प्रिय शौक था। विश्व क्रिकेट पर विश्लेषण मजदूर वर्ग से लेकर ब्यूरोक्रेसी तक होता था। इंडियन क्रिकेट टीम की जीत पर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल हो जाता था और वहीं मैच हारने पर राष्ट्रीय शोक। हमारी पीढ़ी के असंख्य युवाओं ने क्रिकेट के प्रति बेशुमार मोहब्बत के कारण अपने करियर को भी गंभीरता से नहीं लिया था। जेंटलमैन की इस गेम को क्लास से मास बनाने में कई खिलाडियों का अतुलनीय योगदान है- फोकलोर हीरोज सुनील गावस्कर, सर्वकालिक महान आलराउंडर कपिल देव, क्रिकेट के भगवान भारत रत्न सचिन तेंदुलकर, कैप्टन कूल किंवदंती महेंद्र सिंह धोनी और वर्तमान में किंग विराट कोहली का नाम इसमें सम्मिलित है। हमारी संस्कृति आदिकाल से अधिनायकवाद और नायक पूजा वाली रही है, इसलिए इंडियन क्रिकेट भी इससे अछूता नहीं रहा। उपरोक्त पांचों खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट में 'सुपरस्टार कल्चर' का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। भारतीय क्रिकेटर्स का संन्यास हमेशा ही सुर्खियों में रहता है। अभी हिटमैन रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा से क्रिकेट फैन निराश थे। परंतु अब किंग कोहली के संन्यास से विश्व क्रिकेट में एक युग का अंत हो गया। टेस्ट क्रिकेट में कोहली के दस हजार रन पूरे न करने की टीस सभी के दिल में है। क्योंकि विराट कोहली में टेस्ट और वनडे क्रिकेट में दस हजार रन स्कोर करके विश्व के चुनिंदा खिलाडियों के एलीट क्लब में आने की क्षमता थी। अब तक सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, कुमार संगकारा, रिकी पोंटिंग, महेला जयवर्धने, जैक कैलिस और राहुल द्रविड़ ही इस मील के पत्थर को अचीव कर चुके हैं। पूरा क्रिकेट जगत इस सूची में आने के लिए विराट कोहली की तरफ ललक भरी दृष्टि से देख रहा था। परंतु रिकॉर्ड पुरुष कोहली के संन्यास लेने से तमाम तरह की अटकलें समाप्त हो

गईं। बावजूद इसके विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के सबसे चमकते सितारों में से एक हैं। उनका जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून साफ नजर आता था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली की टीम से की और जल्द ही अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित किया। विराट कोहली ने 2008 में अंडर-19 वल्ड कप जीतकर देश का नाम रोशन किया और यहीं से उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्रा शुरू हुई। विराट कोहली ने अगस्त 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। शुरुआत में उन्हें टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने खुद को साबित किया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और निरंतर रन बनाने की क्षमता ने उन्हें 'रन मशीन' बना दिया। कोहली ने वनडे, टेस्ट और टी-20, तीनों फॉर्मेट में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। 2014 में महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद विराट कोहली को भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया। उनकी कप्तानी में भारत ने कई ऐतिहासिक जीत दर्ज कीं और टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया। कोहली की आक्रामक कप्तानी और प्रेरणादायक नेतृत्व ने टीम इंडिया को एक नई पहचान दी। उनके नेतृत्व में भारत ने 68 टेस्ट में से 40 में जीत दर्ज की, जो एक रिकॉर्ड है। विराट कोहली की बल्लेबाजी की बात करें तो उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 9230 रन बनाए और 7 दोहरे शतक जड़े, जो किसी भी भारतीय कप्तान के लिए सबसे ज्यादा है। वनडे क्रिकेट में भी उन्होंने सबसे तेज 8000, 10000 और 12000 रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनकी फिटनेस और अनुशासन की मिसाल आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है। कोहली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें राजीव गांधी खेल रत्न, पद्म श्री, अर्जुन पुरस्कार और कई आईसीसी अवॉर्ड्स शामिल हैं। वे न सिर्फ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व भी हैं। विराट कोहली ने अपने फाउंडेशन के जरिए समाज सेवा में भी योगदान दिया है और कई जरूरतमंद बच्चों की मदद की है। 14 साल तक टेस्ट क्रिकेट में राज करने के बाद उनका यह फैसला हर किसी को हैरान कर गया। वे पूरी तरह फिट थे, फॉर्म में थे, लेकिन फिर भी उन्होंने यह बड़ा कदम उठाया। विराट कोहली का क्रिकेट के प्रति समर्पण, उनकी मेहनत और जुनून हर युवा खिलाड़ी के लिए मिसाल है। उन्होंने अपने खेल से न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे विश्व में नाम कमाया है। उनकी यात्रा हमें सिखाती है कि कठिनाइयों के बावजूद अगर हौसला मजबूत हो तो कोई भी मंजिल पाई जा सकती है। आज जब वे टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं, तो करोड़ों प्रशंसक उन्हें दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं। विराट कोहली ने भारतीय क्रिकेट को जो ऊंचाइयां दी हैं, उसके लिए देश हमेशा उनका आभारी रहेगा। धन्यवाद विराट कोहली, आपके योगदान और प्रेरणा के लिए। टेस्ट के सबसे सफलतम कप्तान से लेकर दुनिया के हर कोने में टेस्ट में भारत को सीरीज जिताना कोई आपसे सीखे, मैदान पर पहले ओवर से लेकर 90वें ओवर तक एक तरह की ऊर्जा और उत्साह को न पाकर हम सभी हमेशा आपको याद करेंगे किंग विराट कोहली। आपके योगदान को नमन।

कुछ अलग

पहाड़ों में बैल

पहाड़ी प्रदेश होने के कारण हिमाचल के लोगों का जीवन विषमताओं से भरा पड़ा है। पहाड़ की भौगोलिक स्थिति ठीक न होने से लोगों को मामूली सुविधा के लिए भी अधिक परिश्रम करना पड़ता है। पहाड़ी लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन रहा है। यही इनकी आजीविका का साधन भी है। प्रदेश में आज भी कई ऐसे स्थान हैं जहां सडक़ जैसी आवश्यक सुविधा भी नहीं है। पहाड़ में सडक़ें बनाना भी मुश्किल काम है। इसलिए यातायात की कमी होना स्वाभाविक ही है। लोग मीलों पैदल चलकर अपने मुकाम तक पहुंचते हैं। प्रदेश में समतल भूमि कम है। इसलिए खेती करना भी बहुत मुश्किल है। सीढ़ीनुमा खेत होने के कारण ट्रैक्टर से बुआई करना नामुमकिन है। नतीजतन किसान प्राथमिकता के आधार पर बैल पालते हैं। जनमानस में यह कहावत 'जनाने मारे सेह मुए, बिना बलदे मुए करसाना, कैंथुए रिया क्वालिया कोहन्दे सेह मुए तिन्हां रिया जे जांगा निए प्राण' प्रचलित है। अर्थात बैलों के बिना किसानों का कोई अस्तित्व नहीं है। उनकी हालत ऐसी है जैसे शिमला के कैथू की चढ़ाई चढ़ते कमजोर आदमी की होती है। इसलिए बैलों के बिना कृषि कार्य सम्पन्न ही नहीं हो पाता। बुआई के साथ फसल की गहाई के काम में इनका विशेष योगदान रहता है। बैलों में पहाड़ी नस्ल के छोटे कद-काठी के बैल होते हैं। ये बैल अक्सर उनकी अपनी पालतू गाय के बछड़े होते हैं। उनका विशेष रूप से पालन पोषण किया जाता है। यदि किसी ग्रामीण के पास एक ही बछड़ा हो तो उसकी बराबरी का दूसरा बछड़ा किसी अन्य व्यक्ति से खरीद कर उसकी जोड़ी बना ली जाती है। उन्हें हल जोताई के लिए तैयार करना अत्यंत कठिन कार्य रहा है। उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए किसान को खूब पापड़ बेलने पड़ते हैं तथा इसके लिए महीनों लग जाते हैं। शुरू में ये बैल इधर-उधर भागते हैं तथा उसके बाद उन्हें पकड़ कर सीधे चलना सिखाया जाता है। इसके लिए उनके नाक बीनकर नुकेल डाली जाती है। इससे वे धीरे-धीरे लाइन पर आ जाते हैं। नुकेल की रस्सियों को रंगों में रंगा जाता है। किसान उन रस्सियों के सहारे जोताई करता है, लेकिन यदि किसी के पास अपना बछड़ा न हो तो पशु मेला से बैल खरीद कर लाए जाते थे। रोपड़, नालागढ़, नलवाड़ी-बिलासपुर व जाहू आदि स्थानों पर पशुओं की बड़ी मंडियां लगती थी। इन मंडियों में छोटे-बड़े सभी किस्म के बैलों की खरीद-फरोख्त होती थी। पंजाब व हरियाणा के व्यापारी दर्जनों जोड़ी बैल बिक्री के लिए लाते थे। स्थानीय लोग उनसे बैलों की जोड़ी खरीद लेते थे। खरीद करती बार उनकी नस्ल व रंग का ध्यान रखा जाता था। उनके दांत विशेष रूप से देखे जाते हैं। दांतों की गणना से ही बैल की उम्र का पता चलता है। खीरे अर्थात एक नए दांत वाले बैल की अधिक कीमत लगती है। छह दांत वाले बैल ज्यादा आयु के माने जाते हैं। अब न पशु मंडियों में पशु होते हैं और न ही व्यापारी ही पशु लाते हैं।

आप का नजरिया

फुटपाथ का साथ

सड़क पर तेज रफ्तार दौड़ती कारों और अतिक्रमण की भेंट चढ़े फुटपाथों पर पैदल यात्रियों का चलना अब दुश्वार हो चला है। यही वजह है कि बुजुर्ग लोग सड़कों पर आने से डरते हैं और घरों तक सिमटकर रह जाते हैं। वे फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों। सभी सार्वजनिक सड़कों पर उपयुक्त फुटपाथ बनाना और उनसे अतिक्रमण हटाना अनिवार्य है। कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों से कहा कि वे बताएं पैदल यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उसके पास क्या नीति है। कोर्ट ने दो महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। शीर्ष अदालत ने मुंबई हाईकोर्ट की ओर से पहले से जारी दिशा-निर्देशों को आदर्श मानते हुए अन्य राज्यों से इसे अपनाने को कहा। दरअसल, कोर्ट भी इस बात से सहमत दिखा कि जब फुटपाथ नहीं होते तो गरीब, बुजुर्ग, बच्चे और दिव्यांगजन मजबूरी में सड़कों पर चलते हैं। वे भीड़भाड़ में हादसों का शिकार हो जाते हैं। अदालत ने कहा कि यह केवल यातायात का मुद्दा नहीं है, यह जीवन का अधिकार है। ये उन करोड़ों भारतीयों के लिए एक उम्मीद है जो जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते हैं। अब हर कदम पर सुरक्षित और जीवन की अहमियत होनी चाहिए। निस्संदेह, देश में फुटपाथों की दुर्दशा, अतिक्रमण और दिव्यांगों की लाचारी किसी से छिपी नहीं है। अकेले वर्ष 2022 में 77 हजार पैदल यात्रियों के साथ हुई दुर्घटना में करीब 32,797 की मृत्यु हुई और 34 हजार गंभीर रूप से घायल हुए। निस्संदेह, कोर्ट ने पैदल चलने वाली करोड़ों की मूक बिरादरी को संवैधानिक आवाज देने देने की सार्थक पहल की है। विडंबना यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में अस्सी फीसदी पैदल मार्गों पर रेहड़ी-पटरी वालों, दुकानदारों व गाड़ी वालों ने कब्जा कर रखा है। इस वर्ष हर माह करीब 48 पदयात्री सड़क दुर्घटना में मारे गए। यही वजह है कोर्ट ने फुटपाथ को संवैधानिक अधिकार बताते हुए इसे संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीशुदा बताया। जिसे केंद्र व राज्य सरकारों को पैदल यात्रियों के लिये इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के गठन के लिए सिर्फ छह माह का समय दिया है।

> फुटपाथ न होने के कारण सड़कों पर चलते हैं और अनियंत्रित गति वाले वाहनों के शिकार हो जाते हैं। अदालत में दिए गए एक आंकड़े के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले करीब बीस फीसदी लोग पैदल यात्री होते हैं। इन हालात में दिव्यांग लोग कैसे सड़कों पर निकल सकते हैं, ये कल्पना से परे है। देश के करोड़ों मूक पैदल यात्रियों को आवाज देने के मकसद से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति ए.एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की खंडपीठ ने सख्त लहजे में कहा कि फुटपाथ की सुविधा लोगों का संवैधानिक अधिकार है। पीठ ने केंद्र व राज्यों को कहा कि दो महीने में सुनिश्चत करें शहरों व गांवों में पैदल चलने वालों के लिये साफ, अतिक्रमण मुक्त और दिव्यांगों के अनुकूल फुटपाथ उपलब्ध हों।

दृष्टि कोण

हार को शिक्षक मान जीत की संभावना तलाशें

जीवन एक यात्रा है-कभी सहज, तो कभी जटिल। जीवन यात्रा में जितनी सफलता की ऊंचाइयां हैं, उतनी ही हार की गहराइयां भी हैं। जब कोई व्यक्ति अपने जीवन में हार का सामना करता है तो उसका सबसे पहला स्वाभाविक भाव निराशा होता है। अपनी पराजय के लिए या तो हम हम स्वयं को दोष देने लगते हैं या फिर परिस्थितियों को कोसते हैं। लेकिन यदि हम थोड़ा धैर्य रखें तो पायेंगे कि हार केवल एक रुकावट नहीं बल्कि कुछ सीखने का अवसर है। यह हमारे दृष्टिकोण, योजनाओं तथा आत्ममूल्यांकन को गहराई से देखने का समय होता है। हमारे समाज में हार को नकारात्मकता से देखा जाता है। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाया जाता है कि सिर्फ 'जीतना ही महत्वपूर्ण है।' समाज में कभी भी हार की स्वीकार्यता नहीं रही। जबकि सच्चाई यह है कि पराजय आत्मदृष्टि का अवसर प्रदान करती है। वह संकेत देती है कि कहीं कुछ अधूरा रह गया है-संभवतः हमारी तैयारी में, दृष्टिकोण में या आत्मविश्वास की दृढ़ता में। जब हम हार को एक शिक्षक के रूप में स्वीकार करते हैं, तब हम उसके अंदर निहित सफलता की संभावनाओं की तलाश कर पाते हैं। इतिहास साक्षी है कि सफलता की नींव अक्सर असफलताओं की ईंटों से रखी जाती है। अब्राहम लिंकन ने कई चुनाव हारे। व्यापार में असफल रहे। लेकिन अंततः वह अमेरिका के सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रपति बने। हैरी पॉटर की लेखिका जे.के. रोलिंग को तमाम प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था। पर उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने आत्मविश्वास को बना प्रयत्न जारी रखा। अंततः एक छोटे से प्रकाशक ब्लूम्सबरी ने उनकी पांडुलिपि को स्वीकृति दे दी और वह इतिहास बन गया। वह कहती थीं, यदि आपका विश्वास अडिग है तो अस्वीकृतियां केवल सीढ़ियां है सफलता की ओर। अगर हम सफल होना चाहते हैं तो असफलता की चेतना को आश्रय न दें। असफलता तब ही स्थाई बनती है, जब हम उसे भीतर बसा लेते हैं। एक असफल प्रयास को यदि हम आत्म छवि में बदल लें, तो वह हमे भीतर से खोखला कर देती है। लेकिन यदि हम उसे केवल एक अनुभव मानें, एक पाठ की तरह ग्रहण करें तो वह हमें मजबूत बनाता है। चेतना की दिशा ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है। इसलिए मन में यह दृढ़ विश्वास होना चाहिये कि आप असफल नहीं हैं। परमहंस योगानंद जी का एक प्रेरणादायक कथन है- 'असफलता का समय ही सफलता के बीज बोने के लिए सर्वोत्तम समय है।' यह कथन जीवन के गहरे सत्य को उजागर करता है। जीवन के सबसे कठिन क्षणों में हमारा

अंतर्मन सबसे अधिक उपजाऊ भूमि होती है। इस समय आत्मविश्वास, धैर्य और विवेक के बीज बोए जा सकते हैं। ये बीज एक दिन सफलता के वटवृक्ष बनते हैं। हमारी संस्कृति और अध्यात्म भी हमें सिखाते हैं कि असफलता कोई स्थाई स्थिति नहीं होती, बल्कि वह आत्मविश्लेषण, आत्मसुधार और आत्मोत्थान का एक अवसर होती है। श्रीराम का वनवास एक हार नहीं, बल्कि दिव्य जीवन के नए अध्याय की शुरुआत थी। महाभारत के कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन का मोह युद्ध से पहले ही पराजय लगता है पर वह विचार गीता के ज्ञान का द्वार बन गया। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि असफलताओं के पीछे असीम सफलताओं की संभावना छिपी होती है। यहां परमहंस योगानंद जी का यह कथन मार्गदर्शक बनता है, 'जब असहनीय चुनौतियों का पहाड़ आप पर टूट पड़े, तब साहस और सूझबूझ न खोएं। अपनी अन्तर्ज्ञानजनित सहज बुद्धि तथा ईश्वर में आस्था को सक्रिय रखिए, उस संकट से बच निकलने का कोई न कोई रास्ता खोजने का प्रयास कीजिए। चाहे वह रास्ता कितना भी असंभव क्यों न लगे और आपको मार्ग मिल जाएगा। अंत में सब ठीक हो जाएगा क्योंकि परमात्मा ने जीवन के क्षणभंगुर अनुभवों में दिखने वाले सतही विरोधाभासों के पीछे अपना वरदान छिपा कर रखा हुआ है। अपनी सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त करने के लिए परमात्मा की सहायता लें।' हम सभी अपने जीवन में कभी न कभी असफलता देखते हैं। यह असफलता एक परीक्षा में भी हो सकती है किसी रिश्ते में, करिअर में या आत्मसंघर्ष के किसी गहरे मोड़ पर भी हो सकती है। इसमें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। यह तो आत्ममंथन का अवसर है। जब हम असफलताओं से टूट रहे होते हैं तो हमारे अंतर्मन से एक आवाज आती है, 'उत्साह और धैर्य के साथ पुनः प्रयास करो। यह असफलता तुम्हारे लिए ऊपर उठने का एक अवसर है।'

डोनाल्ड ट्रंप के बदलावों से अमेरिकी जीवन का हर पहलू प्रभावित

वाशिंगटन,20 मई (एजेंसियां)।

व्हाइट हाउस में दूसरे कार्यकाल के लिए इस साल जनवरी में धमाकेदार एंट्री करने वाले डोनाल्ड ट्रंप के बदलाव से अमेरिकी जीवन का हर पहलू प्रभावित हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के इतिहास में ट्रंप ने अपनी आक्रामक नीति और ध्रुवीकरण में अपने सभी पूर्ववर्तियों को पीछे छोड़ दिया है। राष्ट्रपति ने ऐसे बदलावों की झड़ी लगा दी है, जिन्होंने अमेरिकी जीवन के शायद ही किसी पहलू को अछूता छोड़ा है। अमेरिका के समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अब तक की संक्षिप्त अवधि का विश्लेषण किया है। अखबार कहता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल का उपयोग कच्ची राजनीतिक शक्ति का प्रयोग करने और देश को अपनी छवि में बदलने के इरादे से कार्यालय में वापसी की। चार महीने हो चुके हैं और उन्होंने पहले ही ऐसा कर लिया है। राष्ट्र ने पहले ऐसा कभी नहीं देखा। ट्रंप के बदलावों का असर अर्थव्यवस्था, राष्ट्रीयता, शिक्षा और सरकार पर पड़ा है। उनके इन कदमों ने उनके सहयोगियों और कट्टर आलोचकों को समान रूप से आश्चर्यचकित किया। यह अव्यवस्थित है और अकसर इसका अनुसरण करना काफी मुश्किल है। ऐसा लगता है यह सब जानबूझकर किया गया है। मानना है कि चाहे आप राष्ट्रपति के कार्यों से प्रसन्न हों या अचंभित, उनके पहले 100 दिनों का सदमा शायद अब कम हो रहा है।

साम्राज्यवाद के साथ खिलवाड़ – ट्रंप ने वैश्विक व्यवस्था और अमेरिका के गठबंधनों को उलट दिया है। राष्ट्रपति ने खुले तौर पर साम्राज्यवाद के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने देश को कनाडा, ग्रीनलैंड और पनामा नहर हासिल करने का सुझाव दिया है। लेकिन विदेश नीति पर उनका प्रभाव इससे कहीं आगे तक जाता है। उन्होंने पूरी तरह से सत्ता पर आधारित विदेश नीति अपनाई है। रूस और चीन जैसे देशों के साथ मजबूत व्यवहार के पक्ष में लंबे समय से सहयोगी रहे देशों को किनारे कर दिया है। उनके लिए अब यूरोप और इजराइल जैसे करीबी सहयोगी महत्वपूर्ण नहीं हैं।

कानून की सीमा – वह कानून की सीमाओं का परीक्षण कर रहे हैं। प्रशासन ने बार-बार अदालती आदेशों का विरोध किया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट का एक आदेश भी शामिल है। इसमें कहा गया है कि सरकार गलत तरीके से निर्वासित व्यक्ति को वापस लाने के लिए कदम उठाए। ट्रंप ने उन न्यायाधीशों पर हमला किया है जिन्होंने उनके खिलाफ फैसला सुनाया है। रिपब्लिकन नियंत्रित कांग्रेस द्वारा बहुत कम निगरानी की पेशकश और उनकी शक्ति पर अपने संवैधानिक नियंत्रण को लागू करने से परहेज करने के कारण, कुछ कानूनी विद्वान पहले से ही संवैधानिक संकट की चेतावनी दे रहे हैं। यह स्पष्ट है कि प्रशासन शक्तियों के पृथक्करण के सबसे बुनियादी सिद्धांतों का परीक्षण कर रहा है।

निरंकुशता का अलार्म – वह समाज में अपना प्रभाव डाल रहे हैं। कानूनी फर्में। विश्वविद्यालय। वैज्ञानिक अनुसंधान। मीडिया कंपनियां। विविधता, समानता और समावेश की नीतियां।

न्यूज ब्रीफ

अब यूक्रेन और रूस के बीच होगी सीधी वार्ता, तुर्किये, स्विट्जरलैंड या वेटिकन में से एक जगह होगी बैठक

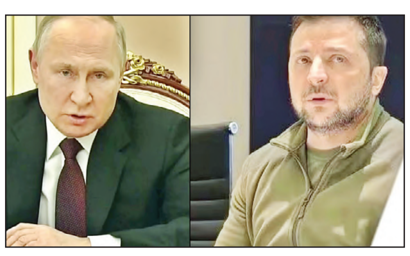

वाशिंगटन/मॉस्को/कीव। वर्षों से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम कराने के वैश्विक प्रयास कुछ हद तक कामयाब होते दिख रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कल चली दो घंटे की टेलीफोनिक बातचीत काफी हद तक सफल रही। पुतिन को ट्रंप काफी हद तक समझाने में सफल रहे। इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की बातचीत शुरू होने से पहले और खत्म होने के बाद तक ट्रंप के संपर्क में रहे। जेलेंस्की का कहना है कि युद्ध विराम पर अगले दौर की वार्ता तुर्किये, स्विट्जरलैंड या वेटिकन में से किसी एक स्थान पर हो सकती है। खबर के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति पुतिन कल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत के बाद यूक्रेन के साथ शांति समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार हो गए हैं। लेकिन उन्होंने व्यापक रियायतों की अपनी मांग दोहराई है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि दो घंटे तक चली कॉल बहुत अच्छी रही। अब रूस और यूक्रेन तुरंत युद्ध समाप्त करने की दिशा में बातचीत शुरू करेंगे। ट्रंप ने बताया कि पुतिन से वार्ता के बाद उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं से भी बात की है। हालांकि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दिन की शुरुआत में पुतिन की स्थिति पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि उन्हें यकीन नहीं है कि व्लादिमीर पुतिन के पास युद्ध को समाप्त करने के लिए कोई रणनीति है। खबर के अनुसार, पुतिन ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के लिए सोची तट पर स्थित एक संगीत विद्यालय को चुना। ट्रंप ने अपने ओवल ऑफिस से बातचीत की। पुतिन ने अपनी टिप्पणियों में स्पष्ट किया कि वह हिंसा को समाप्त करने की अपनी अधिकतम मांगों से पीछे नहीं हट रहे हैं। पुतिन ने भी ट्रंप से हुई बातचीत को सार्थक बताया।

यूएई और अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी की दिशा में बड़ा कदम, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारी स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह जानकारी यूएई के रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। यह समझौता अबू धाबी में यूएई के रक्षा मामलों के राज्यमंत्री मोहम्मद बिन मुबारक फाधेल अल मजरूई और अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के बीच हस्ताक्षरित हुआ। बयान के अनुसार, यह समझौता दोनों देशों की सैन्य सहयोग को सुदृढ़ करने, रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और दीर्घकालिक रणनीतिक प्राथमिकताओं को एकरूप करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समझौते के तहत, दोनों देश एक चरणबद्ध ढांचे के तहत काम करेंगे, जिसका उद्देश्य संयुक्त तैयारी, इंटरऑपरेबिलिटी और नवाचार-आधारित सहयोग को बढ़ावा देना है। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इस अवसर पर एक नई पहल की घोषणा की, जिसमें यूएस डिफेंस इनोवेशन यूनिट और यूएई के तवाजुन काउंसिल के बीच साझेदारी की शुरुआत की गई है। इस पहल के तहत दोनों देशों के बीच रक्षा नवाचार, संयुक्त अनुसंधान और विकास और उद्योग एवं निवेश क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

बाबा वेंगा की एक और भविष्यवाणी आज बन रही है सच्चाई

वाशिंगटन। भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणियां एक बार पुनः चर्चा में है। भविष्यवाणी में उन्होंने एक छोटे

उपकरण के जरिए मानवता को खतरे में पड़ने की बात कही थी। कहा जा रहा है कि यह भविष्यवाणी आज के स्मार्टफोन पर बिल्कुल सटीक बैठती है, जो अब हमारी जिंदगी का हिस्सा ही नहीं, बल्कि हमारी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक स्थिति पर भी असर डाल रहा है। बाबा वेंगा ने दशकों पहले भविष्यवाणी की थी कि भविष्य में एक छोटा सा उपकरण आएगा, जो शुरू में लोगों के लिए सहायक होगा लेकिन धीरे-धीरे वही इंसान का दुश्मन बन जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि यह उपकरण बच्चों के लिए खतरा बनेगा और लोगों के व्यवहार में बदलाव लाएगा। तब यह बात एक कल्पना जैसी लगती थी, लेकिन आज के दौर में जब स्मार्टफोन हर हाथ में है, तब वेंगा की यह चेतावनी बेहद सटीक और प्रासंगिक लगती है। आज स्मार्टफोन ने जहां एक ओर जीवन को आसान बनाया है, वहीं इसके अत्यधिक उपयोग ने नई समस्याओं को जन्म दिया है।

अल साल्वाडोर में राष्ट्रपति बुकेले की आलोचक वकील लोपेज गिरफ्तार

सैन सैल्वाडोर,20 मई (एजेंसियां)।

अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की मुखर आलोचक और प्रमुख वकील रूथ एलोनोरा लोपेज को गिरफ्तार कर लिया गया। राष्ट्रपति नायब बुकेले के इशारे पर की गई गिरफ्तारी की अधिकार समूहों ने तीखी आलोचना की है। समूहों का कहना है कि यह देश में अधिनायकवाद की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है। अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने लोपेज पर राज्य के खजाने से धन की चोरी में सहयोग करने का आरोप जड़ा है।

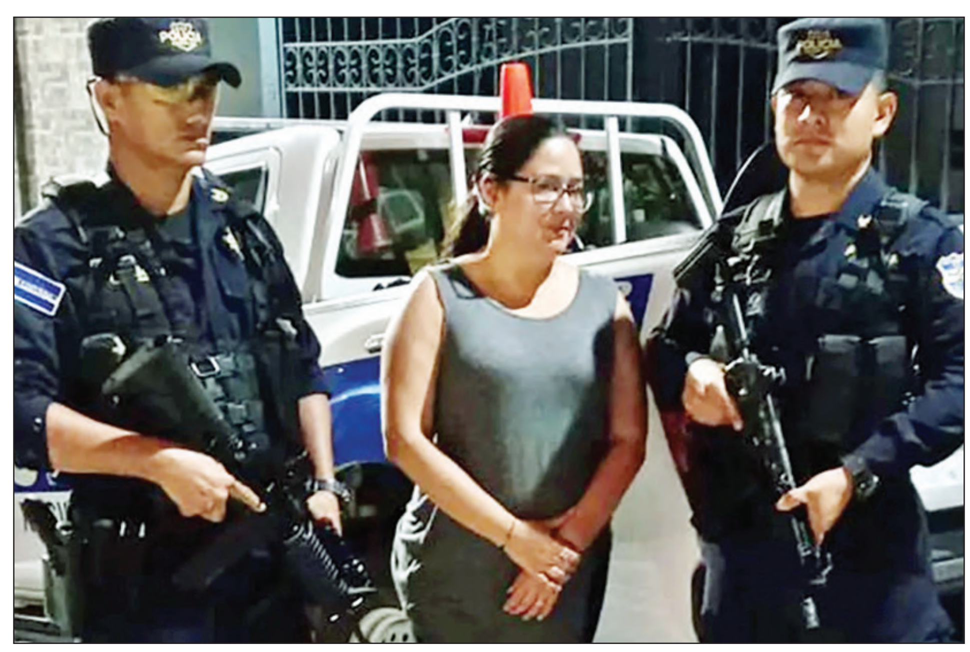

खबर के अनुसार, अल साल्वाडोर में अधिकारियों ने राष्ट्रपति नायब बुकेले की आलोचना करने वाली प्रमुख वकील रूथ एलोनोरा लोपेज गिरफ्तार किया है। अल साल्वाडोर के अटॉर्नी जनरल कार्यालय ने कहा कि अधिकार संगठन क्रिस्टोसल की भ्रष्टाचार विरोधी और न्याय इकाई की प्रमुख रूथ एलोनोरा लोपेज पर राज्य के खजाने से धन की चोरी में सहयोग करने का आरोप है। उनकी गिरफ्तारी छापेमारी के दौरान की गई जांच और एकत्रित जानकारी के आधार पर की गई। पीड़ित लोपेज की मां और उनके पति ने सोमवार को क्रिस्टोसल के नेताओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उसे कहां रखा गया है कि यह तक नहीं बताया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी उसके घर पर झूठे बहाने से आए और उसे बाहर निकालने के लिए एक यातायात दुर्घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद उसे हिरासत में लिया गया और वारंट देखने की अनुमति तक नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अटॉर्नी जनरल कार्यालय के एक्स पर पोस्ट किए गए औपचारिक आरोपों के अलावा कुछ नहीं जानते हैं। क्रिस्टोसल में रणनीतिक मुकदमेबाजी के निदेशक अब्राहम एब्रेगो ने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि सरकार दमन करने और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह तक नहीं बताया जा रहा कि वकील और विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लोपेज को कहां रखा गया है। लोपेज ने बुकेले सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की है। अपराध पर नकेल कसने के लिए चल रही आपातकालीन स्थिति के दौरान दमन की निंदा की है। लोपेज को 2024 में बीबीसी ने 100 प्रभावशाली और प्रेरक महिलाओं की सूची में शामिल किया था। वो 2009 और 2014 के बीच सुप्रीम इलेक्टोरल ट्रिब्यूनल के पूर्व अध्यक्ष यूजेनियो चिकास की सलाहकार थीं। चिकास को पिछले फरवरी में गिरफ्तार किए जाने के बाद मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2019 में पदभार ग्रहण करने के बाद से बुकेले ने देश में वर्षों से व्याप्त अपराध और गिरोह हिंसा को रोकने के लिए विवादास्पद उपाय लागू किए हैं। 2022 में सांसदों के समर्थन से उन्होंने आपातकाल घोषित किया था। यह उपाय 30 दिन तक चलने वाला था, लेकिन इसे दर्जनों बार बढ़ाया गया और आज भी जारी है। अधिकारियों के अनुसार, आपातकाल घोषित किए जाने के बाद से अब तक सुरक्षा बलों ने देश भर में लगभग 87,000 लोगों को गिरफ्तार किया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल सहित अंतरराष्ट्रीय समूहों ने सोमवार को संयुक्त बयान में लोपेज की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि अल साल्वाडोर में आपातकाल का इस्तेमाल न केवल गिरोह से संबंधित हिंसा को समाप्त करने के लिए किया गया है, बल्कि आलोचनात्मक आवाजों को चुप कराने के लिए भी किया गया है।

नेपाल में वामपंथी दलों के बीच एकता कराने को चीन सक्रिय, पूर्व राष्ट्रपति को मिला बीजिंग दौरे का न्यौता

काठमांडू,20 मई (एजेंसियां)।

नेपाल में एक बार फिर से प्रमुख वामपंथी दलों के बीच एकता की चर्चा और बहस शुरू हुई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और प्रमुख विपक्षी नेता माओवादी अध्यक्ष प्रचण्ड की पार्टी के बीच एकता कराने की मध्यस्थता के लिए चीन सक्रिय हो गया है।

इसी बीच बीजिंग ने देश की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को बीजिंग भ्रमण का न्यौता दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी यूएमएल से सक्रिय राजनीति में आने के लिए तैयार पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को 24 मई से एक सप्ताह के चीन भ्रमण पर बीजिंग का न्यौता मिला है जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। यूएमएल पार्टी के कुछ बड़े नेताओं के साथ बीजिंग जा रही विद्या भंडारी की वहां कई खास राजनीतिक मुलाकात होना तय है। चीन में नेपाल के राजदूत कृष्ण प्रसाद ओली ने पूर्व राष्ट्रपति भंडारी के चीन भ्रमण की पुष्टि की है। काठमांडू आए राजदूत ओली ने बताया कि कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के अंतरराष्ट्रीय विभाग की तरफ से निमंत्रण दिया गया है। उन्होंने कहा कि बीजिंग दौरे के समय चीन के विदेश मंत्री वांग यी से भी मुलाकात तय है। चीन की पहल पर और पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के प्रयास से पिछली बार हुई कम्युनिस्ट एकता को सुप्रीम कोर्ट ने अवैधानिक करार देते हुए खत्म कर दिया था। बाद में ओली और प्रचंड की व्यक्तिगत टकराव की वजह से वह नहीं हो पाया। चीन एक बार फिर से नेपाल के प्रमुख वामपंथी दलों खास कर ओली और प्रचंड की पार्टी के बीच एकता कराने के लिए सक्रिय हो गया है। इसी वजह से ओली की पार्टी से सक्रिय राजनीति में कदम रखने के लिए तैयार पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी को चीन बुलाकर एक बार फिर से दोनों प्रमुख वामपंथी दलों के बीच एकता कराने के अपने प्रयास में चीन ने भंडारी को बीजिंग बुलाया है।

पोप से मिले जेडी वेंस, ट्रंप की ओर से अमेरिका आने का दिया निमंत्रण

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को वेटिकन में पोप लियो चौदहवें से मुलाकात कर उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला की ओर से संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। यह मुलाकात ऐसे समय हुई जब अमेरिका की अगुवाई में रूस-यूक्रेन युद्ध में संघर्षविराम को लेकर कूटनीतिक प्रयासों की तेजी देखी जा रही है। जेडी वेंस ने शिकागो में जन्मे अमेरिका के पहले पोप को ट्रंप का पत्र सौंपा, जिसे पोप ने अपने डेस्क पर रखते हुए कहा, किसी समय ऐसा होगा। यह क्षण वेटिकन मीडिया द्वारा साझा की गई वीडियो फुटेज में रिकॉर्ड हुआ। कैथोलिक धर्म में वर्ष 2019 में धर्मांतरित हुए वेंस ने पोप को संत ऑगस्टीन की दो प्रसिद्ध रचनाएं- द सिटी ऑफ गॉड और ऑन क्रिश्चियन डॉक्ट्रिन भी भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने एक खास उपहार शिकागो बियर्स की टी-शर्ट दी, जिस पर लिओ लिखा था। वेंस ने पोप से कहा, जैसा कि आप अंदाजा लगा सकते हैं, अमेरिका में लोग आपके बारे में बेहद उत्साहित हैं।

इजराइल ने सात दिन में हमास के 670 अधिक ठिकानों को बनाया निशाना

गाजा पट्टी,20 मई (एजेंसियां)।

इजराइली सेना ने पिछले सात दिन में आतंकी समूह हमास के 670 से अधिक पर भीषण हमला किया है। पिछले 24 घंटों में इजराइल के हमलों में कम से कम 136 लोगों की जान चली गई। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने गाजा में खाद्य पदार्थों की बुनियादी मात्रा को प्रवेश करने की अनुमति दी है।

खबर के अनुसार, इजराइली सेना ने कहा कि पिछले हफ्ते उसने पूरे एन्क्लेव में प्रारंभिक हवाई हमलों में हमास के 670 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया। यूके स्थित संगठन के अनुसार, सोमवार सुबह इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस इलाके में नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स के मेडिकल सप्लाई गोदाम पर हमला किया।

गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि पिछले 24 घंटों में इजराइल के हमलों में कम से कम 136 लोगों की जान चली गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार से सोमवार तक 400 से अधिक लोग मारे गए और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए। सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल के युद्ध शुरू किए जाने के बाद से गाजा में 53,000 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को कहा कि गाजा में अकाल को रोकने के लिए खाद्य पदार्थों की एक बुनियादी मात्रा को प्रवेश करने की अनुमति दी गई है। हालांकि इससे उसका सैन्य अभियान खतरे में पड़ सकता है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यह भी संकेत दिया है कि यदि इजराइल 11 सप्ताह की नाकाबंदी नहीं हटाता है तो इजराइल संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अपने सबसे करीबी सहयोगियों का समर्थन खो सकता है।

यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और कनाडा ने इजराइल से गाजा में अपने सैन्य अभियानों को रोकने और मानवीय सहायता के प्रवेश की अनुमति देने का आह्वान किया है। इन देशों के नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा है कि अगर इजराइल ने आक्रमण बंद नहीं किया और मानवीय सहायता पर अपने प्रतिबंध नहीं हटाए तो जवाब में और ठोस कार्रवाई की जाएगी। इसमें लक्षित प्रतिबंध भी शामिल हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जवाब में इन नेताओं पर सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला करने वाले हमास के आतंकियों को इनाम देने और इनके अत्याचारों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। उधर, फ्रांस, जर्मनी, इटली और यूके सहित 23 देशों के विदेश मंत्रियों और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने इजराइल से आग्रह किया कि वह गाजा में संयुक्त राष्ट्र और मानवीय संगठनों को स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम करने में मदद करे।

बांग्लादेश की अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ, हत्या के प्रयास के केस में ढाका अदालत ने दी जमानत

ढाका,20 मई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की मशहूर अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया। उन्होंने जेल जाने के 24 घंटे बाद ढाका की अदालत ने आज सुबह जमानत प्रदान कर दी। 31 वर्षीय फारिया को हत्या के प्रयास के एक केस में हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। फारिया के वकील मोहम्मद इफ्तिखार हुसैन ने कहा है कि ढाका की एक अदालत ने आज सुबह अभिनेत्री को जुलाई विद्रोह से जुड़े हत्या के प्रयास के एक मामले में जमानत दे दी।

वकील हुसैन ने बताया कि ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। कल उन्हें इस मामले के सिलसिले में जेल भेज दिया गया। अदालत ने कल जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 22 मई की तारीख तय की थी, क्योंकि उनके वकील इफ्तिखार ने उनके यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत किए और कहा कि वह नौ जुलाई से 13 अगस्त के बीच कनाडा में थीं, जब ढाका के भटारा इलाके में अपराध हुआ था। अभिनेत्री की गिरफ्तारी की कलाकारों और सांस्कृतिक हस्तियों, खासकर जुलाई के विद्रोह के दौरान मुखर रहे लोगों ने व्यापक आलोचना की थी। अभिनेत्री को कल सुबह करीब 10:00 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच ढाका में मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में ले जाया गया, इससे एक दिन पहले उन्हें हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान में चढ़ने से पहले गिरफ्तार किया गया था। वह थाईलैंड जा रही थीं। पिछले साल 19 जुलाई को भटारा में विरोध प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से घायल इनामुल हक ने इस साल 27 मार्च को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, 17 अभिनेता-अभिनेत्री और 265 अन्य के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया था। 29 अप्रैल को भटारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी ने अदालत के निर्देशानुसार इस पर प्राथमिकी दर्ज की थी।

उल्लेखनीय है नुसरत फारिया का पूरा नाम नुसरत फारिया मजहर है। वह मॉडलिंग, गायन, टेलीविजन प्रस्तोता और रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नुसरत फारिया अकसर अपने लुक और पोस्ट की वजह से चर्चा में रहती हैं। दिलचस्प यह है कि नुसरत को 2023 की फिल्म मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद प्रसिद्धि मिली। यह फिल्म बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित थी।

मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन फिल्म भारत और बांग्लादेश के बीच एक संयुक्त उद्यम थी और इसे दिवंगत दिग्गज निर्देशक श्याम बेनेगल ने निर्देशित किया था।

एशिया कप से भारतीय टीम के हटने की खबरें गलत : बीसीसीआई

मुम्बई ,20 मई (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के एशिया कप से हटने की खबरों को गलत बताया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि इस प्रकार की जो भी रिपोर्ट आई हैं वे आधारहीन हैं क्योंकि हमने अभी तक एशिया कप को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। वहीं इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारतीय टीम अगले महीने श्रीलंका में होने वाले महिला इमर्जिंग टीम एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप में भाग नहीं लेगी क्योंकि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) का प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री मोहसिन नकवी है। एशिया कप सितंबर में भारत में होना है जबकि महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका को मिली है। सैकिया ने कहा, ऐसी सभी खबरें आधारहीन है क्योंकि अभी तक बीसीसीआई ने आगामी एसीसी आयोजनों के संबंध में ना तो कोई चर्चा की है और ना ही कोई कदम उठाया है, एसीसी को कुछ लिखना तो दूर की बात है। उन्होंने साथ ही कहा, इस समय हमारा पूरा ध्यान आईपीएल और उसके बाद होने वाली इंग्लैंड सीरीज पर है। एशिया कप या किसी अन्य एसीसी इवेंट को लेकर कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा जब भी एशिया कप को लेकर बात होगी उसकी जानकारी मीडिया को दी जाएगी।

सचिव सैकिया बोले, अभी तक इस मामले में कोई फैसला नहीं हुआ

पोंटिग बोले , सरल और प्रभावी रवैये से पंजाब किंग्स को सफलता मिली

जयपुर। पंजाब किंग्स टीम के कोच रिकी पोटिंग टीम के प्लेऑफ में पहुंचने से बेहद उत्साहित हैं। पोंटिंग ने ड्रेसिंग रूम में टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि टीम ने इस सत्र में अब तक जबरदस्त खेल दिखाया है। उसेन खिलाड़ियों की दृढ़ता की प्रशंसा की। पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट की शुरुआत से ही एक सरल पर प्रभावी रवैया अपनाया है, जिससे विपरीत हालातों में भी वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा पाये। बल्लेबाजी इकाई के साथ अपनी खुशी व्यक्त करते हुए जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए युवा नेहल वढेरा की जमकर तारीफ की। नेहल ने केवल 37 गेंदों पर ही 70 रन बनाए। पोंटिंग ने कहा, आपने जो किया उससे आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में सफल रहे। आपको इस प्रारूप में आगे भी ऐसा करना ही होगा। उन्हेंाने शशांक सिंह की भी प्रशंसा की। साथ ही कहा कि हर बार जब आप टूर्नामेंट में किसी चीज से जूझते हैं, तो आप उसे पूरा करने का तरीका ढूंढ लेते हैं। इसके अलावा उन्होंने युवा गेंदबाज हरप्रीत बरार सहित सभी गेंदबाजों के रवैये को भी सराहा।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने विल जैक्स की जगह जॉनी बेयरस्टो को चुना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सत्र के शेष मैचों के लिए ऑलराउंडर विल जैक्स की जगह इंग्लिश विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को चुना है। जॉनी बेयरस्टो 5.25 करोड़ रुपये की कीमत पर टीम में शामिल होंगे। बेयरस्टो के अलावा, चारिथ असलांका और रिचर्ड ग्लीसन, कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन की जगह लेंगे, जो राष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए रवाना होंगे। ग्लीसन को 1 करोड़ रुपये, जबकि असालांका को 75 लाख रुपये की कीमत पर शामिल किया जाएगा। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बेयरस्टो 2019 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली राष्ट्रीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा थे। बेयरस्टो के पास इंग्लैंड के लिए कुल 287 कैप हैं। असालांका वर्तमान में एकदिवसीय और टी20आई प्रारूपों में श्रीलंका के कप्तान हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 134 बार देश का प्रतिनिधित्व किया है। इस बीच ग्लीसन ने इंग्लैंड के लिए छह टी20आई में भाग लिया है और डेथ ओवरों में अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं।

ब्राजील के पूर्व मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने फ्लुमिनेंस क्लब को कहा अलविदा

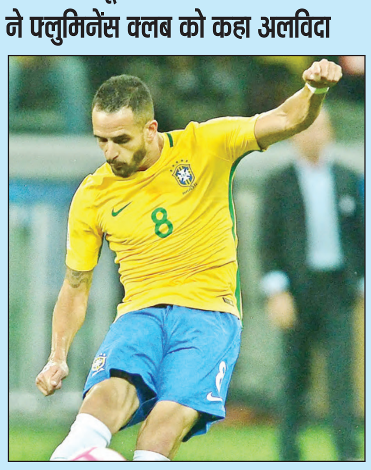

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने रियो डी जेनेरियो स्थित फुटबॉल क्लब फ्लुमिनेंस से आपसी सहमति के आधार पर अपना नाता तोड़ लिया है। क्लब ने सोमवार को एक संक्षिप्त सोशल मीडिया बयान में यह जानकारी दी। फ्लुमिनेंस क्लब ने 37 वर्षीय खिलाड़ी के जाने के पीछे किसी कारण का उल्लेख नहीं किया। क्लब ने अपने बयान में कहा, फ्लुमिनेंस खिलाड़ी द्वारा दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रेनेटो ऑगस्टो ने जनवरी 2024 में कोरिंथियंस से फ्लुमिनेंस में शामिल होकर सभी प्रतियोगिताओं में कुल 36 मैच खेले। उनका अनुबंध दिसंबर 2024 तक था, लेकिन उन्होंने समय से पहले ही क्लब को छोड़ दिया। 20 साल के अपने पेशेवर करियर में रेनेटो ने फ्लेमेंगो, जर्मन क्लब बायर लेवरकुसेन और चीनी क्लब बीजिंग गुओआन के लिए भी खेला है। वे ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए 33 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 2018 फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की उस टीम का हिस्सा रहे जो क्वार्टरफाइनल तक पहुँची थी। रेनेटो के इस फैसले के बाद फुटबॉल जगत में उनके अगले कदम को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

आकाश चोपड़ा ने ऋषभ पर निशाना साधा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम के प्लेऑफ से बाहर होने के बाद टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर निशाना साधा है। आकाश ने कहा कि जिस प्रकार इस सत्र में ऋषभ ने कप्तानी की। वैसा कप्तान कोई भी टीम नहीं चाहती है। बल्लेबाजी में विफल होने के कारण ऋषभ निराश नजर आये जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा। कप्तान के दबाव में रहने का विपरीत प्रभाव टीम पर पड़ा। बल्लेबाजी में असफल होने के कारण वह स्वयं भी सवालों के घेरे में रहे। उनका मानना है कि मैदान पर जिस तरह ऋषभ परेशान दिखे उससे भी टीम का प्रदर्शन प्रभावित हुआ। चोपड़ा ने उस मैच की भी बात की है जिसमें ऋषभ पंत धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में पवेलियन लौटते समय गुस्से में दिखे थे। आकाश ने कहा, ऋषभ एक अच्छा खिलाड़ी है, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन सच्चाई है कि उन्होंने इस सत्र में अच्छा नहीं किया है। ऐसा लग रहा था कि वह बेहद परेशान और निराश थे जबकि कप्तान के चेहरे से यह पता नहीं चलना चाहिए कि वह गुस्से में हैं, लेकिन गुस्सा साफ दिख रहा था, जो अच्छी बात नहीं है। लखनऊ की टीम के लिए इस सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बोली के बाद भी वह रन बनाने के लिए परेशान नजर आये।

वैभव सूर्यवंशी के तूफान में उड़ी चेन्नई सुपर की टीम

राजस्थान ने जीत के साथ किया सीजन का अंत

नई दिल्ली,20 मई (एजेंसियां) । वैभव सूर्यवंशी की दमदार अर्धशतकीय पारी की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस राजस्थान की टीम आईपीएल 2025 में अपने सफर का अंत जीत के साथ किया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतने के बाद सीएसके को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। सीएसके की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 187 रन का स्कोर कड़ा किया था। इसके जवाब में राजस्थान ने 17 गेंद रहते ही मैच को अपने नाम कर लिया।

राजस्थान के लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरे यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर टीम को सधी हुई शुरुआत दिलाई। यशस्वी ने शुरू में राजस्थान के लिए मोर्चा संभालते हुए धुआंधार बैटिंग की। हालांकि, तेज तर्रार पारी की कोशिश में यशस्वी अंशुल कंबोज की गेंद पर बोल्ड हो गए। यशस्वी ने 19 गेंद में 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 36 रनों की पारी खेली। वहीं दूसरी तरफ वैभव की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन क्रीज पर सेट होने के बाद उन्होंने ने भी अपना गियर बदल लिया।धीमी शुरुआत के बाद वैभव को कप्तान संजू सैमसन का भी बेहतरीन साथ मिला। वैभव ने इस दौरान 27 गेंद में सिक्स के साथ अपनी फिफ्टी पूरी की। वैभव की फिफ्टी पूरी होने के बाद कप्तान संजू सैमसन 31 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हो गए। संजू के आउट होते ही वैभव भी ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और 33 गेंद में 57 रनों की पारी खेल आउट हो गए। वैभव ने अपनी इस पारी में 4 चौके और 4 छक्के भी लगाए।वैभव के आउट होने के बाद रियान पराग और ध्रुव जुरेल पर जिम्मेदारी थी कि वह टीम को एक आसान जीत की तरफ ले जाए, लेकिन नूर अहमद ने रियान पराग को अपनी फिरकी में फंसा उन्हें आउट कर दिया। रियान के बाद ऐसा लगा कि सीएसके की टीम ने मैच में वापसी कर ली है, लेकिन उसके गेंदबाज दिशाहीन रहे और मौके का फायदा नहीं उठा सके। ऐसे में ध्रुव जुरेल के साथ शिमरन हेटमायर ने कोई गलती नहीं की टीम को 17 गेंद रहते ही टीम को जीत दिला दी। राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने 12 गेंद में 31 रनों की पारी खेली, जबकि हेटमायर ने 5 गेंद में 12 रनों का योगदान दिया।राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इस मुकाबले में सीएसके की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही। सीएसके लिए पारी की शुरुआत करने उतरे डेवोन कॉन्वे और आयुष म्हात्रे जल्दी आउट हो गए। हालात ऐसी थी कि सीएसके ने 100 रन के भीतर 5 विकेट गंवा दिए थे, लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे ने मिलकर टीम के स्कोर को किसी तरह 150 रन के पार पहुंचाया।एल्बी मोर्कल ने आईपीएल के इतिहास में सबसे लंबा छक्का मारा है। उन्होंने 2008 में डेक्कन चार्जर्स के स्पिनर प्रज्ञान ओझा को 125 मीटर का छक्का लगाया था। 18 साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन यह रिकॉर्ड अभी तक नहीं टूटा है। प्रज्ञान ओझा की गेंद मोर्कल के पैड की तरफ थी। मोर्कल ने उसे मिडविकेट के ऊपर से स्टेडियम के बाहर मार दिया। आज तक यह आईपीएल का सबसे लंबा छक्का है।पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार का नाम सबसे लंबे छक्के मारने वालों की लिस्ट में चौंकाने वाला है। गेल, कोहली और एबी डी विलियर्स जैसे बड़े नामों के बावजूद, बैंगलोर टीम के लिए सबसे लंबा छक्का प्रवीण कुमार ने मारा है। 2008 के सीजन में कुमार ने यूसुफ पठान की गेंद को लॉन्ग-ऑन के ऊपर से मारा। गेंद छत से बाल-बाल बची। उन्होंने 124 मीटर का छक्का मारा।

धर्मशाला के खूबसूरत स्टेडियम में एडम गिलक्रिस्ट ने आरसीबी के खिलाफ एक मैच में चार्ल्स लेंगेवेल्ट की धीमी गेंद को भांप लिया। उन्होंने उसे मिडविकेट के ऊपर से मारा। गेंद मैदान से बाहर चली गई और कहीं दूसरे मैदान में जाकर गिरी।

आईपीएल 2025: सम्मान के लिए भिड़ेंगे सीएसके और राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली ,20 मई (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कब की खत्म हो चुकी हैं। दोनों ही टीमें अब केवल सम्मान के लिए इस मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलने के उतरेगी।

इस मुकाबले में सबसे बड़ा सवाल यही होगा—कौन बच पाएगा इस सीजन की सबसे निचली पायदान यानी वुडन स्पून से

सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के सीजन की कहानी एक जैसी खत्म हुई, लेकिन रास्ते काफी अलग रहे। राजस्थान रॉयल्स ने चार ऐसे मुकाबले गंवाए जो उनकी मुट्ठी में थे, वहीं चेन्नई की टीम अपने गौरवशाली इतिहास की परछाई बनकर रह गई। यह फ्रेंचाइज़ी का शायद अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा है।

जहां टीम के स्तर पर अब कोई बड़ी प्रेरणा नहीं बची है, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज़ से यह मुकाबला कई खिलाड़ियों के लिए अहम साबित हो सकता है। युवा खिलाड़ियों और बाहर बैठे सितारों को खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा, जो इस डेड-रबर मुकाबले को देखने लायक बना सकता है।

पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस ने आसानी से 200 का लक्ष्य हासिल किया था। हालांकि पिच में बदलाव संभव है, लेकिन आमतौर पर यहां आक्रामक बल्लेबाज़ी को मदद मिलती है।

हेड टू हेड की बात करें तो सीएसके का राजस्थान पर अब तक 16-14 का बढ़त है, लेकिन साल 2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ 9 में से 7 मैच जीते हैं।

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन, चेन्नई के स्पिन जोड़ी अश्विन-जडेजा के खिलाफ ज्यादा स्ट्राइक रेट से नहीं खेल पाए हैं। छोटे मैदान के बावजूद यह जोड़ी उन्हें परेशान कर सकती है।

शादी के शुरुआती छह माह कठिन रहे : अनुष्का

हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की पत्नी व बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने कहा है कि शादी के शुरुआती दौर में उन्हें साथ रहने का भी समय नहीं मिला। एक साक्षात्कार में अनुष्का ने कहा कि शादी के पहले छह महीनों में वह दोनो केवल तीन सप्ताह ही साथ रह पाये। अनुष्का ने कहा कि लोगों को ये लगता है कि जब मैं विराट से मिलने जाती हूं या जब वह मुझसे मिलने आते हैं तो यह छुट्टी होती है पर ऐसा नहीं होता। एक व्यक्ति हमेशा काम करता रहता है। वास्तव में, हमारी शादी के पहले छह महीनों में हमने 21 दिन साथ बिताए। इसलिए जब मैं विदेश में उनसे मिलने जाती हूं, तो साथ में एक बार खाना खाने के लिए जाती हूं। यह हमारे लिए बात करने का कीमती समय होता है। साथ ही कहा कि एक-दूसरे के प्रति उनके गहरे प्यार और समझदारी ने उन्हें कठिन दौर से बचाया है। इस जोड़े के दो बच्चे हैं। ये जोड़ा आध्यात्म से भी जुड़ा है। इसी कारण टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले ही दिन विराट परिवार के साथ वृंदावन में स्वामी प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम पहुंचे थे।

रोहित ने भाग्यशाली विजेता को दी लैंबॉर्गिनी कार

नई दिल्ली ,20 मई (एजेंसियां) ।

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी 264 लैंबॉर्गिनी उरुस कार वादे के अनुसार अपने एक प्रशंसक को दी है। रोहित ने आईपीएल 2025 से पहले एक विज्ञापन में अपनी लैंबॉर्गिनी उरुस कार एक भाग्यशाली प्रशंसक को इनाम में देने का वादा किया था। रोहित ने अब विजेता भाग्यशाली प्रशंसक को यही कार उपहार में दी है।

विज्ञापन के दूसरे हिस्से में उदास रोहित अपनी कार विजेता प्रशंसक को सौंपते हैं, जो लैंबॉर्गिनी लेकर चला जाता है और रोहित उसके सुरक्षित घर पहुंचने की कामना करते हैं। विज्ञापन के अंत में रोहित ऑटोरिक्शा में बैठकर ड्राइवर से मीटर के हिसाब से किराया लेकर चलने को कहते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में रोहित कार की चाबी प्रशंसक को सौंपते दिख रहे हैं। लैंबॉर्गिनी उरुस का नंबर प्लेट 264 रोहित के एकदिवसीय क्रिकेट में 264 रनों के सबसे अधिक स्कोर के विश्व रिकार्ड को दिखाता है। रोहित ने साल 2022 में इस कार को 3.10 करोड़ रुपए में खरीदा था। रोहित के लिए ये आईपीएल सत्र शुरुआती झटकों के बाद अच्छा रहा है उन्होंने इसमें 5 पारियों में 3 अर्धशतक लगाये हैं। इस सत्र में 12 मैचों में 7 जीत के साथ मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अभिषेक शर्मा के साथ तीखी बहस के बाद दिग्वेश राठी एक मैच के लिए निलंबित

अभिषेक शर्मा पर भी लगा जुर्माना

नई दिल्ली ,20 मई (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने की वजह से अब उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे दिग्वेश 22 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगा है।

आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

बयान में आगे बताया कि यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत दिग्वेश का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्होंने दो डिमेरिट अंक अर्जित किए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक अर्जित किए थे- 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब इस सत्र में उनके खाते में पांच डिमेरिट अंक हैं, जिसके कारण उन पर एक मैच का निलंबन लगाया गया है।

यह घटना एसआरएच की पारी के आठवें ओवर में घटी, जब अभिषेक शर्मा जबरदस्त फॉर्म में थे और सिर्फ 19 गेंदों में 59 रन ठोक चुके थे। सनराइजर्स का स्कोर 99/1 था और टीम मज़बूती से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी। ऐसे में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने ब्रेकथ्रू के लिए दिग्वेश राठी को गेंद सौंपी और राठी ने उम्मीद के मुताबिक सफलता दिलाई, जब अभिषेक ने एक्स्ट्रा कवर पर कैच थमा दिया। इसके बाद जो हुआ उसने इस अहम पल की गरिमा को बिगाड़ दिया। जैसे ही अभिषेक मैदान छोड़ने लगे, राठी ने उन्हें तीखी नजरों से घूरते हुए आक्रामक अंदाज में नोटबुक सेलिब्रेशन किया। यह देख अभिषेक भड़क गए और राठी की ओर पलट कर बढ़ने लगे। दोनों के बीच कुछ तीखे शब्दों का आदान-प्रदान हुआ, जिसके बाद अंपायर और एलएसजी के खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

अभिषेक पर भी लगा जुर्माना

सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा पर भी उनकी प्रतिक्रिया के लिए जुर्माना लगाया है। बयान में बताया कि सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा पर मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इस सीजन में अनुच्छेद 2.6 के तहत यह उनका पहला लेवल 1 अपराध था और इसलिए,उन्हें एक डिमेरिट अंक मिला है।

कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ जल्द

नई दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। नवरत्न कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी कंपनी का आईपीओ आने वाला है। कोल इंडिया ने कहा है कि बीसीसीएल और सीएमपीडीआई ने लिस्टिंग की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। जल्द ही सेबी के पास ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जल्द ही डीआरएचपी फाइल कर देंगे। बता दें कि डीआरएचपी पब्लिक लिस्टिंग के प्राइमरी डॉक्यूमेंट है। उन्होंने बताया कि आईपीओ के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त कर लिया गया है। कोयला मंत्रालय ने पहले ही बता दिया था कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट की लिस्टिंग होगी। कोल इंडिया के शेयरों का भाव सोमवार को बाजार के बंद होने के समय पर 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 402.90 रुपये पर था।

बीते 3 महीनों के दौरान कोल इंडिया के शेयरों की कीमतों में 11 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 544.70 रुपये है। 52 वीक लो लेवल 349.20 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2.48 लाख करोड़ रुपये का है।

होंडा अमेझ कंपनी फोकस कर रही है नए मॉडल पर

नई दिल्ली। हाल ही में होंडा अमेझ कंपनी ने अमेझ का तीसरा जनरेशन मॉडल लॉन्च किया था, जिसके बाद दूसरी जनरेशन की बिक्री धीरे-धीरे कम होने लगी। होंडा अमेझ कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में लोकप्रिय है, लेकिन इसकी बिक्री मारुति सुजुकी डिजायर से कम रही है। आमतौर पर नया मॉडल आने पर पुरानी कार की बिक्री बंद कर दी जाती है, लेकिन होंडा ने दूसरी जनरेशन की अमेझ को स्टॉक खत्म होने तक बाजार में रखा। अब कंपनी ने आधिकारिक तौर पर दूसरी जनरेशन के वीएक्स ट्रिम को भारतीय बाजार से हटा दिया है। दिसंबर 2023 में लॉन्च हुई तीसरी जनरेशन अमेझ के आने के बाद भी होंडा ने दूसरी जनरेशन की अमेझ के एस और वीएक्स वेरिएंट की बिक्री जारी रखी थी। लेकिन अब बढ़ती मांग को देखते हुए कंपनी ने वीएक्स वेरिएंट की बिक्री बंद कर दी है। फिलहाल दूसरी जनरेशन अमेझ का केवल स वेरिएंट ही उपलब्ध है, जिसे बंद किए जाने की संभावना है, हालांकि इस बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

न्यूज ब्रीफ

केला और मिर्च ने खेती की तस्वीर बदली, इंडिया की इकोनॉमी को भी ताकत दे रहा केला, मिर्च लगा रही तड़का

नई दिल्ली। भारत की कृषि वृद्धि दर में हाल के वर्षों में तेजी देखी जा रही है, जिसमें अब पारंपरिक अनाज की बजाय फल, सब्ज़ियां और मसाले खेती करना किसान पसंद करने लगे हैं। खासतौर पर केला और मिर्च ने खेती की तस्वीर को बदला है। एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 24 में ये दोनों कृषि उत्पाद पिछले एक दशक के मुकाबले सबसे ज़्यादा योगदान देने वाले आइटम्स के रूप में उभरे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ घरेलू उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि भारत के कृषि निर्यात को भी नई दिशा दे रहा है। केला अब सिर्फ एक आम फल नहीं रहा, बल्कि यह भारत के फलों के उत्पादन में सबसे बड़ा हिस्सा लेने वाला उत्पाद बन चुका है। वित्त वर्ष 2023 में केले ने आम को पीछे छोड़ते हुए जीडीपी में सबसे ज़्यादा योगदान देने वाला फल बन गया था। अब वित्त वर्ष 24 में इसका वर्चस्व और बढ़ गया है। केला निर्यात में तो और भी बड़ा उछाल देखा गया है। केले के निर्यात में 391 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वित्त वर्ष 25 के अप्रैल से फरवरी तक के आंकड़े बताते हैं कि इस दौरान केला निर्यात पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 30 फीसदी ऊपर रहा। इस अवधि में भारत के कुल 879 मिलियन डॉलर के फल व्यापार में अकेले केले का हिस्सा 40 फीसदी रहा, जो इसकी आर्थिक उपयोगिता को दर्शाता है।

एयरटेल ने शुरू की नई एआई-पावर्ड फ्रॉड डिटेक्शन सर्विस

नई दिल्ली। एयरटेल ने अपनी नई एआई-पावर्ड फ्रॉड डिटेक्शन सर्विस शुरू की है, जो यूजर्स को इंटरनेट पर मौजूद मलीशियस वेबसाइट्स, ओटीटी ऐप्स, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और मेसेजिंग ऐप्स के जरिए होने वाले स्कैम्स से बचाएगी। यह फ्रॉड डिटेक्शन टूल मल्टी-टियर्ड इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है और रियल-टाइम में नुकसान पहुंचाने वाली वेबसाइट्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक करता है। एयरटेल की इस सर्विस से यूजर्स को फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप, टेलीग्राम, एसएमएस समेत कई प्लेटफॉर्म्स पर होने वाले ऑनलाइन फ्रॉड से सुरक्षा मिलेगी। जब कोई यूजर मलीशियस वेबसाइट एक्सेस करने की कोशिश करेगा, तो यह टूल उस पेज को लोड होने से रोक देगा और यूजर को एक अलग पेज पर रीडायरेक्ट करेगा, जिसमें ब्लॉक करने का कारण बताया जाएगा। एयरटेल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गोपाल विट्ठल ने बताया कि यह एआई-बेस्ड टूल इंटरनेट ट्रैफिक को स्कैन करता है, ग्लोबल डेटाबेस के साथ-साथ कंपनी के अपने रियल-टाइम खतरे वाले डेटाबेस की जांच करता है और फ्रॉड करने वाली वेबसाइट्स को ब्लॉक करता है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्टः सीमेंस व डीआरए ने सस्ती बोली लगाई

नई दिल्ली। भारत की पहली बुलेट ट्रेन यानी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर)प्रोजेक्ट के सिग्नलिंग सिस्टम के लिए सीमेंस और भारतीय कंपनी डीआरए इंफ्रा की ज्वाइंट वेंचर ने सबसे सस्ती बोली लगाई है। इस ज्वाइंट वेंचर ने 4,140 करोड़ की बोली दी है। इस कॉन्ट्रैक्ट के लिए दो कंपनियों ने बोली लगाई थी, जिसमें दूसरी कंपनी फ्रांस की एवस्टाम और भारत की एलएंडटी की ज्वाइंट वेंचर थी। इन्होंने लगभग 12,700 करोड़ की बोली लगाई थी। सरकार और इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार यह बोली अंतर काफी चौंकाने वाला है। बाजार के जानकारों को हैरानी है कि दोनों ही कंपनियां अनुभवी हैं, फिर भी एक की बोली दूसरी से तीन गुना कम कैसे हो सकती है। जनवरी में एनएचएसआरसी ने यह टेंडर निकाला था। इसमें सिग्नलिंग सिस्टम, एवस्टाम और एलएंडटी की ज्वाइंट वेंचर ने 12,700 करोड़ की बोली लगाई टेलीकम्यूनिकेशन सिस्टम और ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का डिज़ाइन, मैन्युफैक्चरिंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और मेंटेनेंस शामिल है। रेल मंत्रालय ने चेन्नई के इंटीग्रल कोच फैक्ट्री को 250 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली दो ट्रेनें बनाने को कहा था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पूरा पाकिस्तान ...

लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी कुन्हा ने कहा कि गोल्डन टेंपल के अधिकारियों ने सेना के साथ सहयोग किया जब उन्हें खतरे के बारे में बताया गया। अधिकारी ने कहा, स्वर्ण मंदिर के अधिकारियों को जब यह बताया गया तो उन्हें एहसास हुआ कि कोई खतरा है। उन्होंने हमें सुरक्षा के लिए बंदूकें तैनात करने की इजाजत दी। स्वर्ण मंदिर की लाइट बंद कर दी गईं ताकि हम ड्रोन को आते हुए साफ तरीके से देख सकें। इससे हमें बहुत ज्यादा मदद मिली। लेफ्टिनेंट जनरल ने ऑपरेशन की कामयाबी पाकिस्तान के ऑपरेशन के बारे में पहले से जानकारी होने के बारे में किसी भी अटकल का जवाब है। उन्होंने कहा कि किसी भी संघर्ष को कामयाब बनाने के लिए आश्चर्य सबसे बड़ा तत्व है। यह सबसे बड़ा तथ्य है कि हमने 100 से ज्यादा आतंकियों को मारा। यह ही अपने आप में बहुत बड़ा जवाब है। बता दें कि सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर पर अपने रुख को दोहराया और कहा, विदेश मंत्री एस जयशंकर की चुप्पी केवल बयानबाजी नहीं, यह निंदनीय है। इसलिए मैं फिर से पूछूंगा कि हमने कितने भारतीय विमान खो दिए। यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है।

कश्मीर ...

चाहते हैं कि इस बार इसकी सुरक्षा में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का सारा जोर अमरनाथ यात्रा को पर्यटन में बदलने का है। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में पर्यटन खत्म हो चुका है और कश्मीरी पर्यटकों की राह ताक रहे हैं। यही कारण है कि जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था और केंद्र शासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए श्रीनगर में एकीकृत कमान की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव, सेना, पुलिस और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में केंद्र शासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति और आगामी वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। यात्रा इस साल तीन जुलाई से शुरू होने वाली है।बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के परिणाम और जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर के बाद उत्पन्न स्थिति पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल ने सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी तंत्र को पूरी तरह से खत्म करने पर जोर दिया। दूसरी ओर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आगामी अमरनाथ यात्रा को एक बड़े मौके के रूप में देख रहे हैं। प्रदेश में पर्यटकों की वापसी के लिए वे बार-बार दोहरा रहे हैं कि श्री अमरनाथ यात्रा के सकुशल संपन्न होने के बाद पर्यटकों का भरोसा फिर लौटेगा। मुख्यमंत्री का ये भी कहना है कि यात्रा के समाप्त होने के बाद ही पर्यटन उद्योग को मजबूती देने के प्रयास शुरू किए जाएंगे।

बायसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से कश्मीर का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ। रही सही कसर पाकिस्तान की गोलाबारी ने पूरी कर दी। एक पूरा का पूरा सीजन खराब हो गया। सात मई से 12 मई तक उड़ानें बंद रहीं। सीजफायर के बाद उड़ानें शुरू हुईं, तो पर्यटक आने शुरू हुए। इनमें अधिकतर ऐसे पर्यटक हैं, जिनकी पहले से बुकिंग थी। इससे हालात सामान्य होने लगे, मगर होटल कारोबारियों के अनुसार नई बुकिंग फिलहाल नहीं हो रही है। ऐसे में अब अमरनाथ यात्रा पर सबकी नजर है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में तनाव के माहौल में अधिकारियों की चिंता अमरनाथ यात्रा को लेकर बढ़ने लगी है। यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि सीमा पार से मिले संदेश भी कहते हैं कि पाकिस्तान की कोशिश इस बार अमरनाथ यात्रा में जबरदस्त खलल डालने की होगी। इस चिंता का सबसे बड़ा कारण पहलगाम नरसंहार दक्षिण कश्मीर में हुआ है और दक्षिण कश्मीर में ही अमरनाथ यात्रा होती है। आतंकी खतरे की बात ऐसे समय में आई है जबकि प्रशासन अमरनाथ यात्रा की तैयारियों में जुटी हुई है। अभी तक प्रदेश में शांति के लौटने के दावे करने वाला प्रशासन अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के प्रति बेफिक्र था लेकिन अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े हुए खतरे ने उसके पांव तले से जमीन खिसकानी आरंभ की है।नतीजतन केंद्रीय गृहमंत्रालय को भी प्रदेश प्रशासन की मदद को आगे आना पड़ा है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के कई अधिकारियों ने प्रदेश में डेरा डालना आरंभ किया है। उनके द्वारा कई सूचनाओं को कश्मीर पुलिस के साथ सांझा करने के बाद कश्मीर पुलिस ने यात्रियों की सुरक्षा की खातिर थ्री टियर सुरक्षा व्यवस्था पर मंथन शुरू किया है। खुफिया सूचनाएं चेतावनी दे रही हैं कि आतंकी बेस कैम्पों पर हमलों की योजनाओं को अंजाम दे सकते हैं जिनको रोकने की खातिर जम्मू स्थित बेस कैम्प की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले करने की तैयारी की जा रही है तथा भगवती नगर स्थित बेस कैम्प के साथ सटे निक्की तवी के एरिया में तलाशी अभियानों के लिए सेना की मदद ली जाएगी क्योंकि कई बार इस इलाके से हथियार और गोला बारूद बरामद किया जा चुका है। यह इलाका घुसपैठियों का खास रहा है।

बायसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से कश्मीर का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ। रही सही कसर पाकिस्तान की गोलाबारी ने पूरी कर दी। एक पूरा का पूरा सीजन खराब हो गया। सात मई से 12 मई तक उड़ानें बंद रहीं। संघर्ष विराम के बाद उड़ानें शुरू हुईं, तो पर्यटक आने शुरू हुए। इनमें अधिकतर ऐसे पर्यटक हैं, जिनकी पहले से बुकिंग थी। इससे हालात सामान्य होने लगे, मगर होटल कारोबारियों के अनुसार नई बुकिंग फिलहाल नहीं हो रही है। इस हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी थी। जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके दो हफ्ते बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस सैन्य अभियान के तहत सौ से अधिक आतंकियों को मौत के घाट उतारा गया। इसके अलावा, आतंकियों को पनाह दे रही पाकिस्तानी सेना के नौ एयरबेस को भी ध्वस्त किया गया।

सीमा पर...

एसएसबी ने नक्सल और आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में 426 उग्रवादियों को आत्मसमर्पण या गिरफ्तारी के लिए बाध्य किया और 27 उग्रवादियों को मुठभेड़ों में ढेर किया। प्रसाद ने बताया कि एसएसबी द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें चिकित्सा शिविर, पशु चिकित्सा सेवा, कौशल विकास कार्यक्रम और महिला सशक्तिकरण प्रयास शामिल हैं। बैठक में इसके अलावा बल के कर्मियों के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए एंटी ओबेसिटी ड्राइव और श्री अन्न के उपयोग को प्रोत्साहन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। आवासीय सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार के तहत वर्ष 2020-21 में 20.40 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2024-25 में 31.95 प्रतिशत आवास संतुष्टि दर्ज की गई है।

दूसरी तरफ, पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस साल अब तक सीमा पार से घुसपैठ कर रहे सौ ड्रोन पकड़े हैं। साथ ही बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। बीएसएफ ने बताया कि इस वर्ष 18 मई को बल ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले 100वें पाकिस्तानी ड्रोन को बरामद किया है। इस वर्ष अभी तक 111 किलोग्राम हेरोइन, 60 हथियार, 14 हथगोले और 10 किलोग्राम से अधिक उच्च विस्फोटक बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि तीन पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है, जबकि 66 भारतीय तस्करों और तीन पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा गया है।

बीएसएफ के अनुसार ड्रोन का खतरा एक बड़ी चुनौती थी। बीएसएफ की त्वरित और रणनीतिक कार्रवाइयों के माध्यम से प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। प्रत्येक ड्रोन घुसपैठ को सावधानीपूर्वक ट्रैक किया जा रहा है, रोका जा रहा है और बरामद किया जा रहा है। अथक समर्पण और परिचालन उत्कृष्टता के साथ, बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर देश की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और यह सुनिश्चित करता रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने के किसी भी प्रयास को तुरंत विफल कर दिया जाए।

इंटेलिजेंस ब्यूरो...

एक और वर्ष के लिए आईबी निदेशक पद पर बनाए रखने की मंजूरी दी है।

यह विस्तार सेवा नियमों के तहत निर्धारित सेवानिवृत्ति आयु (60 वर्ष) से परे सार्वजनिक हित में प्रदान किया गया है। आदेश में कहा गया है कि यह विस्तार एफआर 56 (डी) और अखिल भारतीय सेवाएं (मृत्यु सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 के नियम 16 (1ए) में छूट देकर दिया गया है।

62 वर्षीय डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। उन्हें जून 2022 में पहली बार दो वर्षों के लिए आईबी प्रमुख नियुक्त किया गया था। इसके बाद जून 2023 में उनका कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ाया गया था। तपन डेका को सत्ता और खुफिया हलकों में संकटमोचक के रूप में जाना जाता है। वे विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में खुफिया अभियानों के माहिर माने जाते हैं। डेका ने आईबी की ऑपरेशंस विंग का दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया और 2008 के 26/11 मुंबई हमलों के दौरान जवाबी कार्रवाई की जिम्मेदारी भी निभाई। इस्लामिक कट्टरपंथ और आतंकवाद से जुड़े मामलों में भी उनकी गहरी समझ है। वे 2000 के दशक में देशभर में विस्फोटों को अंजाम देने वाले आतंकवादी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के खिलाफ अभियानों का नेतृत्व कर चुके हैं।

2019 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू होने के बाद असम में भड़की हिंसा के दौरान भी डेका को वहां की स्थिति संभालने के लिए तैनात किया गया था। जम्मू-कश्मीर से संबंधित मामलों में सरकार की ओर से डेका को भरोसेमंद अधिकारी माना जाता है क्योंकि उन्हें पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से निपटने का लंबा अनुभव है।

ऑपरेशन सिंदूर ...

नीति की सराहना हो रही है।

उन्होंने रक्षा मंत्री से मांग की कि ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए सैनिकों और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी हमले में मारे गए आम नागरिकों के परिजनों को विशेष आर्थिक सहायता दी जाए। मुफ्ती कासमी ने जानकारी दी कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड अपने नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल करने पर विचार कर रहा है। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि मदरसों में पढ़ने वाले छात्र भी देश की सैन्य उपलब्धियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें।

पूरी हो ...

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के पहले ग्रुप में सात सांसद भाजपा सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जाएंगे। इस ग्रुप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, एस फांगनोन कोन्याक, रेखा शर्मा, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन औवैसी, सतनाम सिंह संधू और गुलाम नबी आजाद हैं। उनके साथ राजनयिक हर्षवर्धन शृंगला भी जाएंगे।सांसदों का दूसरा समूह भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में यूके, फ्रांस, जर्मनी, यूरोप, इटली और डेनमार्क जाएगा। इसमें भाजपा सांसद डी पुरंदेश्वरी, शिवसेना यूबीटी की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, मनोनीत सांसद गुलाम अली खटाना, कांग्रेस सांसद डॉ. अमर सिंह, भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य और एमजे अकबर होंगे। उनके साथ राजनयिक पंकज सरन होंगे।सांसदों का तीसरा समूह जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में इंडोनेशिया, मलयेशिया, कोरिया गणराज्य, जापान और सिंगापुर जाएगा। इसमें भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, एआईटीसी सांसद युसूफ पठान, भाजपा सांसद बृजलाल, सीपीआई एम सांसद डॉ. जॉन ब्रिटास, भाजपा सांसद प्रदान बरुआ, हेमांग जोशी व कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद शामिल हैं। इस ग्रुप में राजनयिक मोहन कुमार होंगे।सांसदों का चौथा समूह शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, कांगो गणराज्य, सिएरा लियोन जाएगा। इसमें समूह में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, आईयूएमएल के सांसद ईटी मोहम्मद बशीर, भाजपा सांसद अतुल गर्ग, बीजद सांसद सस्मित पात्रा, भाजपा सांसद मनन मिश्रा और पूर्व सांसद एसएस अहलूवालिया शामिल हैं। इस समूह में राजनयिक सुजन चिनॉय भी होंगे।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में सांसदों का एक दल अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। इसमें लोजपा सांसद शाम्भवी, जेएमएम सांसद डॉ. सरफराज अहमद, टीडीपी सांसद जीएम हरीश बालयोगी, भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, भुवनेश्वर कालिता, शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या शामिल होंगे। इस समूह में राजनयिक तरनजीत सिंह संधू होंगे।

सांसदों का छठवां ग्रुप डीएमके सांसद के कनिमोझी के नेतृत्व में स्पेन, ग्रीस, स्लोवेनिया, लातविया और रूस जाएगा। इस समूह में सपा सांसद राजीव राय, एनसी सांसद मियां अल्ताफ अहमद, भाजपा सांसद कैप्टन ब्रजेश चौटा, आरजेडी सांसद प्रेमचंद्र गुप्ता, आप सांसद अशोक कुमार मित्तल का नाम शामिल है। इस ग्रुप में राजनयिक मंजीव एस पुरी और जावेद अशरफ होंगे।सांसदों का सातवां ग्रुप एनसीपी शरद की सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में मिस्र, कतर, इथियोपिया, दक्षिण अफ्रीका जाएगा। इस ग्रुप में भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूड़ी, आप सांसद विक्रमजीत सिंह, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, टीडीपी सांसद लवू श्रीकृष्णा देवारायालू, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन होंगे। इस समूह में राजनयिक सैयद अकबरुद्दीन भी शामिल होंगे।

उद्धव ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दिया समर्थन

मुंबई, 20 मई (एजेंसियां)।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि पार्टी राष्ट्रीय हित में भारत की वैश्विक आतंकवाद विरोधी पहल का समर्थन करेगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा की गई बात के बाद उद्धव ठाकरे के रुख में बदलाव आया है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि केंद्र सरकार को इन प्रतिनिधिमंडलों के बारे में राजनीतिक दलों को पूर्व सूचना देकर अव्यवस्था और कुप्रबंधन से बचना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) ने बताया कि हमने सरकार को भरोसा दिया है कि हम देशहित में जो जरूरी और सही होगा, वह इन प्रतिनिधिमंडलों के जरिए करेंगे। पार्टी ने जानकारी दी कि राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी इन प्रतिनिधिमंडलों में देशभर के अन्य सांसदों के साथ हिस्सा लेंगी।

कोर्ट ने ...

तरह सुनवाई को सीमित रखा जाए। तुषार मेहता ने कहा कि अदालत ने तीन मुद्दों की पहचान की थी। हमने उन तीन मुद्दों पर अपना जवाब दे दिया है। अब याचिकाकर्ता लिखित सबमिशन में कई अन्य मुद्दों को उठा रहे हैं। मैंने तीन मुद्दों पर हलफनामा दाखिल कर दिया है। मेरी अपील है कि मामले की सुनवाई को इन्हीं तीन मुद्दों तक सीमित रखा जाए। हालांकि याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वकीलों कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने सॉलिसिटर जनरल के इस सबमिशन का विरोध किया। इससे पहले 17 अप्रैल को हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सुनिश्चित किया था कि वे किसी भी वक्फ सम्पत्ति को डी-नोटिफाई नहीं करेंगे, इनमें वक्फ बाय यूजर भी शामिल है। साथ ही वक्फ बोर्डों में नई नियुक्ति पर भी कोई नई नियुक्ति न करने की बात कही थी।

गुजरात का...

इसके तहत 8000 अवैध घर ध्वस्त होंगे।

अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त जीएस मलिक ने इस कार्रवाई को लेकर बताया कि चंडोला तालाब काफी समय से बांग्लादेशियों के अवैध रूप से बसने का अड्डा बन चुका है। 2025 में अहमदाबाद से 250 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए थे, जिनमें से 207 केवल चंडोला क्षेत्र से थे। चंडोला से हर वर्ष लगभग 10 से 40 बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े जाते हैं। मलिक ने बताया कि दूसरे चरण की कार्रवाई के लिए एक संयुक्त आयुक्त, एक अतिरिक्त आयुक्त, 6 डीसीपी और पीआई समेत कुल लगभग 3000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस के साथ साथ 25 एसआरपीएफ कंपनियां भी लगाई गई हैं। साथ ही पूरे एक्शन पर नजर बनाए रखने के लिए ड्रोन का उपयोग भी किया जा रहा है। अनुमान लगाया जा रहा है कि ये बुलडोजर एक्शन लगभग तीन-चार दिन तक चलेगा। ऐसे में पुलिस और प्रशासन पूरी तैयारी करके वहां पर तैनात है। हालांकि अगर समय बढ़ता है तो भी पुलिस पूरी तरह तैयार है।

गौरतलब है कि चंडोला ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से शुरू की है। हालांकि इसे रोकने के लिए कई घुसपैठियों के समर्थक हाईकोर्ट तक पहुंच गए थे, लेकिन हाईकोर्ट ने इस कार्रवाई को रोकने से मना कर दिया। इससे पहले हजारों की संख्या में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया था।

ओड़ीशा में भी ...

उन्होंने आगे कहा कि इंजीनियरिंग एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी अवैध नागरिक को काम पर न रखें। सभी एजेंसियों को अपने-अपने यहां काम कर रहे लोगों की विस्तृत जानकारी सौंपनी होगी। इस अभियान की अगुवाई ओड़ीशा क्राइम ब्रांच की स्पेशल टास्क फोर्स करेगी, जो जिला प्रशासन, तटीय सुरक्षा बलों और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगी। विशेष रूप से बालेश्वर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी और गंजाम जैसे तटीय जिलों को चिन्हित किया गया है, जहां हाल के वर्षों में अवैध बांग्लादेशी बस्तियों में वृद्धि देखी गई है।जिलाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक इकाइयों को एसटीएफ के साथ पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें आवश्यक मानव संसाधन और लॉजिस्टिक सहायता शामिल है, ताकि पहचान और निष्कासन की प्रक्रिया समयबद्ध रूप से पूरी हो सके।

एसटीएफ के डीआईजी पिनाक मिश्रा ने बताया कि अभियान की तैयारी जोरों पर है। उन्होंने कहा कि ओड़ीशा की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, जो पश्चिम बंगाल से सटी हुई है और पश्चिम बंगाल की सीमा सीधे बांग्लादेश से लगती है, अवैध घुसपैठ की संभावना बनी रहती है, चाहे वह जल मार्ग से हो या सड़क मार्ग से। इसी वजह से सभी प्रवेश बिंदुओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।सरकारी अधिकारियों ने यह भी कहा कि अवैध घुसपैठियों की उपस्थिति न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे सामाजिक सौहार्द भी प्रभावित हो सकता है और आंतरिक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। यह कार्रवाई देश के अन्य हिस्सों में अवैध विदेशी नागरिकों को लेकर बढ़ती चिंता के बीच ओड़ीशा सरकार की ओर से एक स्पष्ट और सख्त संदेश है कि राज्य को अवैध प्रवासियों की सुरक्षित शरणस्थली नहीं बनने दिया जाएगा।

आज मालव्य राजयोग से मकर सहित पांच राशियों का चमकेगा भाग्य!

आज है ज्येष्ठ कृष्ण मास की नवमी तिथि। ऐसे में आज दिन के ग्रह स्वामी बुध रहेंगे, जबकि बुधवार 21 मई का दिन तिथि अनुसार माता दुर्गा को समर्पित होगा और ग्रह नक्षत्रों की बात करें तो आज बुधवार के दिन बुध मेष राशि में गोचर करते हुए कृतिका नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। और आज के दिन चंद्रमा का गोचर दिन रात कुंभ राशि में होगा और इस गोचर में चंद्रमा सूर्य के साथ केंद्र योग बनाएंगे। जबकि चंद्रमा से द्वितीय भाव में शुक्र मीन राशि में गोचर करते हुए मालव्य राजयोग बना रहे हैं। और तो और आज के दिन शतभिषा नक्षत्र का भी संयोग बना है। ऐसे में आज का दिन मकर सहित 5 राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। आज मां दुर्गा की कृपा से इन राशियों के बिगड़े हुए काम बनेंगे और इनकी किस्मत पलटी मारेगी और बनेंगी आज की लकी राशियां।

आज यानी 21 मई दिन बुधवार है। आज चंद्रमा का गोचर दिन रात कुंभ राशि में होगा और आज चंद्रमा से दूसरे भाव में शुक्र का संचार मीन राशि में होगा जिससे मालव्य राजयोग का संयोग बनेगा। इसके साथ ही आज चंद्रमा सूर्य के साथ केंद्र योग भी बनाएंगे। और आज के दिन के स्वामी ग्रह बुध मेष राशि में विचरण करते हुए कृतिका नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यही नहीं आज बुधवार को शतभिषा नक्षत्र का उत्तम संयोग भी बन रहा है। जिससे आज का दिन और भी शुभ होने वाला है। इसके साथ ही वैदिक ज्योतिष के अनुसार आज ज्येष्ठ कृष्ण नवमी तिथि का संयोग बन रहा है और यह तिथि मां दुर्गा को समर्पित होती है। ऐसे में मालव्य राजयोग और मां दुर्गा की कृपा से मेष और मकर सहित 5 राशियों की किस्मत आज पलटी मारेगी। इन्हें धन लाभ के शानदार मौके मिलेंगे और इनकी आय में इजाफा होगा। इसके साथ ही आज इन परिवार में भी सुख शांति बनी रहेगी। ऐसे में आइये जानते हैं आज 21 मई बुधवार का दिन इन राशियों को किन-किन मामलों में भाग्यशाली बनाएगा और साथ ही जानिए आज बुधवार के उपाय भी।

मेष राशि –आज बुधवार को मेष राशि के जातकों की आय में जबरदस्त इजाफा होने वाला है। मां दुर्गा की असीम कृपा रहेगी जिससे कारोबार में आपकी खूब कमाई होगी। आज आप कोई अच्छी डील हासिल कर सकते हैं जिससे आपको बेहतरीन मुनाफा कमाने का अवसर प्राप्त होगा। इसके साथ ही आज आपके संचित धन में भी बढ़ोतरी के आसार हैं। मन में दबी हुई कोई पुरानी इच्छा आज न सिर्फ हिलोरे मार सकती है बल्कि उसके पूरे होने के भी आसार हैं। इससे आप खुशी से झूम उठेंगे। सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों के मान सम्मान में इजाफा होगा। करीबी दोस्तों की मदद से आपके कार्य पूरे होंगे और धन लाभ के नए मौके भी मिलेंगे। परिवार में आज बड़े भाई बहनों का सहयोग मिलने से आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। घर में सुख सुविधाओं के बढ़ने से बच्चे खुश होंगे।

उपाय : आज मां काली के मंत्र ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै का 108 बार जप करें और माता को लाल चुनरी और नारियल चढ़ाएं। इससे आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के जीवन में आज बुधवार का दिन सफलता की बयार लेकर आएगा। आपके लंबे समय से अटके हुए काम संपन्न होंगे। कारोबार में आप लक्ष्य प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करेंगे, और इसकी वजह से आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। आज सरकारी कार्यों से जुड़े जातकों को लाभ के मौके हासिल हो सकते हैं। इसके साथ ही शासन और प्रशासन से जुड़े लोगों से आपके संपर्क सधेंगे जो आपको भविष्य में लाभ दिला सकेंगे। राजनीतिक और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों के

लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको पद प्रतिष्ठा का लाभ हो सकता है। इसके साथ ही कार्यक्षेत्र में आप उपलब्धि हासिल कर सकते हैं जिससे आपकी हर ओर सराहना होगी। परिवार में सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा और लव लाइफ के लिहाज से भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

उपाय : आज सुबह स्नान आदि के बाद मंदिर में मां दुर्गा के नाम की ज्योत जलाएं और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इससे मां दुर्गा आपके भय और कष्टों को दूर करेंगी।

तुला राशि – तुला राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन नई संभावनाएं लेकर आएगा। आज आपको पूर्व में किए गए प्रयासों का फायदा मिलेगा। इसके साथ ही पूर्व में किया गया निवेश आज आपको बंपर लाभ दिला सकता है। इससे मन में खुशी के लड्डू फूटेंगे। इसके साथ ही आज कार्यक्षेत्र में आपको क्रिएटिव सोच का फायदा मिलेगा। आप अपनी बुद्धिमत्ता से अटके हुए कार्यों को पूरा करेंगे जिससे आपको वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना प्राप्त होगी। इसके साथ ही आज कारोबार में भी आप अपनी सूझबूझ के दम पर प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ने में कामयाब रहेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। शिक्षा में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी और पढ़ाई में मन लगेगा। परिवार में आज माहौल अनुकूल रहने वाला है। बच्चों की तरफ से कोई खुशखबरी मिल सकती है जिससे आपका सीना गर्व से चौड़ा हो जाएगा। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

उपाय : आज मां दुर्गा को शहद मिलाकर दूध चढ़ाएं और पूजन के बाद इसे ग्रहण करें। साथ ही घर में रखीं कॉपी–किताब आजम का पूजन करें।

मकर राशि –आज बुधवार का दिन मकर राशि के जातकों के लिए बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको कारोबार में मनचाहा लाभ मिलने के आसार हैं जिससे आपके संचित धन में बढ़ोतरी होगी। आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। इसके साथ ही कारोबार में वाक्पटुता और बुद्धिमत्ता से आप क्लाइंट को प्रभावित करने में कामयाब रहेंगे। इसके दम पर आप मुनाफे का सौदा हासिल कर सकेंगे। आज बैंकिंग, अकाउंटिंग, वित्तीय सेवाएं और संपत्ति प्रबंधन आदि के कार्यों से जुड़े जातकों को विशेष रूप से सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही आज दीर्घकालिक निवेश करने जा रहे हैं तो यह आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। फैमिली बिजनेस करने वालों के लिए आज का दिन अतिरिक्त लाभ दिलाने वाला रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।

उपाय : आज 108 बार ऊं ह्रीं दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप करें और मां दुर्गा को खीर का भोग लगाएं। इससे आप पर मां की विशेष कृपा होगी।

मीन राशि – मीन राशि वालों के लिए आज बुधवार का दिन मां दुर्गा की कृपा से विदेश से लाभ दिलाने वाला रहेगा। अगर विदेश आदि जाने का प्रयास कर रहे हैं तो आज आपको आज उम्मीद की किरण मिल सकती है। इसके साथ ही आज विदेश यात्रा का भी योग बन सकता है। मेडिआज स्टोर, लैब, अस्पताल, विदेशी संस्थाओं और धार्मिक संस्थाओं के कार्यों से जुड़े जातकों को आज अतिरिक्त लाभ हो सकता है। इसके साथ ही कोर्ट कचहरी के मामलों में भी आज राहत मिलने के आसार हैं। आज आपका मन धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में अधिक लगेगा। इसके साथ ही आज आप दान पुण्य भी कर सकते हैं। परिवार में आज धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। इसके साथ ही आज आपका जीवनसाथी आपके कहे बिना ही आपकी बातों को समझ जाएगा। उसके सहयोग से आपको संबल मिलेगा। और मानसिक शांति का अनुभव होगा।

उपाय : आज मां दुर्गा का विधि विधान से पूजन करें और उन्हें गुड़हल का फूल चढ़ाएं। इसके साथ ही आज कन्याओं को दान करें। इससे आपके बिगड़े हुए काम बनेंगे।

शाम के समय घर के दरवाजे पर दीपक जलाने से जुड़ीं ये पांच गलतियां ना करें

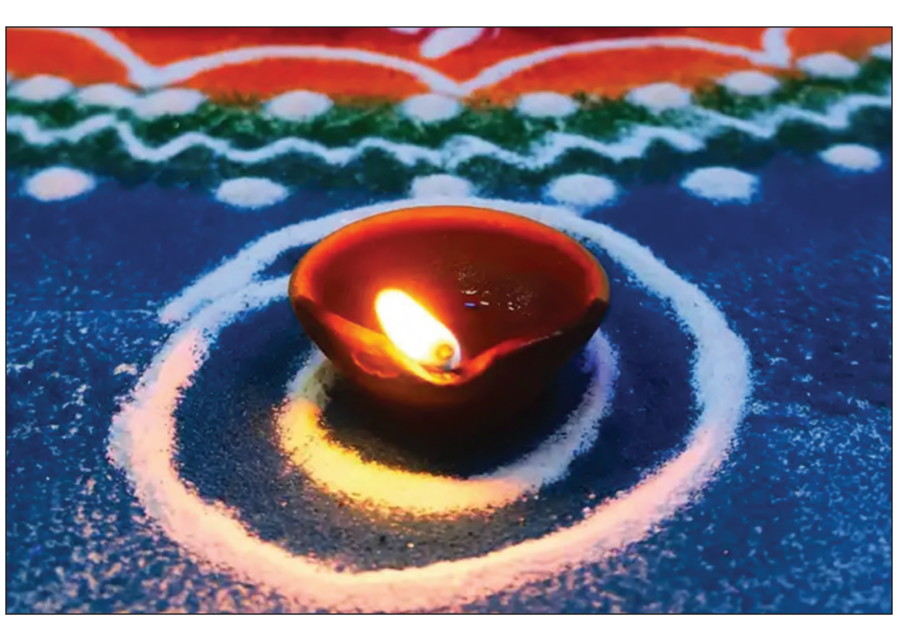

शाम के समय दरवाजे पर दीपक जलाने के कई फायदे हैं। शाम को दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। आप अगर जीवन में किसी भी तरह की नकारात्मकता या आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो आपको शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीपक जरूर जलाना चाहिए लेकिन दीपक जलाते समय आपको कुछ गलतियों से बचना चाहिए।

दिन ढलने से पहले दीपक जलाने की गलती

कई लोग हमेशा जल्दबाजी में रहते हैं। जल्दबाजी या अन्य किसी वजह से वे दीपक तभी जलाने लगते हैं, तब सूरज पूरी तरह ढला भी नहीं होता और हल्की-हल्की पीली रोशनी जमीन पर पड़ रही होती है। ऐसे में दीपक अंधेरे में प्रकाश करने के लिए जलाया जाता है लेकिन आप सूर्यदेव की रोशनी में ही दीपक जला देते हैं, तो इसका कोई लाभ नहीं है। दीपक हमेशा प्रदोष काल शुरू होने पर ही जलाना चाहिए।

मुख्य द्वार पर किसी भी दिशा में दीपक जलाने की गलती

कई लोग दीपक घर के मुख्य दरवाजे पर कहीं भी दीपक रख देते हैं। ऐसा करने से आपको देवी लक्ष्मी की कृपा नहीं मिल पाएगी क्योंकि दीपक जलाने समय देवी लक्ष्मी की स्तुति करके ही दीया जलाना चाहिए। दीपक मुख्य द्वार के बाईं ओर रखना चाहिए। इसके अलावा मुख्य द्वार के पूर्व या उत्तर दिशा में ही दीपक रखना चाहिए।

आटे का दीया या फिर अन्य फैंसी दीया जलाने की गलती

कुछ लोग मार्केट में मिलने वाले फैंसी दीए या फिर आटे का दीया जलाते हैं लेकिन इसे सही नहीं माना जाता। आटे का दीपक बाहर जलाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि आटा अन्न है। बाहर धूल-मिट्टी उड़ती है। वहीं, पशु, कीट-पतंगे भी आपका दीया खराब कर सकते हैं इसलिए मिट्टी का दीपक न जलाएं। मिट्टी का दीया सबसे शुद्ध और स्वच्छ माना जाता है इसलिए कोशिश करें कि शाम के समय घर के मुख्य दरवाजे पर मिट्टी का दीया ही जलाएं। इसके अलावा आप पीतल का दीया भी जला सकते हैं लेकिन याद रखें कि रोजाना पीतल के दीए को धोकर और अच्छी तरह से साफ करके ही जलाना चाहिए।

दक्षिण दिशा में दीपक जलाने की गलती

आप अगर शाम के समय देवी लक्ष्मी और घर की सुख-समृद्धि के लिए दीया जलाना चाहते हैं, तो आपको यह याद रखना चाहिए कि आप भूलकर भी दक्षिण दिशा में दीक रखने की गलती न कर बैठे। दक्षिण दिशा पितरों और यमराज की मानी जाती है इसलिए दक्षिण दिशा में दीपक रखने की गलती न करें।

दीपक जलाते ही दीपक को पीठ दिखाकर दरवाजा बंद करने की गलती

कई लोग दीपक जलाने के बाद जल्दी से दरवाजा बंद कर लेते हैं लेकिन आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। शाम का दीपक माता लक्ष्मी और सकारात्मक ऊर्जा के लिए जलाया जाता है। ऐसे में अगर दीपक जलाने के बाद दीपक को हाथ जोड़कर प्रणाम करें और फिर कम से कम आधे घंटे तक दरवाजा बंद न करें। तुरंत दरवाजा बंद कर लेने से सकारात्मक ऊर्जा बाधित होती है।

गर्मियों में लड्डू गोपाल की सेवा कैसे करें? जानें शास्त्रों के नियम

लड्डू गोपाल की सेवा करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। जो लोग लड्डू गोपाल की सेवा करते हैं वह उन्हें अपने बच्चे की तरफ की रखते हैं। उन्हें तीन समय का भोजन करना स्नान कराना श्रृंगार करना आदि। शास्त्रों में कहा गया है कि जो भी व्यक्ति लड्डू गोपाल की पूजा अर्चना करता है उसे मौसम और वातावरण के हिसाब से उनकी सेवा करनी चाहिए। अब बढ़ती गर्मी के साथ ही आपको उनकी सेवा में भी कुछ बदलाव करना होगा। ज्येष्ठ मास का आरंभ होने के साथ ही आने वाले दिनों में गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। आने वाले दिनों में लगातार तापमान बढ़ने के साथ साथ आपको लड्डू गोपाल की सेवा में कुछ बदलाव करने होंगे।

गर्मियों में लड्डू गोपाल के स्नान और वस्त्र

गर्मियों में रोजाना सुबह लड्डू गोपाल को सूर्योदय से पहले जगा दें। इसके बाद उन्हें स्नान कराने के लिए ठंडे जल में गुलाब जल, चंदन, केवड़ा जल मिला लें। ध्यान रखें की बहुत ज्यादा ठंडा जल न लें। स्नान के बाद सूती और हल्के रंग के वस्त्र पहनाएं जैसे – सफेद, हल्का पीला, आसमानी या हरा। वस्त्रों को थोड़ा गुलाब जल में भिगोकर भी पहनाया जा सकता है ताकि ठंडक बनी रहे।

गर्मियों में करें लड्डू गोपाल को लगाएं चंदन

लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद उनके हाथ, पैर, पर चंदन से लेप करें विशेष रूप से मस्तक पर। बता दें कि चंदन शरीर को शीतलता प्रदान करता है और यह भगवान को बहुत प्रिय होता है।

गर्मियों में लड्डू गोपाल का श्रृंगार कैसे करें

गर्मियों में लड्डू गोपाल के श्रृंगार के लिए भारी आभूषणों की बजाय हल्के और शीतल धातु जैसे चांदी के गहनों का प्रयोग करें। मस्तक पर मोती या चांदी का मुकुट रखें। माथे पर चंदन और कुंकुम का तिलक लगाएं।

गर्मियों में लड्डू गोपाल को किस चीज को भोग लगाएं

गर्मियों में लड्डू गोपाल का भोग प्रसाद भी मौसम के हिसाब से थोड़ा हल्का ही होना चाहिए। इस मौसम में ठंडक देने वाले भोग अर्पित करें जैसे मिश्री-पानी, पुदीना शरबत, बेल का शरबत खीरा, तरबूज, खरबूजा, दूध में भीगी तुलसी के साथ मिश्री ठंडी खीर या रबड़ी। लड्डू गोपाल को अधिक तैलीय भोज्य पदार्थों का सेवन न कराएं।

गर्मियों में रखें इन बातों को खास ख्याल

लड्डू गोपाल के मंदिर या आसन को साफ और शीतल रखें। पंखा, कूलर, या मिट्टी के जलपात्र से उनके पास भरकर रखें दो ताकि उन्हें शीतलता मिलती रहे। मंदिर में गुलाब, चमेली, मोगरा जैसे शीतल और सुगंधित फूल चढ़ाएं। गर्मियों में समय-समय पर लड्डू गोपाल के चरणों को गुलाब जल या ठंडे जल से पोंछें। शीतलता देने के लिए रेशमी या सूती कपड़े से पंखा झलें। शास्त्रों के अनुसार, गर्मियों में लड्डू गोपाल की सेवा अधिक शांति और स्नेह से सेवा करना लाभकारी होता है।

ज्येष्ठ माह में इनमें से कोई एक चीज करें दान जीवनभर धन-दौलत की नहीं होगी कमी

वैशाख के बाद ज्येष्ठ माह की शुरुआत हो जाती है, जिसे हिंदू पंचांग का तीसरा महीना भी कहा जाता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, यह 13 मई से शुरू हो चुका है। ज्येष्ठ के महीने में बहुत भीषण गर्मी पड़ती है। ऐसे में शास्त्रों में बताया गया है कि इस दौरान व्रत और दान करने का खास महत्व होता है। मान्यताओं और शास्त्रों के अनुसार, ज्येष्ठ माह के दौरान गलती से भी जल व्यर्थ नहीं करना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। इस महीने में जल से जुड़े दो त्योहार गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी भी आती है। शास्त्रों में बताया गया है कि अगर ज्येष्ठ माह के दौरान व्यक्ति कुछ खास चीजों का दान करे, तो इससे उसके जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, जीवनभर दान का लाभ प्राप्त होता है।

ज्येष्ठ माह में जल का दान करने से पुण्य होगा प्राप्त

ज्येष्ठ के महीने में जरूरतमंद और प्यासे को जल पिलाने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस माह के दौरान जल दान करने का खास महत्व होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि अगर ज्येष्ठ माह में जल का दान किया जाए, तो इससे व्यक्ति के पुण्य प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। भीषण गर्मी के दौरान किसी प्यासे को जल पिलाने से सूर्य देवता भी प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा जातक पर बनी रहती है। ऐसे में व्यक्ति के जीवन में सकारात्मकता आती है।

ज्येष्ठ माह में ये फल दान करने से जीवनभर मिलेगा लाभ

ऐसा माना जाता है कि ज्येष्ठ माह में गरीबों और जरूरतमंदों को मौसमी फल

जैसे- ककड़ी, खीरा, तरबूज और खरबूज आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति तो जीवनभर किसी भी चीज की कमी नहीं होती है और घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है। इन चीजों का दान करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से आपको जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है। शास्त्रों में बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति ज्येष्ठ माह में ककड़ी, खीरा, तरबूज आदि का दान करता है तो इससे मृत्यु के बाद यम मार्ग में मिलने वाले कष्टों से उसे छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

ज्येष्ठ माह में इस एक चीज का दान करने से विष्णुजी होंगे प्रसन्न

शास्त्रों और धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, ज्येष्ठ के महीने में तिल का दान करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इसका दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा जातक पर सदैव बनी रहती है। अगर आपके जरूरी कार्यों में बार-बार कोई रुकावट आ जाती है तो ज्येष्ठ माह में तिल का दान जरूर करें। ऐसा करने से कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं और सफलता प्राप्त होने लगती है। ऐसी मान्यता है कि इस महीने में तिल का दान करने से जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं और अकाल मृत्यु की बाधा से भी मुक्ति मिल सकती है। ऐसे में ज्येष्ठ माह में तिल का दान जरूर करना चाहिए।

इस महीने में गर्मी बहुत ज्यादा पड़ती है। ऐसे में पंखा और कूलर जैसी चीजें लोगों को गर्मी से राहत दिलाती है। यही कारण है कि ज्येष्ठ माह में जरूरतमंद लोगों को पंखा और कूलर दान करना बहुत फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से सामने वाले व्यक्ति को गर्मी से थोड़ी राहत मिलती है, जिसका पुण्य फल दान करने वाले व्यक्ति को प्राप्त होता है। अगर आप ज्येष्ठ माह में अपने बजट के अनुसार किसी जरूरतमंद को पंखा या कूलर दान करते हैं तो इससे जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, परिवार के सदस्यों की उन्नति भी होती है। माना जाता है कि ज्येष्ठ माह में इन चीजों का दान करना विशेष रूप से फलदायी होता है। ऐसा करने से व्यक्ति को जीवनभर धन-दौलत की कमी नहीं होती है और परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है।

रवीना की बेटी राशा ने 'टिप टिप बरसा पानी' पर किया मां से भी तगड़ा डांस

राशा थडानी हमेशा से ही सोशल मीडिया पर सनसनी बनी हुई हैं। हालांकि, जब उन्होंने 2025 में आजाद के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की, तभी दर्शकों ने उनके टैलेंट को देखा। राशा थडानी ने बीती रात अपनी मां रवीना टंडन के गाने पर एक अवॉर्ड फंक्शन में परफॉर्म किया। नई-नई स्टार को इस इवेंट में 1994 की फ़िल्म मोहरा के चार्टबस्टर ट्रैक टिप टिप बरसा पानी पर थिरकते हुए देखा गया।

अवॉर्ड फंक्शन में पीले रंग की थाई-हाई स्लिट साड़ी-ड्रेस में राशा थडानी ने डांस फ़्लोर पर धमाल मचा दिया। उन्होंने अपने बेहतरीन मूव्स दिखाए, जिसके बाद से ही लोग उन्हें रवीना टंडन की कार्बन कॉपी बता रहे हैं। राशा को कल रात इस इवेंट में एक दो तीन गाने पर थिरकते हुए भी देखा गया।

राशा थडानी आज़ाद के गाने उई अम्मा से चर्चा में आ गई थीं, जिसका श्रेय उनकी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और परफेक्ट एक्सप्रेशन को जाता है। हालांकि, एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी मां रवीना ने उन्हें रेखा, सरोज खान और साधना के एक्सप्रेशन को तोड़-मरोड़ कर ट्रेनिंग दिलवाई है ताकि वह बड़े पर्दे पर परफेक्ट दिखें।

बीबीसी एशियन नेटवर्क से बातचीत में, राशा थडानी ने कहा, मेरी मां ने सिखाया, जब से मैंने यह तय किया या जब से मैंने इस फ़िल्म पर काम करना शुरू किया, तब से वो जानती थीं। वह मुझे रेखा जी, सरोज जी और यहां तक कि साधना जी के डांस को देखने के लिए बिठाती थीं। इसलिए वह मेरे लिए इसे समझाती थीं और कहती थीं यहां उनके हाव-भाव देखो, उनकी आंखें देखो, उनके होंठ देखो।

राशा ने आगे कहा, और वह इसे समझाती थीं। वो मुझे इसे सिर्फ़ मज़े के लिए देखने से ज़्यादा इसकी कला सिखाने की कोशिश करती थीं। इसलिए उस दिन भी हम यह फ़िल्म देख रहे थे, जिसमें साधना जी के साथ फ़िल्म झुमका गिरा रे थी। मैं इसे देख रही थी और मैं चौंक गई थी।

अर्जुन कपूर पर चढ़ा नया शौक, कहा

मैं बाथरूम सिंगर बनना चाहता हूं

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मजाकिया अंदाज में कहते दिख रहे हैं कि वो बाथरूम सिंगर बनना चाहते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन दिनों उनका पसंदीदा गाना मामा टोल्ड मी है, जो साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म एक अजनबी के हिट गानों में से एक है।

अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी बहन अंशुला के साथ बैठे नजर आ रहे हैं और म्यूजिक के बारे में बात कर रहे हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए अर्जुन ने कैप्शन में लिखा, इस प्लेलिस्ट का कोई एक स्टाइल नहीं है... बस जज्बात हैं। आपकी प्लेलिस्ट में इस समय सबसे अजीब गाने कौन से हैं? वीडियो में अर्जुन कहते हैं, मैंने तय किया है कि मैं बाथरूम सिंगर बनना चाहता हूं। इस पर उनकी बहन अंशुला ने हंसते हुए कहा, इस घर में हर साइज के पोर्टेबल स्पीकर हैं। इसके बाद एक्टर अपनी प्लेलिस्ट को स्क्रॉल करते हुए ढूंढते हैं कि उन्होंने आखिरी पॉप सॉन्ग कौन सा सुना था। इस दौरान वह मजाक में कहते हैं, मेरा म्यूजिक कलेक्शन कितना अजीब है। मैं बस ऐसा एक सही गाना ढूंढ रहा हूं जिसे मैं सबको बता सकूं। उन्होंने अपनी प्लेलिस्ट में से एक गाना चुना और बताया कि आया रे तूफान उनका पसंदीदा गाना है, जो विक्की कौशल की फिल्म छावा से है।इस पर अंशुला कहती हैं कि अर्जुन की पसंद का कोई ठिकाना नहीं है, कभी कोई गाना, कभी कोई और। उनकी प्लेलिस्ट में हर तरह के गाने हैं। अर्जुन बताते हैं, मेरी प्लेलिस्ट में पहले गोरी है कलाइयां गाना था, फिर डांस सॉन्ग बेबी जॉन, और फिर अचानक इमोशनल गाना दूरियां आ गया, जो 2007 की लव आजकल फिल्म का गाना है।

कैलोरी बर्न करना हुआ अब मस्ती भरा, शिल्पा शेट्टी ने बताया फिटनेस का मजेदार तरीका

मशहूर अभिनेत्री और फिटनेस की शौकीन शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे कार्डियो एक्सरसाइज करके आप कैलोरी बर्न कर सकते हैं। उनका यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम पर यह वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह जंपिंग जैक्स, स्टैंडिंग एट क्रंचेस और जुम्बा डांस करती नजर आ रही हैं।

बता दें कि जंपिंग जैक्स एक हल्की कूदने वाली एक्सरसाइज है जो पूरे शरीर को गर्म करती है। वहीं स्टैंडिंग एट क्रंचेस एक्सरसाइज पेट की चर्बी घटाने में मदद करती है और मसल्स मजबूत करती है। इसके अलावा, जुम्बा डांस एक एरोबिक डांस प्रोग्राम है। यह कैलोरी बर्न के साथ-साथ हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी शानदार है। जुम्बा के डांस मूव्स से दिल तेजी से पंप होता है।

एक्ट्रेस ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- फिट रहने का सफर उबाऊ नहीं होना चाहिए। किसने कहा कि कैलोरी बर्न करना मजेदार नहीं हो सकता, यह है मेरा तरीका- फन कार्डियो! यह कैलोरी और फैट को घटाता है। दिल और फेफड़ों को मजबूत करता है।

यह पहली बार नहीं है जब शिल्पा शेट्टी ने अपनी वर्कआउट रूटीन सोशल मीडिया पर शेयर की है। वह अक्सर फिट रहने के तरीके अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। पिछले महीने, अप्रैल में शिल्पा ने एक और वीडियो शेयर किया था। उस वीडियो में वह अपने ट्रेनर के साथ कोर वर्कआउट करती नजर आईं।

इस वीडियो पर उन्होंने कैप्शन में लिखा, आप एब्स बनाएं या जैब्स करें... दोनों ही फायदेमंद हैं। इससे शरीर का पोस्चर बेहतर होता है। बैलेंस अच्छा होता है। अंदरूनी अंगों को सपोर्ट मिलता है। खेल-कूद या फिजिकल परफॉर्मेंस बेहतर होती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो शिल्पा शेट्टी को हाल ही में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में देखा गया था। इसे रोहित शेट्टी और सुषवंत प्रकाश ने डायरेक्ट किया था। शिल्पा की 2000 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म धड़कन अब फिर से 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, महिमा चौधरी, शर्मिला टैगोर, परमीत सेठी, किरण कुमार, सुषमा सेठ और मंजीत कुल्लर अहम किरदार में हैं।वह जल्द ही कन्नड़ भाषा की एक एक्शन-ड्रामा फिल्म केडी- द डेविल में नजर आएंगी।

डीप नेक हाई स्लिट ड्रेस में वाणी कपूर ने इनटरनेट का पारा चढाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर एक बार फिर अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक बेहद हॉट तस्वीर शेयर की है, जो ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2025 इवेंट से ली गई है। वाणी ने इस अवॉर्ड शो में डीप नेक और हाई स्लिट वाली ब्लैक-येलो ड्रेस में गॉर्जियस पोज़ दिए जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस फोटो में वाणी का स्टाइल और कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। खुले बाल, न्यूड मेकअप और स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ वाणी ने अपने लुक को मिनिमल लेकिन बेहद अट्रैक्टिव रखा। इस पोस्ट को अब तक हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं। फैंस उनके लुक को फायर और स्टनिंग जैसे कमेंट्स से नवाज रहे हैं।वाणी कपूर ने पोस्ट के कैप्शन में केवल ज़ी सिने अवाड्र्स को टैग करते हुए ब्लैक और येलो हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया, जो उनके लुक की थीम को भी दर्शाता है।

वाणी का ये ग्लैमरस लुक उनके फैशन सेंस की तारीफ करने के लिए काफी है। उनका ये डैयरिंग अवतार यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि फैशन डीवा भी हैं। ज़ी सिने अवॉड्र्स के रेड कार्पेट पर उनका यह स्टाइलिश अंदाज़ हर किसी का ध्यान खींचने में कामयाब रहा।

ब्लैक ड्रेस में तमन्ना भाटिया ने मचाया तहलका

फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित और स्टाइलिश एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों से तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में तमन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक खूबसूरत तस्वीर शेयर की, जिसमें वह एक ब्लैक ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, दर्शकों को समर्पित एक रात के लिए तैयार ज़ी सिने अवाड्र्स। तमन्ना का यह ब्लैक ड्रेस लुक बेहद स्टाइलिश और बोल्ड है, जो उनके फैंस को आकर्षित कर रहा है। तस्वीर में उनके बालों का सटल और एलिगेंट स्टाइल, साथ ही उनके सॉफ्ट मेकअप ने उनके लुक को और भी शानदार बना दिया। इस पोस्ट पर तमन्ना के फैंस ने ढेरों कमेंट्स और लाइक्स किए हैं।फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे जैसे मनीष मल्होत्रा, रश्मि तारणजीत, और सोनम बाजवा ने भी इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी और तमन्ना की सुंदरता की सराहना की। उनके द्वारा दिए गए कमेंट्स इस पोस्ट को और भी खास बना रहे हैं।तमन्ना भाटिया का यह लुक हर किसी को उनका दीवाना बना रहा है और ज़ी सिने अवाड्र्स के लिए उनका यह खास अवतार फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप मानें या न मानें, आपके आस–पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले–तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएँ। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करें–गे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़बसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। लेकिन जी–वनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली–भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा–सी लापरवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज़्ता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 मई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 03:25 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 06:59 तक
योग : वैधृति रात्रि 12:34 तक
करण : तैतिल सायं 04:16 तक
चन्द्र राशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक चालू है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

देश को ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंगलवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री निवास संत कबीर कुटीर पर विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास कर ''ऑपरेशन'' सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय सेना का हार्दिक आभार जताया। विधायक दल की इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, सह प्रभारी सुरेंद्र नागर, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा के अलावा सभी मंत्री और विधायक भी मौजूद रहे।

विधायक दल की बैठक में हरियाणा के अंदर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों और संगठनात्मक की मजबूती पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के प्रभारी डा. सतीश पूनिया और प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में हो रहे विकास कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। बैठक में उपस्थित सभी मंत्रियों और विधायकों ने भी खुशी व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, विकास के क्षेत्र में हरियाणा को नंबर–1 बनाने के प्रति प्रतिबद्धता इस बैठक में जताई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पूरे देश को भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने आतंकी ठिकानों को नेस्ताबूद किया और सरहद की रक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता मजबूत इच्छा शक्ति और मजबूत नेतृत्व से संभव हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश भर में तिरंगा यात्राओ में उमड़े लोग देश भक्ति के जज्बा के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा गा रहे हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। भाजपा के कार्यकर्ता देश प्रथम की भावना से काम करते हैं। सरकार की योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने में भाजपा के कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है। सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए भाजपा सरकार का लक्ष्य प्रदेश का तीन गुना गति से नॉन–स्टॉप विकास कराना है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार का ध्येय जनहित में निर्णय और योजनाएं बनाकर उनको लागू करना है, ताकि आम जन के कार्य आसानी से हो सके।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा में नायब सरकार लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव के समय जो वादे किए हैं उन हर वादों को एक–एक करके पूरा कर रही है। डा. पूनिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा को ऐसा मुख्यमंत्री मिला है जो बिना थके और बिना रूके हरियाणा के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज की बैठक में संगठन की संरचना, तिरंगा यात्रा, ऑप्रेशन सिंदूर, एक भारत, श्रेष्ठ भारत और वन नेशन, वन इलेक्शन के अलावा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। हरियाणा में चल रहे भाजपा के सभी कार्यक्रमों की मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रशंसा की और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। श्री बड़ौली ने कहा कि संगठन और सरकार एकजुट होकर लोगों के कल्याण के लिए कार्य कर रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अ3ाज की महत्वपूर्ण बैठक में विधायकों ने अपने–अपने क्षेत्रों की प्राथमिकताओं और जनता से जुड़े मुद्दों को साझा किया और उनके समाधान सुनिश्चित करने के लिए त्वरित दिशा–निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि बैठक में भाजपा के संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई और यह सुनिश्चित किया गया कि हर स्तर पर पार्टी की पहुंच और प्रभाव निरंतर बढ़ता रहे।

पेयजल संकट को लेकर हरियाणा और पंजाब के राज्यपालों से मिले जेजेपी नेता

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सुबह हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मिला और उन्हें हरियाणा के पेयजल संकट के बारे में अवगत करवाया। वहीं सायं को जेजेपी नेता पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से मिलकर उन्हें हरियाणा में गहराए जल संकट के बारे में विस्तार से बताया। जेजेपी नेताओं ने दोनों प्रदेशों के महामहिमों को इस पेयजल संकट का तुरंत समाधान करने एवं भाखड़ा, एसवाईएल को लेकर ज्ञापन सौंपा। राज्यपालों को ज्ञापन सौंपने के उपरांत राजभवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत करते हुए जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में पेयजल संकट गहराया हुआ है और लोगों को पीने के पानी के लाले पड़े है। डॉ चौटाला ने कहा कि पंजाब सरकार ने पहले एसवाईएल और अब भाखड़ा का पानी न देकर हरियाणा की जनता के हितों से साथ धोखा किया है। वहीं हरियाणा की भाजपा सरकार एसवाईएल का पानी लाना तो दूर भाखड़ा का पानी भी नहीं ला पा रही है। उन्होंने कहा कि दोनों प्रदेश के राज्यपाल इस गंभीर मसले पर तुरंत संज्ञान लें और इन्हें हल करवाएं।

जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि एसवाईएल पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हरियाणा के हक में आने के बावजूद भी पिछले दो सालों से केंद्र सरकार द्वारा एसवाईएल को लेकर कोई बैठक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की सरकार को केंद्र सरकार से एसवाईएल का फैसला लागू करवाना चाहिए। डॉ चौटाला ने कहा कि राज्यपाल हरियाणा सरकार को आदेश दे कि वे सुप्रीम कोर्ट में जाकर केंद्र सरकार के विरूद्ध कदम उठाए और एसवाईएल का पानी मांगे। अजय चौटाला ने कहा कि जल बंटवारे को लेकर पंजाब सरकार द्वारा निरंतर असंवैधानिक कदम उठाए जा रहे है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह से सिख उद्योगपतियों की मुलाकात

औद्योगिक विकास और निवेश पर हुई चर्चा

चंडीगढ़, 20 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सिख उद्योगपतियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। यह भेंट संत कबीर कुटीर आवास पर हुई, जिसमें राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश संभावनाएं और सामाजिक सहयोग जैसे अनेक पहलुओं पर विस्तृत बातचीत की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, ओएसडी डॉ प्रभलीन सिंह, विदेश सहयोग विभाग के एडवाइजर पवन चौधरी भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिष्ठित सिख उद्योगपति शामिल थे, जिनमें ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, कृषि, आईटी और फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के प्रमुख नाम थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल के साथ संवाद करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीमों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जिनका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और रोजगार के नए अवसर सृजित करना है। सिख उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा के दौरान राज्य सरकार द्वारा व्यापारी वर्ग के लिए बनाई की स्कीमों की तारीफ की। उनका कहना था कि प्रदेश में सरकार ने व्यापारी वर्ग को साकारात्मक माहौल दिया है।

एयर कार्गो कॉम्पलेक्स का सॉफ्टवेयर 'सरल' उद्घाटीत

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने राजस्थान लघु उद्योग निगम (राजसिको) के सेन्ट्रलाईज इन्वेन्ट्री, सेल्स, बिलिंग एवं एयर कार्गो सॉफ्टवेयर 'सरल' की मंगलवार को सचिवालय में लॉंचिंग की।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बताया कि राजसिको द्वारा संचालित एयर कार्गो कॉम्पलेक्स ईआरपी वर्तमान में लगभग 9000 करोड़ रुपये का एक्सप–ोर्ट– इम्पोर्ट करता है। इनबाउंड कार्गो रजिस्ट्रेशन, वालेट आधारित डिजिटल प्रिडिपोजिट अकाउन्ट पीडीए द्वारा पेमेंट गेटवे ऑपरेशन, उत्पाद कार्यों का मास्टर एयरवे बिल नम्बर द्वारा पृथक्कीकरण, एक्सपोर्टर इम्पोर्टर का रजिस्ट्रेशन, वेयर हाउस मैनेजमेंट, टर्मिनल स्टोरेज एण्ड प्रोसेसिंग चार्जेज आदि कार्यों को सरल सॉफ्टवेयर द्वारा सम्पादित करने पर समय की बचत एवं शीघ्र निष्पादन होगा।

सरल सॉफ्टवेयर द्वारा राजस्थली में उत्पाद, उत्पाद बार कोडिंग, डिजिटल बिल, राजस्व , जी. एस.टी. आदि सभी कार्य केन्द्रीकृत रूप से किए जाएंगे जिससे पारदर्शिता, बेहतर सुपरविजन के साथ–साथ समय की बचत होगी। इस प्रकार न केवल डेटा जनरेशन होगा अपितु उत्पादों की बर्बादी रोकी जा सकेगी, उत्पादों की समयबद्ध सप्लाई तथा विपणन किया जा सकेगा। परचेज मैनेजमेंट, जी. एस.टी. मैनेजमेंट तथा उपभोक्ता संतुष्टिकरण में भी यह सॉफ्टवेयर सहायक होगा।

इस अवसर पर राजसिको की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. आरूषि अजेय मलिक ने बताया कि राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों की बिक्री के लिए लंदन, सिंगापुर, दुबई, आगरा, जयपुर, आमेर, पुष्कर, सुमेरपुर (बांध के समीप), सवाई माधोपुर शहर, माउण्ट आबू जैसलमेर, हरिद्वार, बद्रीनाथ आदि देश–विदेश के प्रसिद्ध शहरों एवं प्रमुख एयरपोर्टस, तीन/पाँच सितारा होटलों के परिसरों में फ्रैंचाईजी मोड पर 'राजस्थली' विक्रय केन्द्र संचालित करने का भी निर्णय लिया गया है।

पीएम मोदी का बीकानेर दौरा कल

26 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे

बीकानेर, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को राजस्थान में बीकानेर जाएंगे जहां वह अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन और बीकानेर–मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन सहित 26 हजार करोड़ रुपए की परियोजन–ाओं का लोकार्पण करने के साथ ही सुप्रसिद्ध करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार श्री मोदी सुबह करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन के उपरांत लगभग 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर–मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे और पलाना में एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव, विधि एवं न्याय और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल भी मौजूद होंगे।

विधायक कंवरलाल सदस्यता मामला

महाधिवक्ता की विधिक राय प्राप्त होते ही तत्काल होगा निर्णय : देवनानी

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि विश्वविद्यालय में जिस वर्ष विद्यार्थी की शिक्षा पूरी हो, उसी साल दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर डिग्री मिले, इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाएं। उन्होंने चिकित्सकीय शिक्षा में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाए कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़े। समाज को अच्छे और प्रतिभाशाली डॉक्टर मिले। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में मौलिक शोध और अनुसन्धान पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय देश विदेश के दूसरे विश्वविद्यालयों से कॉलोबोरेशन कर इस क्षेत्र के नए ज्ञान के आदान प्रदान का संवाहक बने।राज्यपाल बागडे मंगलवार को बिड़ला सभागार में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता और ध्यानाकर्षण कितना है, इसके लिए क्या क्या पढ़ा और उसमें क्या ध्यान में रखा इस पर विशेष ध्यान दिया जाए।

कोई पाकिस्तान या नेपाल की नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र की देते हैं मिसालें : पायलट

जयपुर, 20 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने मंगलवार को भारतीय लोकतंत्र की तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई देश हैं, जहां लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम है, लेकिन भारत का लोकतंत्र सबसे जीवंत और दृढ़ है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज कई बड़े देश हमारे लोकतंत्र का उदाहरण देते हैं। कोई भी पाकिस्तान के लोकतंत्र की मिसाल नहीं देता है। कोई श्रीलंका या नेपाल का उदाहरण नहीं देता। सभी भारतीय लोकतंत्र की बात करते हैं। मुझे लगता है कि यह मुकाम सभी प्रधानमंत्रियों के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप ही प्राप्त हो पाया है, तो ऐसी स्थिति में इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि कांग्रेस का योगदान इस दिशा में सबसे ज्यादा रहा है, क्योंकि कांग्रेस ने ही इस देश में सबसे लंबे समय तक शासन किया है, ऐसे में निश्चित तौर पर कांग्रेस ने इस देश के लोकतंत्र को नया आकार दिया है।

उन्होंने राजीव गांधी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह बहुत ही कम समय तक प्रधानमंत्री रहे, लेकिन बहुत ही अल्पकाल में उन्होंने कई अभूतपूर्व कदम उठाए। उन्होंने युवाओं को मतदान का अधिकार दिया। संचार क्रांति उन्हीं की देन है। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप आज विकास की गति तेज हुई है।

इसके अलावा, सचिन पायलट ने आतंकवाद को लेकर भी अपने सख्त रुख का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी आतंकवाद को लेकर अपनी बात कह चुका हूं। आतंकवाद को लेकर किसी भी प्रकार का किंतु–परंतु नहीं होना चाहिए। आतंकवाद से हम लोग त्रस्त हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में हम सभी लोगों को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को परास्त करने के लिए एकजुट होना होगा। साथ ही उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की भी तारीफ की। उन्होंने जिस तरह से हमारी सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, उसे लेकर मैं अपनी सेना को धन्यवाद देना चाहूंगा। उन्होंने जिस बहादुरी से पाकिस्तानी आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त किया, उसकी तारीफ की जानी चाहिए। इसके अलावा, न केवल सैनिकों बल्कि उनके परिवारों को भी धन्यवाद देना चाहिए, जिन्होंने अपने वीर सपूतों को सीमा पर देश की रक्षा के लिए भेजा। भारतीय सेना देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान करने के लिए तैयार रहती है।

उन्होंने युद्धविराम को लेकर कहा कि जिस तरह से किसी तीसरे मुल्क ने युद्धविराम की घोषणा की, वह अप्रत्याशित था। युद्धविराम की घोषणा के बाद पाकिस्तान ने हमले किए। उसने सीमा पर गोलीबारी की और मोर्टार दागे। इसमें कई निहत्थे लोगों की जान गई।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दें

शहीद राम बाबू सिंह को 'शहीद' का दर्जा न मिलने पर राजद का धरना, सरकार पर जमकर बरसे नेता

सीवान (एजेंसियां)। बड़हरिया प्रखंड परिसर में राजद के नेताओं ने सोमवार को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। यह धरना जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के हरिहरपुर पंचायत स्थित वसिलपुर गांव निवासी शहीद राम बाबू सिंह को अब तक 'शहीद' का दर्जा और सम्मान राशि न मिलने के विरोध में आयोजित किया गया था।

धरने का नेतृत्व राजद नेता अनवारूल हक उर्फ अनवार बाबू ने किया। उन्होंने सरकार से मांग की कि शहीद राम बाबू सिंह के परिजनों को जल्द से जल्द 'शहीद' का दर्जा और 50 लाख की सम्मान राशि प्रदान की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो राजद इस मुद्दे पर व्यापक आंदोलन शुरू करेगा।

धरने में राजद जिलाध्यक्ष विपिन सिंह कुशवाहा, पूर्व जिला पार्षद एहतेशामुल हक उर्फ मिनी नेता, हाजी साहब, अमित यादव, रमेश यादव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और महिलाएं मौजूद थीं। सभी ने एक स्वर में शहीद के परिजनों के साथ हुए अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की।

राजद नेता अनवारूल हक ने बताया कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच हुई झड़प में शहीद हुए राम बाबू सिंह की शहादत को एक समाह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन राज्य सरकार की ओर से अब तक न तो कोई सम्मान राशि दी गई है और न ही उन्हें 'शहीद' का दर्जा मिला है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले जब वह शहीद के गांव गए और परिजनों से मुलाकात की, तो उन्होंने बताया कि अब तक सेना या सरकार की ओर से उन्हें कोई आधिकारिक सूचना या पत्र नहीं मिला है। परिवार अब भी सरकार की ओर से किसी ठोस पहल का इंतजार कर रहा है।

राजद नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस ट्वीट का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने शहीद की शहादत पर दुख जताते हुए परिजनों को 50 लाख की सम्मान राशि और 'शहीद' का दर्जा देने की घोषणा की थी। लेकिन विडंबना यह है कि न तो कोई मंत्री, न कोई अधिकारी और न ही कोई प्रतिनिधिमंडल अब तक शहीद के परिजनों से मिलने पहुँचा है।

राजद नेताओं ने छपरा के शहीद इम्तियाज अहमद का उदाहरण देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने उनसे स्वयं मुलाकात की थी और 24 घंटे के भीतर सम्मान राशि और 'शहीद' का दर्जा प्रदान किया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि सीवान के लाल शहीद राम बाबू सिंह के साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राजद नेताओं ने अंत में चेतावनी दी कि यदि जल्द सरकार द्वारा उचित कदम नहीं उठाए गए, तो पार्टी चरणबद्ध तरीके से आंदोलन को तेज करेगी।

लेन–देन के विवाद में युवक की गला दबाकर हत्या

मुंगेर (एजेंसियां)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत संसारपुर रिटायरड बांध के पास 17 मई को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मृतक की पहचान पूर्वी हरदासचक निवासी कैलाश साह के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई थी। उसके गले में बेल्ट बंधा हुआ था, जिससे स्पष्ट था कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई है। मामले में मृतक की मां ने पुलिस को दिए बयान में तीन लोगों को नामजद किया था। पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार के निर्देश पर मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि मृतक की मां द्वारा दर्ज कराए गए एफआईआर के आधार पर पुलिस ने संसारपुर गांव निवासी मनोज कुमार के पुत्र पोलो कुमार को 19 मई को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के दौरान दो अन्य आरोपियों के नाम सामने आए, जिनमें रोहन कुमार पुत्र अभय चौधरी, निवासी संसारपुर और रोहित कुमार पुत्र रंजीत सहनी, निवासी रामगंज इन दोनों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि हत्या का कारण आपसी लेन-देन का विवाद था। मृतक और आरोपियों के बीच पहले भी पैसे के लेन-देन को लेकर तनाव था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि घटना वाले दिन तीनों आरोपियों ने मृतक रोहित कुमार को फोन कर घर से बुलाया था। सभी ने एक साथ बैठकर स्मैक का सेवन किया। इसी दौरान किसी लेन-देन को लेकर मृतक और आरोपी रोहित कुमार के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर तीनों ने मिलकर रोहित की पिटाई की और फिर उसी के बेल्ट से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को छिपाने की नीयत से संसारपुर रिटायरड बांध के पास फेंक दिया।

पीएम नरेंद्र मोदी बिहार आएं तो अपने पुराने वादे भी निभाएं : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसियां)। बिहार के प्रतिपक्ष नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर जमकर हमला बोला है। मंगलवार को बोधगया में प्रेस वार्ता करते हुए कि जब बिहार में चुनाव होते हैं, तब ही पीएम मोदी आते हैं। तेजस्वी यादव ने कहा वह आते हैं, आएं लेकिन जो वादे करके जाते हैं, उन्हें पूरा तो करें। उन्होंने 2014 में किए गए वादों का जिक्र करते हुए पूछा कि आखिर बिहार के लिए उन्होंने क्या किया गया? अब तक बंद पड़े चीनी और जूट मिलों को फिर से चालू करवा देते। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवा देते। लेकिन, कोई भी काम नहीं हुआ। राहुल गांधी के दौरे पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सभी एक साथ हैं। अगर देश का विरोधी दल का नेता दलित छात्रावास में नहीं जा सकता, तो यह किसका फेल है?' उन्होंने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार का दावा विफल हो चुका है।

सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए तेजस्वी ने कहा कि चाचा कहते थे कि अपने पिता से नौकरी लाकर देंगे। क्या भाजपा ने कोई नीति बनाई थी?' उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने सभी को शिक्षक बनाया और खिलाड़ियों को डीएसपी रैंक तक की नौकरी दी। जनसुराज योजना पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि नई-नई पार्टियां बन रही हैं, लेकिन किसी के कारण कोई सीट का नुकसान नहीं होता। जनता मालिक है। नीतीश कुमार के गांव में जनसुराज के कार्यकर्ताओं को रोकने को उन्होंने तानाशाही करार दिया।

वहीं तेजस्वी ने शहीदों के सम्मान में कहा कि अगर कोई शहीद होता है, तो उसे शहीद का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने लोकसभा में भी कहा था कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो पारा मिलिट्री फोर्स को भी शहीद का दर्जा दिया जाएगा। बिहार में सीएम की वेकेंसी के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जनता मालिक है। पिछली बार हम कुछ ही सीटों से दूर रह गए थे, अब 225 का दावा कर रहे हैं, तो चुनाव क्यों करवा रहे हैं? वहीं तेजस्वी ने राज्य में अपराध की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं। कई जगह पुलिस का एनकाउंटर हुआ है। उन्होंने विधि व्यवस्था की स्थिति को भयावह बताते हुए कहा कि हमारे सीएम अचेतावस्था में हैं। उनके रिटायर्ड अधिकारी भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 20 साल पुरानी खटारा सरकार को इस बार बिहार की जनता बदल देगी। हमारी सरकार आने पर 200 यूनिट मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर का दाम 500 रुपए, माई बहन मान योजना में हर महीने 2500और पासी समाज के लिए ताड़ी को शराब से बाहर किया जाएगा।' तेजस्वी ने कहा कि महिलाओं के खातों में 2500 रुपए डाले जाएंगे, और इसके लिए, सरकार को घुटने टेकने के लिए मजबूर किया जाएगा।

ककोलत जलप्रपात में उमड़ी भीड़ सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पर्यटकों पर लाठीचार्ज का वीडियो वायरल

नवादा (एजेंसियां)। भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए इन दिनों ककोलत जलप्रपात में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार से शुक्रवार तक यहां हजारों की संख्या में लोग पहुंचे, जिससे हालात बेकाबू हो गए। सुरक्षा व्यवस्था भीड़ के अनुपात में अपर्याप्त साबित हो रही है। स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख वनकर्मियों को सख्ती बरतनी पड़ी। इस दौरान पर्यटकों पर लाठीचार्ज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कुमार कृष्णा ने बताया कि बीते कुछ दिनों से पर्यटकों की संख्या में अचानक तेजी आई है। इसे देखते हुए अतिरिक्त वनकर्मियों की तैनाती की गई है। फिलहाल ककोलत जलप्रपात क्षेत्र में 17 वनकर्मी और 30 कैटल गार्ड कार्यरत हैं।

प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन के लिए चार स्थानों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्था की है। प्रतिदिन लगभग 800 कार और 1500 मोटरसाइकिलें ककोलत वन क्षेत्र में पहुंच रही हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। पहला बैरिकेडिंग ककोलत गेट के बाहर, दूसरा गेट के पास, तीसरा बुजुर्गों और बच्चों के कुंड से पहले तथा चौथा कुंड की सीढ़ियों के पास लगाया गया है। कुंड क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण के लिए सायरन की व्यवस्था भी की गई है। जैसे ही सायरन बजता है, पर्यटकों से कुंड खाली करने की अपील की जाती है ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक वनकर्मी भीड़ पर लाठी चलाता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना कुंड क्षेत्र की है, जहां भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान यह कार्रवाई की गई। वीडियो वायरल होने के बाद वन विभाग हरकत में आया है। वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ कुमार कृष्णा ने संबंधित वनकर्मी से स्पष्टीकरण मांगा है।

उन्होंने कहा कि अगर वनकर्मी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई महिलाओं के क्षेत्र में छेड़खानी की शिकायत के बाद भीड़ को तितर-बितर करने के उद्देश्य से की गई थी।

दिनदहाड़े पेट्रोल पंप कर्मचारी की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसियां)। कैमूर जिले के भभुआ शहर स्थित बद्री भवानी पेट्रोल पंप पर सोमवार को दिनदहाड़े एक कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान भभुआ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 15 निवासी मुन्नू धोबी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज धोबी के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे भभुआ जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने बताया कि मृतक मनोज धोबी लंबे समय से बद्री भवानी पेट्रोल पंप पर बतौर कर्मचारी कार्यरत थे। वे रोज की तरह सोमवार को भी ड्यूटी पर पहुंचे थे, तभी एक अपराधी ने उन्हें गोली मार दी। उन्होंने बताया कि मनोज एक बेहद गरीब परिवार से थे और उनके परिवार की जीविका इसी नौकरी पर निर्भर थी।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का मोतिहारी में भव्य स्वागत

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल महामहिम आरिफ मोहम्मद खान शनिवार को पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली प्रखंड स्थित बगही पंचायत पहुंचे। वे यहां समाजसेवी इंजीनियर परवेज मोहम्मद के आमंत्रण पर एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल था।

राज्यपाल की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। जिला प्रशासन और पुलिस के वरीय अधिकारियों ने स्वयं बगही पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। परवेज मोहम्मद के आवास और आस-पास के इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। सैकड़ों की संख्या में पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात रहे।

करीब 11:30 बजे राज्यपाल का काफिला बगही पहुंचा, जहां इंजीनियर परवेज मोहम्मद एवं उनके परिजनों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। उन्हें पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, समाजसेवी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में बगही पंचायत की सामाजिक सौहार्द और सुगौली की ऐतिहासिक विरासत की सराहना की।

बाढ़ से निपटने को लेकर जल संसाधन विभाग ने की पुख्ता तैयारी, तकनीकी विशेषज्ञों की टीम करेगी मदद

पटना (एजेंसियां)। बिहार में बाढ़ और सूखे की स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में इस विषय पर एक समीक्षा बैठक की, जिसमें जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव ने अब तक किए गए इंतजामों की विस्तार से जानकारी दी। विभाग की ओर से बाढ़ पूर्व जो काम किए गए हैं, वे यह दिखाते हैं कि सरकार किसी भी आपदा से निपटने को पूरी तरह सतर्क और तैयार है।

राज्य के भीतर बहने वाली प्रमुख नदियों जैसे गंगा, कोसी, गंडक, बागमती, बूढ़ी गंडक, कमला बलान और महानंदा के किनारे 394 स्थानों पर बाढ़ से पहले ही कटाव रोधी और तटबंध मजबूती के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। ये काम राज्य योजना, केंद्र सरकार की योजनाओं और आपदा राहत कोष से कुल 1310 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए हैं।

राज्य में बाढ़ की स्थिति के दौरान तटबंधों पर खास निगरानी रखी जाएगी। कुल 3808 किलोमीटर लंबे तटबंध पर हर एक किलोमीटर पर एक कर्मचारी की तैनाती होगी, जो लगातार हालात पर नजर रखेगा। इसके अलावा तटबंध पर निगरानी करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अस्थायी आवास, शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था की गई है। नदियों पर बने बराज से पानी के बहाव की लगातार निगरानी की जाएगी और अगर जलस्तर अचानक बढ़ता है, तो जिला प्रशासन को तुरंत सूचना दी जाएगी।

बाढ़ के समय तटबंधों और संवेदनशील जगहों की सुरक्षा को लेकर विभाग ने एक तकनीकी टीम बनाई है। इसमें अनुभवी और रिटायर इंजीनियरों को शामिल किया गया है जो ज़रूरत पड़ने पर स्थानीय इंजीनियरों को सलाह देंगे और मुश्किल हालात में उनका मार्गदर्शन करेंगे।

बिहार की कई नदियाँ नेपाल क्षेत्र से होकर आती हैं, इसलिए नेपाल के साथ भी विभाग लगातार संपर्क में है। कोसी बराज और नेपाल क्षेत्र में मौजूद तटबंधों पर सुरक्षा से जुड़े सारे काम बिहार सरकार ने पूरे कर लिए हैं।

नेपाल के मौसम और जल विज्ञान विभाग से बिहार को समय-समय पर बारिश की जानकारी और पूर्वानुमान मिलते रहते हैं। इसके लिए काठमांडू में बिहार सरकार का एक संपर्क कार्यालय भी है, जो दोनों देशों के बीच समन्वय बनाए रखने का काम करता है।

बाढ़ नियंत्रण कोषांग के तहत एक सहायता केंद्र 1 जून से शुरू किया जाएगा, जो चौबीसों घंटे सक्रिय रहेगा। लोग टोल फ्री नंबर 1800 345 6145 पर फोन कर किसी भी तरह की जानकारी या मदद ले सकेंगे। इसके अलावा दो लैंडलाइन और दो मोबाइल नंबर भी जारी किए गए हैं, जिन पर संपर्क किया जा सकता है।

पटना में बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायक केंद्र के तहत एक गणितीय मॉडल काम कर रहा है, जो गंगा नदी के बक्सर से कहलगांव तक और अन्य प्रमुख नदियों के कुल 42 स्थानों पर 72 घंटे पहले बाढ़ की चेतावनी देने में सक्षम है। इस सिस्टम में सेटेलाइट तस्वीरों का भी इस्तेमाल किया जाता है ताकि तटबंधों की स्थिति और पानी के बहाव की निगरानी की जा सके। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और बिहार मौसम सेवा केंद्र से रोजाना बारिश का पांच दिनों का पूर्वानुमान लिया जाता है, जिसे सभी जिलों के अधिकारियों और विभागों को समय पर भेजा जाएगा ताकि तैयारी पहले से की जा सके।

राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि बाढ़ जैसे हालात में लोगों को समय पर राहत पहुंचाना और सही जानकारी देना उसकी प्राथमिकता है। जल संसाधन विभाग की तैयारियाँ इसी दिशा में एक मजबूत कदम हैं, जिससे किसी भी संभावित आपदा से जनजीवन को सुरक्षित रखा जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com